फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 225 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 20 मार्च, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

People In Thailand Were Chewing Betel Nuts 4,000 Years Ago?

Scientists believe that they have found the earliest biochemical evidence of people chewing the popular psychoactive plant

She Was Class Apart

Europe Named After An African Princess!

केरल में कांग्रेस के वर्तमान 13 में से 9 सांसद विधानसभा टिकट मांग रहे हैं

सबसे ज्यादा मुखरित हैं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता के सुधाकरण, जो, पीसीसी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं

- सुधाकरण ने धमकी भी दी है, कांग्रेस पार्टी से अगर उनको टिकट नहीं मिला तो वे पार्टी को काफी हानि भी पहुँचा सकते हैं।
- मल्लिकार्जुन खड़गे व पार्टी के वरिष्ठ नेता ए.के. एन्टनी ने स्थिति संभाली और सुधाकरण का जोश ठंडा किया और इस बात पर राजी करवा लिया कि वे टिकट के लिए दबाव नहीं बनाएंगे।
- पर, कांग्रेस की दिक्कतें खत्म नहीं हो रहीं। टिकटार्थियों की खींचतान के कारण, पार्टी अभी भी, भारी प्रयासों के बावजूद, अपने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी नहीं कर पाई है और पहली लिस्ट में भी काफी नाम ऐसे हैं, जो पार्टी के सबसे मजबूत उम्मीदवार नहीं माने जा सकते, बल्कि काफी कमज़ोर उम्मीदवार हैं।
- केरल में नौ अप्रेल को चुनाव हैं, अतः, कांग्रेस के पास ज्यादा समय भी नहीं है, चुनाव से पहले अपना घर दुरुस्त करने के लिए।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मार्च। केरल कांग्रेस के भीतर बड़ा विवाद चल रहा था, जहां 13 में से 9 मौजूदा सांसद आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट की मांग कर रहे थे।

खास तौर पर वरिष्ठ नेता के. सुधाकरन, जो पीसीसी अध्यक्ष रह चुके हैं, अपनी मांग पर अड़े हुए थे। उन्होंने साफ कहा था कि अगर उन्हें टिकट नहीं मिला तो वे पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं।

यहां तक कि उन्होंने धमकी दी थी कि अगर उन्हें टिकट नहीं दिया गया तो वे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

ज्ञातव्य है कि पार्टी पहले ही घोषणा कर चुकी है कि किसी भी सांसद को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया जाएगा।

लेकिन पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और ए. के. एंटनी की पर्दे के पीछे की गई जोरदार समझाइश भरी बातचीत के बाद आखिरकार सुधाकरन मान गए। आज शाम वे केरल के लिए रवाना हो गए और कहा कि वे पार्टी के फैसले के साथ हैं और टिकट की मांग नहीं करेंगे।

फिलहाल यह संकट टल गया है, लेकिन पार्टी अभी तक उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी नहीं कर पाई है, क्योंकि अंदरूनी खींचतान बहुत ज्यादा है।

यह भी समझा जा रहा है कि पहली सूची में शामिल कई उम्मीदवार बहुत मजबूत नहीं हैं और उम्मीद के मुताबिक खरे नहीं उतरते, उन्हें कमजोर उम्मीदवार माना जा रहा है और ऐसा लगता है कि पार्टी उनसे बेहतर उम्मीदवार पेश कर सकती थी। इसकी वजह भी वही खींचतान और दबाव ही है।

केरल में चुनाव 9 अप्रैल को होने हैं और समय तेजी से भाग रहा है।

वाम मोर्चा नामांकन दाखिल करना और चुनाव प्रचार पहले ही शुरू कर चुका है।

वाम मोर्चा केरल में दो बार सत्ता में रह चुका है और अब वह एक बार फिर कांग्रेस को हराने की कोशिश में है।

राष्ट्रपति ने अयोध्या में श्रीराम यंत्र स्थापित किया

- यह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की दूसरी अयोध्या यात्रा है।

अयोध्या, 19 मार्च। चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में सनातन नव संवत्सर के अवसर पर श्रीराम यंत्र की स्थापना की। यह श्रीराम यंत्र जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय तल के गर्भगृह में अभिजीत मुहूर्त में वैदिक आचार्यों ने मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा अर्चना कर स्थापित कराया।

गुरुवार को राष्ट्रपति मुर्मु के अयोध्या पहुंचने पर महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक भी मौजूद थे। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने राष्ट्रपति का अभिवादन करते हुए उन्हें 'नगर की चाबी' भेंट की। यह सम्मान अतिथि को नगर की ओर से दिया जाने वाला सर्वोच्च प्रतीकात्मक सम्मान माना जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दूसरी बार अयोध्या पहुंची हैं।

राष्ट्रपति के स्वागत में एयरपोर्ट से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक के पूरे मार्ग पर उत्सव जैसा दृश्य देखने को मिला। सड़क के दोनों ओर करीब 20

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

युद्ध अब एक पके-पकाये ''इकोनॉमिक वॉर'' में परिवर्तित हुआ

इज़रायल ने इराक की साउथ पार्स गैस फील्ड पर भारी बमबारी की तथा ईरान ने जवाबी हमले में कतर की गैस फील्ड पर बम बरसाये

- ईरान की साउथ पार्स व कतर की नॉर्थ डोम गैस फील्ड में दुनिया का सबसे बड़ा गैस भंडार है तथा इन गैस फील्ड्स से कामकाज बंद हो जाने से विश्व की ''इकॉनमी'' पर, ''बैंक गियर'' लग गया है। चीज़ों के दाम बढ़ रहे हैं, बेरोज़गारी अब द्रुत गति से बढ़ेगी। सभी प्रमुख रिज़र्व बैंक, जो ब्याज दर घटाने की सोच रहे थे, अब, ब्याज दर बढ़ाने की बात करने लगे हैं।
- हर बार की तरह, ट्रंप इस भीषण घटनाक्रम से घबराकर कह रहे हैं कि इज़रायल ने उनसे परामर्श किए बगैर, ईरान की गैस फील्ड पर भारी बमबारी करने का निर्णय लिया है। जबकि इज़रायल के सैन्य अधिकारी उल्टी बात कह रहे हैं कि ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड पर बमबारी का निर्णय, अमेरिका से राय मशविरा करके लिया गया है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मार्च। पश्चिम एशिया का संकट अब एक वैश्विक आर्थिक चुनौती बन गया है। इज़रायल द्वारा साउथ पार्स गैस फील्ड पर किए गए ताजा हमले और इसके जवाब में ईरान द्वारा कतर के पास स्थित नॉर्थ डोम गैस फील्ड की गैस सुविधाओं पर हमलों के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। निस्संदेह, युद्ध तेज हो गया है और कम से कम अमेरिका के लिए इसे नियंत्रित करना मुश्किल दिखाई दे रहा है।

ईरान का साउथ पार्स गैस फील्ड और कतर का नॉर्थ डोम गैस फील्ड एक ही भूभाग में साथ-साथ स्थित हैं। इन हमलों के कारण खरबों क्यूबिक फीट गैस भंडार वाले इन क्षेत्रों का संचालन बंद हो गया है। ये क्षेत्र दुनिया की प्राकृतिक गैस की जरूरतों का बड़ा हिस्सा पूरा करते थे।

भारत कतर के इन गैस क्षेत्रों में उत्पादित होने वाली प्राकृतिक गैस का एक प्रमुख खरीदार रहा है। इन ताजा हमलों के कारण, भारत अपने सबसे भरोसेमंद गैस आपूर्ति स्रोत से वंचित हो जाएगा। हमलों और जवाबी हमलों के बाद वैश्विक तेल और गैस बाजारों में हलचल मच गई है। और ब्रैंट कच्चे तेल की कीमत 114 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। आशंका है कि यदि स्थिति जल्द नहीं संभली तो आने वाले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश कुमार ने अपना उत्तराधिकारी चुन लिया है?

नबाडा, भागलपुर व कटिहार की आम सभाओं में नीतीश कुमार ने बार-बार भाजपा नेता व उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बिहार का भावी मुख्यमंत्री बनाये जाने के संकेत दिए

- जैसा कि विदित ही है, नीतीश राज्यसभा सदस्य के रूप में दिल्ली जाने से पूर्व, बिहार के कई जिलों में एक विदाई यात्रा पर हैं।
- कई आम सभाओं में मंच पर, उनके साथ यात्रा में चल रहे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखकर उन्होंने कहा, ''आगे सब ये ही देखेंगे।''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मार्च। बिहार में इन अटकलों के बीच, कि नीतीश कुमार के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा, जनता दल (यूनाइटेड) के नेता द्वारा बार-बार दोहराए जा रहे एक हाव-भाव ने हलचल पैदा कर दी है और इसे एक बड़ा संकेत माना जा रहा है।

नीतीश कुमार, जो रिकॉर्ड 10 बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, अब पद छोड़ने से पहले जिलों के दौरे पर हैं। इसके बाद वे राज्यसभा के लिए दिल्ली जाने वाले हैं। ''समृद्धि यात्रा'' को मुख्यमंत्री के रूप में कुमार द्वारा जिलों का आखिरी दौरा माना जा रहा है।

इस यात्रा में उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी उनके साथ हैं। इस दौरान कई जनसभाओं में नीतीश कुमार को सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखते हुए देखा गया। उन्होंने कई बार कहा, ''आगे सब यही देखेंगे।'' इस तरह का इशारा नवादा, भागलपुर और कटिहार जैसी कई जगहों पर दोहराया गया, जिससे बिहार की राजनीति में चर्चाएं और तेज हो गई हैं।

बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में हाव-भाव और इशारे काफी अहम माने जाते हैं। अनुभवी नेता आमतौर पर बिना तैयारी के बड़े ऐलान नहीं करते। पहले इशारे दिए जाते हैं, सार्वजनिक तौर पर संकेत किए जाते हैं, ताकि जमीन तैयार हो जाए और बदलाव को आसानी से स्वीकार किया जा सके। नीतीश कुमार द्वारा बार-बार सम्राट चौधरी का समर्थन करना, एनडीए गठबंधन के अंदर सत्ता के सुचारु हस्तांतरण के लिए एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

न्यायाधीश ने जेजेएम घोटाले की सुनवाई से स्वयं को अलग किया

- मामले में पूर्व आईएएस सहित अन्य ने एसीबी की एफआईआर को चुनौती दी है।

जयपुर, 19 मार्च। करोड़ों रुपए के जल जीवन मिशन को लेकर एसीबी में दर्ज एफआईआर को चुनौती देने से जुड़े मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन ने अपने आप को सुनवाई से अलग कर लिया है।

मामले में पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल सहित, अन्य ने याचिका दायर कर एसीबी की ओर से दर्ज एफआईआर को चुनौती दी है।

अमेरिका की इन्टैलिजेन्स चीफ ने ट्रंप के दावे को खारिज किया

ट्रंप ने गत दिनों में यह दावा किया कि ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम पुनः विकसित करने का प्रयास कर रहा है तथा शीघ्र ही ईरान के पास न्यूक्लियर बम बनाने की क्षमता पैदा हो जाएगी

- पर, अमेरिका की इन्टैलिजेन्स चीफ, तुलसी गबार्ड ने ट्रंप के इस दावे को मिथ्या वचन बताया।
- तुलसी गबार्ड के अनुसार, गत वर्ष अमेरिका की बमबारी ने ईरान की ''यूरेनियम एनरिचमैंट'' क्षमता को नेस्तनाबूत कर दिया था तथा तब से ईरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को पुनः विकसित करने की कतई कोशिश नहीं की है और वह बम बनाने से अभी बहुत दूर है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मार्च। अमेरिका की इंटैलिजैंस खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने ईरान की मौजूदा परमाणु क्षमता को लेकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि पिछले साल जून में अमेरिकी हमलों में यूरेनियम संवर्धन क्षमता नष्ट होने के बाद तेहरान ने इसे फिर से बनाने की कोई कोशिश नहीं की है। गबार्ड ने सीनेट समिति से कहा, ''ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद ईरान का परमाणु संवर्धन कार्यक्रम पूरी तरह खत्म हो गया था। उसके बाद से इसे दोबारा बनाने की कोई कोशिश नहीं हुई है।''

राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले कुछ महीनों में ईरान द्वारा अपना परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू करने और हथियार बनाने की दिशा में लगातार काम करने के बारे में कई दावे किए हैं। फरवरी में ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा था कि ''ईरान शायद एक हफ्ते के भीतर औद्योगिक ग्रेड बम बनाने वाली सामग्री हासिल कर सकता है।''

अमेरिकी खुफिया समुदाय का आकलन है कि ईरान पहले ही अंतरिक्ष प्रक्षेपण और अन्य तकनीकों का प्रदर्शन कर चुका है, जिनका उपयोग करके वह 2035 से पहले सैन्य रुप से सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (इन्टरकॉन्टिनैंटल बैलिस्टिक मिसाइल) (आईसीबीएम) विकसित करना शुरु कर सकता है, बशर्ते तेहरान भविष्य में उस क्षमता को हासिल करने का प्रयास करे।

इसी दौरान गबार्ड ने एक चौंकाने वाली बात कहते हुए पाकिस्तान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में अमेरिका के लिए सबसे बड़े परमाणु खतरों में पाकिस्तान भी शामिल हो सकता है। सीनेट की इन्टैलिजैंस समिति के सामने गवाही देते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें आगे चलकर ऐसी आईसीबीएम बन सकती हैं, जो अमेरिका तक पहुंच सकें।

गबार्ड ने कहा, ''अमेरिकी खुफिया आकलन के अनुसार, पाकिस्तान, चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान के साथ नई और उन्नत मिसाइल प्रणालियों के विकास पर काम कर रहा है, जो परमाणु और पारंपरिक हथियार ले जाने में सक्षम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने कर्मचारी चयन बोर्ड की स्टेनोग्राफर मेरिट लिस्ट रद्द की

- अदालत ने पर्याप्त अभ्यर्थी उपलब्ध होने के बावजूद परीक्षा में की गई गलतियों में 5 प्रतिशत छूट को गलत माना।

जयपुर, 19 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्टेनोग्राफर भर्ती-2024 में पर्याप्त अभ्यर्थी उपलब्ध होने के बावजूद, परीक्षा में की गई गलतियों में पांच फीसदी की अतिरिक्त छूट देने को गलत माना है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से गत 25 सितंबर को जारी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट और 21 अक्टूबर को जारी अंतिम मेरिट लिस्ट को रद्द कर दिया है। अदालत ने चयन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बत्तीस प्रतिशत राज्यसभा सदस्यों के खिलाफ ''क्रिमिनल'' मुकदमे चल रहे हैं

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने, वर्तमान राज्यसभा सदस्यों द्वारा फाइल किए गए अपने ''बैकग्राउण्ड'' आंकड़ों के आधार पर तैयार रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला है

- इसी रिपोर्ट में यह भी उजागर किया गया है कि वर्तमान राज्यसभा सदस्यों में चौदह प्रतिशत अरबपति हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, इन 32 प्रतिशत ''क्रिमिनल बैकग्राउण्ड'' के राज्यसभा सदस्यों में, 16 प्रतिशत सदस्यों के खिलाफ संगीन ''क्रिमिनल केस'' चल रहे हैं। एक सदस्य के खिलाफ तो हत्या का मामला चल रहा है तथा चार सदस्यों के खिलाफ हत्या का प्रयास (एटैम्प टू मर्डर) का आरोप लगा हुआ है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मार्च। देश की राजनीति में अपराध और धनबल का असर साफ दिखाई देता है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 32 प्रतिशत मौजूदा राज्यसभा सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि 14 प्रतिशत सांसद अरबपति हैं।

राज्यसभा सांसदों द्वारा दिए गए शपथपत्रों के आधार पर तैयार इस रिपोर्ट में देश की राजनीति में बढ़ती यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

एडीआर की यह रिपोर्ट 233 में से 229 राज्यसभा सांसदों के शपथपत्रों के विश्लेषण पर आधारित है। झारखंड की एक सीट फिलहाल खाली है, जबकि तीन सांसदों के शपथपत्र उपलब्ध नहीं थे। इस विश्लेषण में हाल ही में चुने गए 37 सदस्य भी शामिल हैं।

जिन 229 सांसदों की घोषणाओं का विश्लेषण किया गया है, उनमें से 73 (32 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की जानकारी दी है। इनमें से 36 (16 प्रतिशत) सांसद गंभीर मामलों का सामना कर रहे हैं। एक सांसद पर हत्या का मामला है, चार पर हत्या के प्रयास के मामले हैं, और तीन पर महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामले दर्ज हैं।

पार्टी के अनुसार देखें तो भाजपा के 99 में से 27 सांसदों, कांग्रेस के 28 में से 12, तृणमूल कांग्रेस के 13 में से 4 और आम आदमी पार्टी के 10 में से 4 सांसदों ने आपराधिक मामलों की जानकारी दी है। सीपीआई (एम) और बीआरएस के तीन-तीन सांसदों ने भी ऐसे ही मामलों का खुलासा किया है।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि 31 सांसद (14 प्रतिशत) के पास अरबों रुपये की संपत्ति है।

बड़ी पार्टियों में, भाजपा के 6, कांग्रेस के 5, वाईएसआरसीपी के 4, आम आदमी पार्टी के 2, बीआरएस के 2 और एनसीपी के 3 सांसदों ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। एक राज्यसभा सांसद की औसत संपत्ति 120.69 करोड़ रुपये है।

बड़ी पार्टियों के सांसदों की प्रति सांसद औसत संपत्ति इस प्रकार है, भाजपा: 28.29 करोड़ रुपये, कांग्रेस: 128.61 करोड़ रुपये, तृणमूल कांग्रेस: 17.70 करोड़ रुपये और आम आदमी पार्टी: 574.09 करोड़ रुपये। अन्य पार्टियों में, वाईएसआरसीपी: 522.63 करोड़ रुपये, समाजवादी पार्टी: 399.71 करोड़ रुपये, बीजेडी: 105.63 करोड़ रुपये और डीएमके: 11.90 करोड़ रुपये है। बीआरएस के सांसद बांदी पार्था सारथी के पास सबसे अधिक संपत्ति है, जो 5,300 करोड़ रुपये से ज्यादा है। उनके बाद आम आदमी पार्टी के राजिंदर गुप्ता (5,053 करोड़ रुपये से अधिक) और वाईएसआरसीपी के अल्ला अयोध्या रामि रेड्डी (2,577 करोड़ रुपये से अधिक) हैं। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी के सांसद संत बलबीर सिंह सबसे कम संपत्ति वाले हैं, जिनकी कुल संपत्ति लगभग 3 लाख रुपये है। उनके बाद, मणिपुर के महाराजा सनाजाओबा लैशेम्बा (लगभग 5 लाख रुपये) और तृणमूल कांग्रेस के प्रकाश चिक बराइक (करीब 9 लाख रुपये) हैं।

मुख्यमंत्री ने चेटीचंड पर शुभकामनाएं दीं

- उन्होंने कहा कि यह पर्व आस्था, विश्वास और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

जयपुर, 19 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेटीचंड (20 मार्च) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व आस्था, विश्वास और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वरूण अवतार भगवान झूलेलाल ने त्याग, समर्पण और अहिंसा जैसे मानवीय मूल्यों की स्थापना कर समाज को उन्नति की राह दिखाई।

शर्मा ने प्रदेशवासियों का आ ान किया कि वे भगवान झूलेलाल के आदर्शों एवं शिक्षाओं को जीवन में अपनाएं और प्रदेश के विकास में अपना योगदान दें।

विचार बिन्दु

सुंदर विचार जिनके साथ हैं। वे कभी एकांत में नहीं हैं। -सर पी. सिडनी

महत्वाकांक्षा के बजाय खुशी का मार्ग : राजस्थान का नया दृष्टिकोण

आधुनिकता की चकाचौंध भरी दौड़ में हम सब कहीं खोते चले जा रहे हैं। ऊँची इमारतें, तेज गाड़ियाँ, डिजिटल दुनिया की चमक-दमक और असीमित महत्वाकांक्षाएँ-ये सब कुछ ऐसा प्रतीत होता है मानो जीवन का पर्याय बन गया हो। लेकिन क्या वास्तव में यही जीवन का सार है? राजस्थान, जो सदियों से संस्कृति, परंपरा और आत्मिक गहराई का प्रतीक रहा है, आज इस प्रश्न के चौराहे पर खड़ा है। यहाँ की रेगिस्तानी हवाएँ, किले की दीवारें और लोकगीत हमें याद दिलाते हैं कि सच्चा सुख आधुनिकता की दौड़ में नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और सामुदायिक बंधन में छिपा है। राजस्थान को अब आधुनिकता पर नहीं, हैप्पीनेस यानी सुख पर फोकस करना चाहिए। यह न केवल एक वैचारिक बदलाव है, बल्कि आवश्यकता भी, क्योंकि विकास की इस होड़ में हमारी सांस्कृतिक जड़ें सूख रही हैं और मानसिक स्वास्थ्य संकट गहरा रहा है।

कल्पना कीजिए एक ऐसे राजस्थान को जहाँ जोधपुर के मेहरानगढ़ किले के नीचे बच्चे साइकिल दौड़ाते हैं, न कि स्मार्टफोन पर स्क्रॉल करते। उदयपुर की झीलें पर्यटकों के लिए नहीं, स्थानीय लोगों के लिए सुख का स्त्रोत बनें। जयपुर की गलियों में हस्तशिल्प बनाने वाले कारीगर अपनी कला से संतुष्ट हों, न कि बाजार की मांग से दबे रहें। यह सपना दूर की कौड़ी नहीं लगता यदि हम आधुनिकता की परिभाषा बदल दें। विश्व स्तर पर भूटान का सकल सुखांक (Gross National Happiness) मॉडल इसी दिशा में एक प्रेरणा है। राजस्थान, जो पहले से ही अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से लैस है, इस मॉडल को अपनाकर न केवल आर्थिक विकास कर सकता है, बल्कि मानवीय सुख को भी प्राथमिकता दे सकता है। आधुनिकता का मतलब केवल कंक्रीट जंगल बनाना नहीं, बल्कि सतत और सुखपूर्ण जीवनशैली को अपनाना है।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन, कृषि, खनन और हस्तशिल्प पर टिकी है। लेकिन आधुनिकता के नाम पर हो रहे अंधाधुंध विकास ने पर्यावरण को नुकसान पहुँचाया है। उदाहरणस्वरूप, जैसलमेर की रेतीली भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र बन रहे हैं, जो अच्छा है, लेकिन स्थानीय समुदायों का विस्थापन हो रहा है। सुख पर फोकस करने का मतलब है ऐसे विकास मॉडल जो पर्यावरण-अनुकूल हों और लोगों को केंद्र में रखें। ग्रामीण क्षेत्रों में सोलर पैनल लगाने के साथ-साथ स्थानीय ऊर्जा सहकारी समितियाँ बनाना, जहाँ किसान अपनी फसलें उगाते हुए ऊर्जा भी बेच सकें। इससे न केवल आय बढ़ेगी, बल्कि आत्मनिर्भरता का सुख भी मिलेगा। जयपुर के आसपास के गाँवों में जैविक खेती को बढ़ावा देकर, जहाँ रासायनिक उर्वरकों के बजाय गोबर खाद का उपयोग हो, सुख का स्तर ऊँचा उठेगा। अध्ययनों से पता चलता है कि जैविक कृषि करने वाले किसानों में तनाव कम और संतुष्टि अधिक होती है।

शिक्षा क्षेत्र में भी परिवर्तन आवश्यक है। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में आधुनिकता का मतलब स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल बोर्ड लगाना हो गया है, लेकिन शिक्षकों की कमी और छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य उपेक्षित है। सुख-केंद्रित शिक्षा में योग, ध्यान और राजस्थानी लोककथाओं को शामिल किया जाए। उदाहरण के लिए, बीकानेर के स्कूलों में ऊँट उत्सव की कहानियाँ पढ़ाई जाएँ, जो बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ें। विश्वविद्यालय स्तर पर कोटा जैसे शहरों में कोचिंग संस्कृति को बदलकर, जहाँ छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं के दबाव में टूट जाते हैं, वहाँ हैप्पीनेस प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएँ। माइंडफुलनेस और करियर काउंसलिंग से छात्र न केवल सफल होंगे, बल्कि खुश भी रहेंगे। राजस्थान सरकार द्वारा शुरू की गई बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं को विस्तार देकर, लड़कियों के लिए सुख-आधारित कौशल प्रशिक्षण दें, जैसे हस्तशिल्प और डिजिटल मार्केटिंग का मिश्रण। इससे वे आर्थिक रूप से सशक्त होंगी और पारिवारिक सुख बढ़ेगा।

राजस्थान साबित कर सकता है कि आधुनिकता माध्यम है, लेकिन मुस्कराहट उद्देश्य है। यह यात्रा आसान नहीं, लेकिन संभव है। जब रेगिस्तान में एक पेड़ उग सकता है, तो सुखपूर्ण राजस्थान क्यों नहीं? आइए, महत्वाकांक्षा छोड़ें, खुशी अपनाएँ। राजस्थान फिर से विश्व को सिखाएगा। सच्चा विकास हृदय में होता है।

स्वास्थ्य सेवाएँ राजस्थान की सबसे बड़ी चुनौती हैं। ग्रामीण इलाकों में अस्पतालों की कमी और डॉक्टरों का अभाव आम है। आधुनिकता के नाम पर महँगे उपकरण खरीदने के बजाय, आयुर्वेद और योग को मुख्यधारा में लाया जाए। उदयपुर के आसपास के गाँवों में आयुर्वेदिक क्लिनिक स्थापित हों, जहाँ तुलसी-अदरक की चाय से लेकर पंचकर्मा तक सुलभ हो। सुख पर फोकस का मतलब है प्रिवेंटिव हेल्थकेयर। जोधपुर में चोलिया नृत्य और गैर गायन को स्वास्थ्य क्लबों में शामिल करें, जो व्यायाम के साथ-साथ सांस्कृतिक आनंद भी दें। महामारी के बाद मानसिक स्वास्थ्य संकट बढ़ा है; राजस्थान में प्रति लाख लोगों पर केवल 0.75 मनोचिकित्सक हैं। हैप्पीनेस केंद्रों की स्थापना से, जहाँ काउंसलिंग के साथ ध्यान सत्र हों, यह कमी पूरी हो सकती है। इससे न केवल चिकित्सा व्यय कम होगा, बल्कि जीवन की गुणवत्ता बढ़ेगी।

पर्यटन राजस्थान की जीवनरेखा है, लेकिन आधुनिक होटलों की होड़ ने स्थानीय संस्कृति को प्रभावित किया है। सुख-केंद्रित पर्यटन में होमस्टे और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दें। उदाहरण के लिए, पुष्कर के ब्राह्मण गाँवों में पर्यटक ऊँट दूध निकालना सीखें, लोकगीत सुनें। इससे पर्यटकों को सच्चा सुख मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। आधुनिकता के बजाय इको-टूरिज्म पर जोर दें रेगिस्तानी सफारी में प्लास्टिक-मुक्त जोन बनाएँ। जयपुर के आमेर किले में सांस्कृतिक शामें आयोजित करें, जहाँ कठपुतली शो और मांडणा कला पर्यटकों को राजस्थानी सुख का अनुभव कराए। इससे रोजगार बढ़ेगा और सांस्कृतिक संरक्षण होगा। भविष्य में, राजस्थान सुख पर्यटन का हब बन सकता है, जहाँ विदेशी पर्यटक योग रिट्रीट के लिए आएँ।

सांस्कृतिक विरासत राजस्थान का सबसे बड़ा खजाना है। आधुनिकता ने इसे बाजारू बना दिया फोक डांस अब स्टेज शो हैं। हैप्पीनेस पर फोकस से इन्हें पुनर्जीवित करें। उदाहरणस्वरूप, उदयपुर के महल-हवेली में स्थानीय उत्सवों को जीवंत करें, जहाँ भागीदार सुख का अनुभव करें। साहित्य और कला को प्रोत्साहन दें मारवाड़ी लोककाव्यों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाएँ। युवाओं को राजस्थानी भाषा और संगीत सिखाएँ, ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़कर सुखी हों। आर्ट एंड क्राफ्ट में, जोधपुर के बांधनी कारीगरों को डिजाइनर ब्रांड्स से जोड़ें, लेकिन उनकी कला को मूल रूप में रखें। इससे सृजनात्मक सुख मिलेगा।

सामाजिक संरचना में बदलाव लाना होगा। राजस्थान में बाल विवाह और दहेज जैसी कुरीतियाँ अब भी हैं। सुख-केंद्रित नीतियाँ इन्हें समाप्त करेंगी। महिला सशक्तिकरण के लिए स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करें, जहाँ वे न केवल बुनाई करें, बल्कि नेतृत्व भी सीखें। युवाओं के लिए हैप्पीनेस युवा केंद्र बनाएँ, जहाँ खेल, संगीत और करियर मार्गदर्शन हो। बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम न बनाएँ, बल्कि सामुदायिक हैप्पी होम, जहाँ कहानी सुनाने और चाय-पानी की परंपरा हो। इससे पारिवारिक बंधन मजबूत होंगे।

नीतिगत स्तर पर राजस्थान सरकार सकल सुखांक लागू करे। इसमें चार स्तंभः सांस्कृतिक संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, मानसिक स्वास्थ्य और सामुदायिक विकास। बजट का 10% सुख परिवर्तन के लिए आवंटित हो। उदाहरण के तौर पर, राजस्थान खुशी यात्रा योजना शुरू करें, जो गाँव-गाँव हैप्पीनेस सर्वेक्षण करे। इससे डेटा आधारित निर्णय होंगे। केंद्र सरकार के आजादी का अमृत महोत्सव को जोड़कर, राजस्थान सुख-स्वराज का मॉडल बने।

चुनौतियाँ हैं राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी, शहरीकरण का दबाव। लेकिन राजस्थान की जनता सांस्कृतिक रूप से मजबूत है। मीरा बाई की भक्ति, पन्नाधाय का बलिदान हमें सिखाते हैं कि सुख त्याग और समर्पण में है। युवा पीढ़ी को प्रेरित करें कि फेसबुक लाइक्स के बजाय लोक नृत्य में आनंद ढूँढें।

अंततः, राजस्थान साबित कर सकता है कि आधुनिकता माध्यम है, लेकिन मुस्कराहट उद्देश्य है। यह यात्रा आसान नहीं, लेकिन संभव है। जब रेगिस्तान में एक पेड़ उग सकता है, तो सुखपूर्ण राजस्थान क्यों नहीं? आइए, महत्वाकांक्षा छोड़ें, खुशी अपनाएँ। राजस्थान फिर से विश्व को सिखाएगा। सच्चा विकास हृदय में होता है।

-अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

नारी शक्ति-सम्मान और मां की आराधना का पर्व नवरात्रि

डॉ. जे.के. गर्ग

नव और रात्र शब्दों से मिलकर बना है नवरात्रि। नव का अर्थ है नौ है वहीं रात्र शब्द में पुनः दो शब्द शामिल हैं रा का अर्थ है रात और त्रि का अर्थ है जीवन के तीन पहलू यानी-शरीर मन और आत्मा। निःसंदेह जीवन में हर एक को तीन प्रकार की मुश्किल समस्याओं का सामना करना ही पड़ता है- वों भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक होती है। रात्रि या रात मनुष्यों को दुख से मुक्ति दिलाकर उनके जीवन में यश सुख-सुविधा खुशहाली लाती है। सच्चाई तो यही है आदमी को आराम सिर्फ रात्रि में ही मिलता है। रात की गोद में हम सभी अपने सारे सुख-दुःख को भूल कर नींद का परम आनन्द लेते हैं।

शक्ति स्वरूप माता की आराधना के नवरात्रि के नो दिन माने गए हैं। जहाँ चैत्र नवरात्रि के दौरान कठिन साधना और कठिन व्रत का महत्व है वहीं दुसरी तरफ शारदीय नवरात्रि के नो दिन के दौरान सात्विक साधना, नृत्य, उत्सव आदि का आयोजन किया जाता है। चूंकि आश्विन मास में शरद ऋतु का प्रारंभ हो जाता है, इसलिए इसे शारदीय नवरात्रि कहा जाता है। वहीं शारदीय नवरात्रि सांसारिक इच्छाओं को पूरा करने वाली मानी जाती है। नवरात्रि माँ के अलग-अलग रूपों को निहारने और उत्सव मनाने का पर्व है।

मान्यताओं अनुसार देवी दुर्गा ने अश्विन के महीने में महिषासुर पर आक्रमण कर उससे नौ दिनों तक युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध किया इसलिए इन नौ दिनों को शक्ति की आराधना के लिए समर्पित कर दिया गया है। कहा जाता है कि शारदीय नवरात्रि धर्म की अधर्म पर और सत्य की असत्य पर जीत का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है और धरती को उनका मायका कहा जाता है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। चैत्र नवरात्रि के अंत में राम नवमी आती है। इन 9 दिनों में पहले तीन दिन तमोगुणी प्रकृति की आराधना करते हैं, दूसरे तीन दिन रजोगुणी और आखिरी तीन दिन सतोगुणी प्रकृति की आराधना का महत्व है।

सच्चाई तो यही है आदमी को आराम सिर्फ रात्री में ही मिलता है। भारत में सदैव से नारी को देवी तुल्य मान कर सम्मान देने की गौरवमयी परंपरा चली आ रही है। नवरात्रि के पहले दिन शैलपुत्री माँ की पूजा की जाती है। उनकी आराधना करने से लोगो को एक किस्म की ऊर्जा मिलती है। इस ऊर्जा का उपयोग भक्त अपने मन की अशांति को दूर करने के लिए करते है। नवरात्रा की प्रथम देवी शैलपुत्री के जरिये हमारे ऋषि-मुनि जहाँ हम लोगों को पहाड़ों के प्राक्रतिक स्वरूप एवं पर्यावरण को सुरक्षित बनाये रखने का संदेश देते हैं। नवरात्रि के दूसरे दिन देवी दुर्गा के ब्रह्मचारिणी स्वरुप की आराधना की जाती है। इसका उद्देश्य है कि हम इस दुनिया में अपना लक्ष्य प्राप्त कर सके और अपनी पहचान बना सके। वहीं दुसरी तरफ देवी ब्रह्मचारिणी के माध्यम से हम सभी को जीवन में ब्रह्मचर्य का पालन करने के साथ-साथ नवीन ज्ञान प्राप्ति एवं नये-नये शोध कार्य करते रहने का संदेश देती है।

नवरात्रि के तीसरे दिन भक्त देवी दुर्गा के चंद्रघंटा स्वरूप की पूजा करते है। देवी चन्द्रघंटा हम सभी को नारी की सुन्दरता के साथ साथ चन्द्रमा से मिलने वाली शीतलता, शालीनता, सहनशीलता, सहजता, सकारात्मकता एवं शांति का बोध करवाती है। नवरात्रि के चौथे दिन लोग दुर्गा माँ के कूष्माण्डा स्वरूप की पूजा करते है। इनकी पूजा करने से हम उन्नति की राह पर चलते है और इनका आशीर्वाद हमारे सोचने-समझने की शक्ति को बेहतर तरीके से विकसित करता है। नवरात्रि के पांचवे दिन स्कंदमाता माता की पूजा की जाती है। उनको कार्तिकेय माता भी कहा गया है। इनके पूजा करने से भक्तों के अंदरूनी व्यवहारिक ज्ञान को विकसित करने के लिए उनका आशीर्वाद मिलता है। नवरात्रि के छठे दिन देवी दुर्गा के कात्यायनी स्वरूप की पूजा की जाती है। नवरात्रि के सातवें दिन पर देवी दुर्गा के कालरात्रि के स्वरूप की पूजा करते है। देवी कालरात्रि की पूजा करने से लोगो को अपने जीवन में यश, सम्मान और कीर्ति प्राप्त होता है। नवरात्रि के आठवें दिन देवी दुर्गा के महागौरी के स्वरूप की आराधना की जाती है। माँ महागौरी को सफेद रंग की देवी के रूप में पूजा जाता है। इनकी आराधना करने से मनुष्य की सारी मन की इच्छा पूरी हो जाती है। नवरात्रि के नौवे दिन देवी दुर्गा के सिद्धिदात्री स्वरूप की आराधना लोगों द्वारा की जाती है। इनकी पूजा करने से हमें ताकत मिलती है कि हम मुश्किल कार्य को सफलतापूर्वक कर सके। उन अधूरे कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करे।

नवदुर्गा के नो स्वरूप महिलाओं के पूरे जीवन चक्र का प्रतिबिम्ब ही है यानि शैलपुत्री जन्म ग्रहण करती हुई कन्या का स्वरूप है, 'ब्रह्मचारिणी' नारी का कौमार्य अवस्था प्राप्त होने तक का रूप है, वहीं नारी शादी से पूर्व तक चंद्रमा के समान निर्मल होने की वजह से 'चंद्रघंटा' के समान है। जब महिला शिशु को जन्म देने के लिये गर्भवती बनती है तो वह 'कूष्मांडा' का स्वरूप है, वहीं नारी शिशु को जन्म दे देती है तो वह 'स्कन्दमाता' बन जाती। संयम व साधना को धारण करने वाली नारी 'कात्यायनी' का स्वरूप हो जाती है। सती सावित्री के समान अपने संकल्प से पति की अकाल मृत्यु को भी जीत लेने से नारी 'कालरात्रि' जैसी बन जाती है। जीवन पर्यन्त अपने परिवार को संसार मानकर उसका उत्थान और उन्नयन करने वाली नारी 'महागौरी' हो जाती है और अंत में नारी अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करने के बाद धरती को छोड़कर स्वर्गारोहण करने से पहले संसार मे अपनी संतान को सिद्धि और सम्पदा का आशीर्वाद देने वाली 'सिद्धिदात्री' बन जाती है।

-डॉ. जे. के. गर्ग,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

माँ आशापुरा करती है भक्तों की आशा पूर्णः पोकरण का चमत्कारी शक्तिपीठ

जुगल किशोर बिस्सा

पश्चिमी राजस्थान की भगवान परशुराम की तपोस्थली और परमाणु नगरी पोकरण में स्थित मां आशापुरा का प्राचीन मंदिर शक्ति, भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक विश्वास का अद्भुत संगम माना जाता है। शहर के नवदुर्गा मंदिरों में प्रमुख स्थान रखने वाला यह शक्तिपीठ श्रद्धालुओं के लिए गहरी आस्था का केंद्र बना हुआ है। प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं और मां के दरबार में श्रद्धापूर्वक माथा टेककर अपनी मनोकामनाएं व्यक्त करते हैं। भक्तों की अटूट मान्यता है कि सच्चे मन से की गई प्रार्थना को मां आशापुरा अवश्य स्वीकार करती हैं और अपने भक्तों की हर आशा को पूर्ण करती हैं। मंदिर में प्रज्वलित अखंड ज्योति को मां की दिव्य शक्ति का प्रतीक माना जाता है, जिससे भक्तों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक शक्ति और विश्वास का संचार होता है।

लोककथाओं के अनुसार मां आशापुरा के परम भक्त लुण भाणजी अत्यंत श्रद्धालु और तपस्वी प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। वे प्रतिदिन रुदरवा से पवन वेग से गुजरात के कच्छ-भुज स्थित मां आशापुरा के मूल धाम में जाकर पूजा-अर्चना किया करते थे। वर्षों तक कठिन यात्रा कर उन्होंने मां की सेवा और भक्ति की। लेकिन बढ़ती उम्र के साथ यह लंबी यात्रा उनके लिए कठिन होने लगी। तब उन्होंने अत्यंत श्रद्धा और विश्वास के साथ मां से प्रार्थना की कि वे उनके साथ पोकरण चलकर यहीं विराजमान हो जाएं, ताकि वे जीवनभर मां की सेवा कर सकें। भक्त की अटूट श्रद्धा और भक्ति से प्रसन्न होकर मां आशापुरा ने उनका निमंत्रण स्वीकार किया, लेकिन उन्होंने एक शर्त रखी कि यात्रा के दौरान यदि भक्त पीछे मुड़कर देखेगा तो वे उसी स्थान पर स्थिर हो जाएंगी और आगे नहीं बढ़ेंगी। भक्त लुण भाणजी ने यह शर्त स्वीकार कर मां के साथ पोकरण की ओर यात्रा प्रारंभ की। दंतकथा के अनुसार जब मां भक्त के साथ पोकरण की ओर आ रही थीं, तब शहर के पश्चिम-दक्षिण दिशा में स्थित गणगौर जंगल और पहाड़ियों के बीच से होकर यात्रा गुजर रही थी। उस समय आसपास पशु-पक्षियों और गायों की आवाजें गूंज रही थीं। इन आवाजों के कारण भक्त को मां के साथ चलने की आहट स्पष्ट सुनाई नहीं दी। धीरे-धीरे उनके मन में संदेह उत्पन्न हुआ कि मां वास्तव में साथ आ रही हैं या नहीं। संदेहवश उन्होंने पीछे मुड़कर देखा और उसी क्षण मां आशापुरा उसी स्थान पर पृथ्वी में समा गईं। जिस स्थान पर यह दिव्य घटना हुई, वही स्थान आज मां दुपट्टा धाम के रूप में श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत पवित्र तीर्थ माना जाता है। आज भी श्रद्धालु उस स्थान को गहरी आस्था और श्रद्धा के साथ नमन करते हैं।

इस दिव्य घटना के बाद भक्त लुण भाणजी बिस्सा ने उसी स्थान पर मां की आराधना प्रारंभ की। धीरे-धीरे इस स्थान की ख्याति दूर-दूर तक फैलने लगी। समय के साथ पोकरण के बिस्सा परिवार ने यहां मंदिर का निर्माण करवाया और विधिवत पूजा-अर्चना की परंपरा स्थापित की। मंदिर में प्रज्वलित अखंड ज्योति सदियों से निरंतर जल रही है, जिसे मां की कृपा और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। भाट बही के अनुसार माघ सुदी तीज, विक्रम संवत 1315 को मां आशापुरा का पोकरण में आगमन हुआ माना जाता है। तभी से इस शक्तिपीठ में नियमित पूजा-अर्चना और धार्मिक परंपराएं निरंतर चलती आ रही हैं।

नवरात्रि के पावन अवसर पर यहां आस्था का विशेष वातावरण देखने को मिलता है। इन दिनों प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु मां आशापुरा के दरबार में पहुंचते हैं और अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं। भक्तों द्वारा भजन-कीर्तन, आरती और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाता है। पूरे मंदिर परिसर में धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण छा जाता है। मंदिर की व्यवस्था आज भी पोकरण के बिस्सा परिवार द्वारा श्रद्धा और समर्पण के साथ संभाली जा रही है। इस शक्तिपीठ में पोकरण ही नहीं बल्कि जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर, फलोदी, रामदेवरा, महाराष्ट्र और गुजरात सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु बड़ी

संख्या में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। अनेक श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने के बाद यहां आकर धन्यवाद स्वरूप विशेष पूजा-अर्चना भी करते हैं।

मां आशापुरा के इस पावन दरबार में आने वाले हर श्रद्धालु की आस्था है कि मां अपने भक्तों की हर आशा अवश्य पूर्ण करती हैं। इसी विश्वास और चमत्कारिक अनुभूतियों के कारण पोकरण का यह प्राचीन शक्तिपीठ आज पूरे क्षेत्र में आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक विश्वास का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

-जुगल किशोर बिस्सा,
प्रेस रिपोर्टर।

राजस्थान के विश्वविद्यालयों में पेंशन संकट : क्या सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान सुरक्षित है?

डॉ. पी. सी. कंठालिया

राजस्थान में उच्च शिक्षा के विस्तार और विकास के लिए पिछले कई दशकों में अनेक राज्य विश्वविद्यालय स्थापित किए गए। इन संस्थानों ने न केवल शिक्षा और अनुसंधान को नई दिशा दी, बल्कि समाज में ज्ञान, वैज्ञानिक सोच और बौद्धिक चेतना का विस्तार भी किया। हजारों शिक्षक, वैज्ञानिक, अधिकारी और कर्मचारी इन विश्वविद्यालयों की वास्तविक शक्ति रहे हैं। उन्होंने अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ वर्ष विद्यार्थियों को शिक्षित करने, शोध को आगे बढ़ाने और समाज के बौद्धिक विकास में समर्पित कर दिए। परंतु विडंबना यह है कि आज इन्हीं विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत्त कर्मचारी अपनी पेंशन के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। कई विश्वविद्यालयों में महीनों तक पेंशन का भुगतान नहीं हो पाता। यह केवल वित्तीय या प्रशासनिक समस्या नहीं है; यह उस व्यवस्था की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न है जो अपने ही कर्मियों को सम्मानजनक वृद्धावस्था देने में असफल दिखाई देती है।

किसी भी कर्मचारी के लिए पेंशन केवल आर्थिक सहायता नहीं होती, बल्कि उसके पूरे कार्यकाल की मान्यता और वृद्धावस्था की सुरक्षा का आधार होती है। जब कोई शिक्षक या कर्मचारी विश्वविद्यालय में सेवा प्रारंभ करता है, तो वह यह विश्वास लेकर काम करता है कि सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन उसके जीवन को स्थिरता प्रदान करेगी। लेकिन राजस्थान के कई विश्वविद्यालयों में यह विश्वास धीरे-धीरे टूटता दिखाई दे रहा है। उदाहरण के तौर पर, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में लगभग 1475 पेंशनरों को पिछले तीन महीनों से पेंशन का भुगतान नहीं हुआ है। राजस्थान के पाँचों कृषि विश्वविद्यालयों में भी स्थिति कम चिंताजनक नहीं है। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में पेंशनरों की लगभग 22 महीनों की पेंशन बकाया बताई जाती है। उदयपुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय की स्थिति तो और अधिक चिंताजनक है। वहाँ पेंशन भुगतान की व्यवस्था करने के लिए विश्वविद्यालय को अपनी भूमि तक बेचनी पड़ी। राजस्थान कृषि महाविद्यालय के प्रसिद्ध बागवानी फार्म का एक हिस्सा नगर विकास प्रन्यास को दिया गया। इस भूमि को वाणिज्यिक उपयोग में बदलकर प्लॉट बेचने की योजना बनाई गई, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली। बाद में यह व्यवस्था की गई कि नगर विकास प्रन्यास विश्वविद्यालय को प्रति माह लगभग पाँच करोड़ रुपये देगा। इसके बावजूद पेंशन का नियमित भुगतान सुनिश्चित नहीं हो पाया।

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि उनका पेंशन फंड लगभग समाप्त हो चुका है और आय के पर्याप्त स्त्रोत नहीं हैं, इसलिए वे राज्य सरकार से वित्तीय सहायता की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर राज्य सरकार का तर्क है कि विश्वविद्यालय स्वायत्तशासी संस्थान हैं और उन्हें अपनी वित्तीय व्यवस्था स्वयं करनी चाहिए। यह तर्क सिद्धांत रूप में उचित प्रतीत हो सकता है, लेकिन व्यवहारिक दृष्टि से यह यथार्थ से दूर है। विशेष रूप से कृषि विश्वविद्यालयों की आय के स्त्रोत अत्यंत सीमित हैं। पारंपरिक विश्वविद्यालयों की आय मुख्यतः परीक्षा शुल्क, शिक्षण शुल्क और संबद्धता शुल्क से होती है।

इसके विपरीत कृषि विश्वविद्यालयों में छात्र संख्या बहुत कम होती है। उदाहरण के लिए, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में लगभग 500 छात्र हैं, जबकि वहाँ 510 कर्मचारी और लगभग 1200 पेंशनर हैं। पेंशन का वार्षिक व्यय लगभग60 करोड़ रुपये है। ऐसी स्थिति में केवल शिक्षण शुल्क के आधार पर पेंशन भुगतान की व्यवस्था चलाना व्यावहारिक रूप से असंभव है।

दरअसल इस समस्या की जड़ें 1990 में लागू की गई पेंशन व्यवस्था में छिपी हैं। प्रारंभिक वर्षों में यह व्यवस्था इसलिए चलती रही क्योंकि उस समय पेंशनरों की संख्या कम थी। लेकिन समय के साथ सेवानिवृत्त कर्मचारियों की संख्या लगातार बढ़ती गई और महंगाई के साथ पेंशन राशि भी बढ़ती चली गई। परिणामस्वरूप आज अधिकांश विश्वविद्यालयों का पेंशन फंड लगभग समाप्त हो चुका है और पेंशन विनियम, 1990 व्यवहारिक रूप से अप्रासंगिक हो गए हैं। स्पष्ट है कि इस समस्या का समाधान केवल तात्कालिक आर्थिक सहायता से संभव नहीं है। इसके लिए दीर्घकालिक और ठोस नीति निर्णय आवश्यक हैं। इस समस्या का सबसे प्रभावी समाधान यह हो सकता है कि विश्वविद्यालय कर्मचारियों की राशि को राज्य सरकार के खाते में स्थानांतरित कर दिया जाए और पेंशन भुगतान की जिम्मेदारी सीधे राज्य कोष से वहन की जाए। इससे विश्वविद्यालयों पर वित्तीय दबाव कम होगा और पेंशनरों को नियमित भुगतान सुनिश्चित हो सकेगा। इसके साथ ही राज्य स्तर पर एक सुदृढ़ विश्वविद्यालय पेंशन फंड स्थापित किया जाना चाहिए, जिसमें सरकार और विश्वविद्यालय दोनों का योगदान हो। साथ ही विश्वविद्यालयों की आय बढ़ाने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करना और वित्तीय अनुशासन लागू करना भी आवश्यक है। पेंशन संकट का एक अत्यंत गंभीर मानवीय पक्ष भी है। अधिकांश पेंशनर जीवन के उस चरण में होते हैं जब स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ बढ़ जाती हैं और चिकित्सा खर्च भी अधिक हो जाता है। पेंशन ही उनके लिए नियमित आय का मुख्य साधन होती है। जब महीनों तक पेंशन नहीं मिलती, तो उन्हें अपनी बचत खर्च करनी पड़ती है या परिवार के अन्य सदस्यों पर निर्भर होना पड़ता है। कई मामलों में उन्हें कर्ज तक लेना पड़ता है।यह स्थिति उन लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक है जिन्होंने अपना पूरा जीवन शिक्षा और समाज सेवा में लगा दिया।

आज राजस्थान के विश्वविद्यालयों के हजारों पेंशनर यही प्रश्न पूछ रहे हैं- क्या जीवन भर की निष्ठापूर्ण सेवा का प्रतिफल असुरक्षा और अनिश्चितता ही है? राज्य सरकार के सामने अब निर्णय का समय है। यदि समय रहते ठोस नीति नहीं बनाई गई, तो यह संकट केवल पेंशनरों की समस्या तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उच्च शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को भी गंभीर रूप से प्रभावित करेगा। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानजनक जीवन देना किसी भी सभ्य समाज का नैतिक कर्तव्य है-और इस कर्तव्य से मुंह मोड़ना न केवल अन्याय है, बल्कि भविष्य के शिक्षकों और कर्मचारियों के मन में भी गहरी असुरक्षा का भाव पैदा करेगा।

-डॉ. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व प्रोफेसर एवं मुख्य मृदा वैज्ञानिक

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 20 मार्च, 2026

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, रेवती नक्षत्र रात्रि 2:38 तक, ब्रह्म योग रात्रि 10:15 तक, बालव करण दिन 3:42 तक, चन्द्रमा रात्रि 2:28 से मेष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 2:38 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग आज सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। बुध मार्गी रात्रि 1:02 पर होगा। सायन मेष में सूर्य प्रवेश रात्रि 8:16 पर होगा। आज चन्द्र दर्शन, दक्षिण श्रृंगोन्नति, सिंजारा (गणगौर), चेटीचण्ड, श्री झुलेलाल जयन्ती है। पंचक रात्रि 2:38 पर समाप्त होंगे। आज से सूर्य उत्तर गोल में प्रवेश करेगा। आज बसंत संपात, महाविषुव दिन, जुमातुल विदा (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:05 तक, लाभ अमृत 8:05 से 11:05 तक, शुभ 12:34 से 2:04 तक, चर 5:04 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:35, सूर्यास्त 6:34

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कर्क
धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

राजस्थान दिवस पर मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-वार्ड अभियान का शुभारंभ किया

19 मार्च से 15 मई तक अभियान के दौरान गांवों और वार्डों के विकास का बनेगा रोडमैप : मुख्यमंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को राजस्थान दिवस पर विकास को जनआंदोलन का रूप देने की बड़ी पहल करते हुए मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-वार्ड अभियान का विधिवत शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने अभियान की वेबसाइट और वीडियो का लोकार्पण करते हुए कहा कि यह अभियान विकसित राजस्थान बनाने की दिशा में एक व्यापक जनआंदोलन की पहल है। 19 मार्च से 15 मई तक अभियान के दौरान सभी ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों के लिए स्थानीय आकांक्षाओं के अनुरूप विकास का रोडमैप तैयार किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से आव्हान किया कि, गांव से लेकर शहर के वार्ड तक विकास की नई सोच को व्यापक जन भागीदारी से जोड़ा जाए तथा इसे गांव के समग्र विकास के साथ ही व्यक्ति के जीवन में सुधार का व्यापक माध्यम बनाया गया।

- गांव के समग्र विकास का मॉडल हो तैयार, आमजन के जीवनस्तर में सुधार का माध्यम बनें : भजनलाल शर्मा
- ग्राम सभाओं तथा शहरी वार्डों में वार्ड सभाओं के जरिए होगा आमजन से संवाद, सुझाव भी लिए जाएंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को राजस्थान दिवस पर ''मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-वार्ड अभियान' का शुभारम्भ किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मास्टर प्लान में आधारभूत ढांचे के विकास के साथ-साथ स्थानीय संसाधनों, पारंपरिक कौशल और रोजगार के अवसरों को ध्यान में रखा जाए, ताकि गांवों में आबादी के संतुलन के साथ ही शहरों की ओर हो रहे पलायन को रोका जा सकेगा। प्रत्येक गांव की स्थानीय खेती, वनस्पति, खनिज और पारंपरिक कला एवं उद्योगों की पहचान की जाए। कृषि आधारित क्षेत्रों में प्रोसेसिंग यूनिट, मंडी और वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे लोगों की आय में वृद्धि हो सके और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ सके।

शर्मा ने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, बिजली, पानी, रोजगार सहित सभी महत्वपूर्ण पहलुओं का समावेश करते हुए प्रत्येक गांव की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल तैयार की जाए। इसके लिए जिला कलक्टर प्रत्येक गांव के किसान, युवा, महिलाओं से संवाद करें एवं सुझाव लें। उन्होंने कहा कि राजीविका एवं सहकारी समितियों की तर्ज पर स्थानीय स्तर पर समूह बनाए जाने के प्रयास किए जाए तथा ग्राम पंचायतों के कार्यों के लिए युवाओं की टीम बनाकर सुझाव लिए जाए। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 की दिशा में मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-वार्ड अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे विकसित राजस्थान और विकसित राष्ट्र का सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान का क्रियान्वयन ग्रामीण क्षेत्र में पंचायती राज विभाग द्वारा तथा शहरी क्षेत्र में स्वायत्त शासन विभाग द्वारा सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। ग्राम एवं शहरी वार्ड के लिए तैयार किए जाने वाले मास्टर प्लान डायनामिक होगा, जिसमें अल्पावधि 2030, मध्यावधि 2035 एवं दीर्घावधि 2047 की आकांक्षाएं शामिल होंगी।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, विभिन्न जिलों से मंत्रिगण, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण वीसी के माध्यम से जुड़े।

रंग-बिरंगी आतिशबाजी जगमगाया अल्बर्ट हॉल

हिंदू नववर्ष और राजस्थान दिवस की संध्या पर राजधानी जयपुर का अल्बर्ट हॉल रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। यहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित राज्य स्तरीय सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश के प्रसिद्ध लोक कलाकारों के लोक गायन, नृत्यों और अन्य मनमोहक प्रस्तुतियों ने आमजन को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक संध्या का समापन रंग-बिरंगी आतिशबाजी से हुआ। पटाखों की रोशनी ने जहां एक ओर अल्बर्ट हॉल की भव्यता को बढ़ाया, वहीं पटाखों की आवाज ने भी शहरवासियों को उत्साह और जोश से भर दिया। फोटो-राष्ट्रदूत

रीको सस्ती दर पर भूमि और भुगतान के लिए आसान किश्तों की सुविधा देगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने और निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से राजस्थान सरकार द्वारा लगातार नीतिगत सुधार किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने में सहूलियत मिल सके।

इसी दिशा में राजस्थान दिवस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उद्यिमयों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। इसके तहत अब चिन्हित 30 औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड 33 वर्षों की लीज अवधि के लिए प्रचलित दर की 60 प्रतिशत मूल्य पर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उद्यमी कम लागत पर अपना उद्योग स्थापित कर सकेंगे। इसके साथ ही प्रत्यक्ष आवंटन योजना के तहत भूमि की कीमत के भुगतान की अवधि को 3 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष कर दिया गया है, जिसमें निवेशकों को 19 त्रैमासिक किश्तों में भुगतान करने की सुविधा मिलेगी।

- राजस्थान में ''ईज ऑफ डूइंग'' बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए नई पहल

औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्डों के उत्पादन में आने के पश्चात् विक्रय किये जाने पर हस्तांतरण पर देय ट्रांसफर चार्ज को 1 प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं धर्मकांटा गतिविधि परिवर्तन शुल्क को भी प्रचलित दर के दोगुने के स्थान पर तीन चौथाई कर दिया गया है, जिससे उद्यमियों को अतिरिक्त राहत मिलेगी।

रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में प्लग एंड प्ले सुविधा एवं अन्य नियत उपयोग हेतु भूमि न्यूनतम 20 एवं अधिकतम 25 वर्षों की अवधि के लिए प्रचलित दर के 5 प्रतिशत वार्षिक किराये पर उपलब्ध कराई जाएगी। इससे इन क्षेत्रों में भी औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी। इसके अतिरिक्त रीको अब औद्योगिक गतिविधियों के साथ-साथ रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स को भी परिवर्तित नीति के तहत टर्म लोन प्रदान करेगा, जिससे आधारभूत संरचना क्षेत्र में तेजी आएगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कें एवं विद्युत आपूर्ति जैसी आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत 25 से अधिक नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए लगभग 400 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत किए जाएंगे। साथ ही 12 नए फायर स्टेशन और 37 नए फायर टेंडर की व्यवस्था के लिये राशि रूपये 25.70 करोड़ की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है। इन सभी प्रयासों से रीको औद्योगिक क्षेत्रों में सकारात्मक औद्योगिक वातावरण तैयार होगा, जिससे उद्यिमयों को अपने उत्पादन एवं व्यवसाय विस्तार में सहायता मिलेगी तथा राज्य में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को नई गति मिलेगी।

सरकार ने पांच जिलों के पुलिस अधीक्षक बदले

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार ने गुरूवार देर शाम आदेश जारी कर भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) के 9 अधिकारियों के तबादले किए। इनमें जयपुर ग्रामीण समेत 5 जिलों के पुलिस अधीक्षक तथा जयपुर कमिश्नरेट के उपायुक्त अपराध व ट्रैफिक को भी बदला गया है।

आदेश के मुताबिक चूनाराम जाट को पुलिस अधीक्षक बाडमेर, संजीव नैन को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में उपायुक्त क्राइम तथा योगेश गोयल को उपायुक्त ट्रैफिक के पद पर लगाया है। अनिल कुमार को आर.ए.सी. जयपुर 5वीं बटालियन में कमांडेंड, हनुमान प्रसाद मीणा को जयपुर ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक के पद पर लगाया है। कावेन्द्र सिंह सागर को पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं, पीयूष दीक्षित को पुलिस अधीक्षक ए.सी.बी. जयपुर, ज्येष्ठा मैत्रेयी को पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर तथा निश्चय प्रसाद एम को पुलिस अधीक्षक चूरू के पद पर लगाया है।

नीरजा मोदी स्कूल की संबद्धता वापस लेने वाले आदेश को किया स्थगित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीरजा मोदी स्कूल में कक्षा 4 की छात्रा के आत्महत्या करने से जुड़े मामले में सीबीएसई के गत 23 फरवरी के उस आदेश को सशर्त स्थगित कर दिया है, जिसके तहत बोर्ड ने स्कूल की कक्षा 11 व 12 की संबद्धता को दो साल के लिए वापस ले लिया था। अदालत ने कहा है कि इसके लिए स्कूल 10 दिन में पांच लाख रुपए सीबीएसई में जमा कराए। इसके साथ ही स्कूल प्रशासन बोर्ड की ओर से गत 3 नवंबर को जताई सभी कमियों को एक माह में दुरुस्त करेगा। अदालत ने कहा कि बोर्ड 45 दिन बाद स्कूल का निरीक्षण करेगा और यदि कोई कमी पाई जाती है तो अदालत में उसके खिलाफ प्रार्थना पत्र पेश किया जा सकता है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश नीरजा मोदी स्कूल की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अदालत ने स्कूल प्रशासन बोर्ड की ओर से बताई गयी कमियों को एक माह में दुरूस्त करने के आदेश दिए

अदालत ने चोर्ड को कहा है कि वह आगामी सुनवाई पर उन स्कूलों की सूची पेश करे, जिनमें वह याचिकाकर्ता के छात्रों को शिफ्ट करना चाहता है। इसके साथ ही इन संस्थानों की सत्यापन रिपोर्ट पेश कर बताया जाए कि इनमें बोर्ड की ओर से निर्धारित मापदंडों के अनुसार कोई कमी नहीं है।

याचिकाकर्ता की ओर से चरिष्ठ अधिवक्ता एके शर्मा और अधिवक्ता रचित शर्मा ने कहा कि घटना के बाद संबंधित शिक्षक को हटा दिया गया है। वहीं सीबीएसई की ओर से बताई कमियों को भी दूर कर लिया गया है। वहीं शेष कमियों की एक माह में ठीक कर लिया जाएगा। याचिका में कहा गया कि सीबीएसई के आदेश से छात्रों के बीच अनिश्चितता पैदा हो गई है, जबकि इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। सीबीएसई ने साल 2024 में स्कूल की मान्यता को मार्च, 2029 तक बढाया था। इसका विरोध करते हुए सीबीएसई के वकील एमएस राघव ने कहा कि स्कूल ने मान्यता संबंधी प्रावधानों की अवहेलना की है। ऐसे बोर्ड की कार्रवाई सही है। वहीं मृतक छात्रा के परिजनों की ओर से अधिवक्ता एसएस होरा ने कहा कि प्रावधानों की अवहेलना पर सीबीएसई को कार्रवाई का अधिकार है। याचिकाकर्ता स्कूल तय दिशा निर्देशों की पालना नहीं कर रही है। सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने सीबीएसई के गत 23 फरवरी के आदेश को सशर्त स्थगित कर दिया है।

'जुलाई से पहले स्कूलों का करा लेंगे सेफ्टी सर्टिफिकेशन'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से प्रदेश की सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों से जुड़े मामले में कहा गया कि आगामी जुलाई माह से पूर्व स्कूलों का सेफ्टी सर्टिफिकेशन करा लिया जाएगा। इस पर अदालत ने कहा कि यदि सर्टिफिकेट गलत मिला तो कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही अदालत ने मामले में मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि आम आदमी अपना मकान 25 लाख रुपए में बना लेता है, लेकिन सरकार बनाती है तो डढ़ करोड रुपए खर्च हो जाते हैं। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार देखे की लोगों को सहयोग के लिए कैसे जोडा जा सकता है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह मौखिक टिप्पणी मामले में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि एक शिक्षक बता रहा था कि रकूल में रिकॉर्ड रखने के लिए अलमारी नहीं है, लेकिन सहयोग से अलमारी का जुगाड हो गया। ऐसे में इच्छाशक्ति हो तो सब कुछ संभव है। राज्य सरकार स्कूलों की लिस्ट सार्वजनिक करे तो देने वाले अपने आप आ जाएंगे। खंडपीठ ने कहा कि हमने पहले भी कहा था कि कोई भी स्कूल सेफ्टी ऑडिट के बिना नहीं चलेगा। इस पर खंडपीठ के समक्ष एक कमेटी बनाए जाने की बात आई। जिस पर खंडपीठ ने कहा कि एक लाख स्कूलों में कमेटी नहीं जा सकती। इस दौरान एजी राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी में कमेटी बनाने का प्रावधान है, उसी से करा लेंगे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव से लेकर शासन सचिव स्तर के 25 आई.ए.एस. अधिकारियों का तबादला

अपर्णा अरोडा को मिला खान-पैट्रोलियम विभाग का जिम्मा, अजिताभ शर्मा बने राजस्व मंडल अजमेर के अध्यक्ष

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार ने गुरूवार देर शाम आदेश जारी कर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के 25 अधिकारियों के के तबादले किए हैं। इनमें अतिरिक्त मुख्य सचिव से लेकर शासन सचिव स्तर तक के अधिकारी शामिल हैं।

- प्रवीण गुप्ता को सार्वजनिक निर्माण तथा खेल एवं युवा मामलात विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद की जिम्मेदारी मिली
- आलोक गुप्ता ए.सी.एस. यूडीएच तथा वे. सरवण कुमार जयपुर के नए संभागीय आयुक्त बने

आदेश के मुताबिक अखिल अरोडा को अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, अपर्णा अरोडा को अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम, श्रेया गुहा को राजस्थान वित्त निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, हरीश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान की महानिदेशक तथ पदेन अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रशिक्षण राजस्थान जयपुर का कार्यभार सौंपा है। प्रवीण गुप्ता को सार्वजनिक निर्माण विभाग और खेल एवं युवा मामलातव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का जिम्मा सौंपा गया है। आई.पी.एल. मैच शुरू होने से पहले शासन सचिव नीरज.के.पवन को खेल एवं युवा मामलात विभाग से हटाकर इंदिरा गांधी पंचायतीराज संस्थान का महानिदेशक बनाया गया है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव अजिताभ शर्मा को राजस्व मंडल अजमेर का अध्यक्ष तथा ग्रामीण अकृषि क्षेत्र विकास अभिकरण (रूडा) जयपुर के अध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी दी गई है। आलोक गुप्ता को नगरीय विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड के अध्यक्ष के पद पर लगाया गया है। दिनेश कुमार को अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय, जन अभियोग निराकरण, मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग जयपुर, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं पंचायतीराज तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव बाल अधिकारिता विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार राजेश कुमार यादव को अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा एवं भाषा पुस्तकालय विभाग एवं पंचायतीराज (प्रारंभिक शिक्षा) तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव संस्कृत शिक्षा विभाग के पद पर लगाया है।

हेमंत कुमार गेरा को प्रमुख शासन सचिव, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग, टी.रविकांत को प्रमुख शासन सचिव राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग, भवानी सिंह देथा को प्रमुख शासन सचिव परिवहन विभाग तथा राजस्थान रोडवेज के अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। विकास सीतारामजी भाले को प्रमुख शासन सचिव पशुपालन, मत्स्य एवं गौपालन विभाग, डॉ. देबाशीष पृष्टि को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष के पद पर लगाया है। कृष्ण कुणाल को शासन सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, डॉ. नीरज के.पवन को इंदिरा गांधी पंचायतीराज संस्थान के महानिदेशक, डॉ. समित शर्मा को शासन सचिव एवं पंजीयक सहकारिता विभाग तथा राजफैड प्रशासक के पद पर लगाया है।

डॉ. आरूषि अजेय मलिक को शासन सचिव एवं आयुक्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा राजस्थान राज्य भंडारण निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं शासन सचिव, शांति-अहिंसा विभाग के पद पर लगाया है। डॉ. जोगाराम को शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायतीराज विभाग, पूर्णचंद्र किशन को शासन सचिव, श्रम, कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षण एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं (ईएसआई) विभाग जयपुर के पद की जिम्मेदारी सौंपी है। पी. रमेश को प्रबंध निदेशक, राजस्थान राज्य खान एवं खनिज निगम लि. उदयपुर, पूनम को शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पंचायतीराज विभाग (महिला एवं बाल विकास), आरती डोगरा को शासन सचिव ऊर्जा विभाग, डिस्कॉम्स अध्यक्ष, जयपुर डिस्कॉम की प्रबंध निदेशक तथा राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम की अध्यक्ष बनाया है। आनंदी को आयुक्त, वाणिज्य कर विभाग जयपुर, शुचि त्यागी को शासन सचिव पर्यटन, कला-साहित्य विभाग, जवाहर कला केन्द्र की महानिदेशक, राजस्थान पर्यटन विकास निगम की अध्यक्ष, आमेर विकास प्राधिकरण की मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा देवस्थान विभाग की शासन सचिव के पद पर लगाया है।

पुष्कर में मकान व गोदाम पर छापा मारा, 564 घरेलू सिलेण्डर जब्त किये

जांच में सामने आया कि विभिन्न निजी गैस एजेंसियों के नाम पर यह नेटवर्क संचालित हो रहा था

अजमेर, (निसं)। जिले में एलपीजी गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने, कालाबाजारी पर रोक लगाने और अवैध भंडारण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए जिला रसद विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस कार्रवाई के तहत 564 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में पुष्कर क्षेत्र में संचालित एक गैस एजेंसी से जुड़े अवैध गैस कारोबार के खिलाफ कार्रवाई की गई। जिला रसद विभाग की टीम ने आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत छापेमारी करते हुए इस बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया। टीम ने सबसे पहले देवनगर रोड स्थित एक मकान पर छापा मारा गया, जहां से 64 गैस सिलेंडर बरामद हुए। इसके बाद कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए बागोलाई क्षेत्र के एक बड़े गोदाम पर दबिश दी गई, जहां से 500 सिलेंडर जब्त किए गए, जिसमें 432 खाली सिलेंडर, 68 भरे हुए सिलेंडर (14.5 किलोग्राम क्षमता) शामिल हैं।

जांच में सामने आया कि विभिन्न निजी गैस एजेंसियों के नाम पर यह नेटवर्क संचालित किया जा रहा था। यहां निर्धारित सीमा (लगभग 100 किलोग्राम) से कहीं अधिक मात्रा में गैस का भंडारण किया जा रहा था, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। साथ ही, अलग-अलग स्थानों पर अवैध गोदाम बनाकर गैस सिलेंडरों का बड़े स्तर पर भंडारण और सप्लाई की जा रही थी। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि संबंधित एजेंसियों के पास गैस सिलेंडरों की खरीद-बिक्री से जुड़े बिल और अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे। जिसमें उपभोक्ताओं को जारी किए गए कनेक्शन की जानकारी नहीं दी गई और रिफिलिंग से संबंधित रिकॉर्ड भी अधूरा पाया गया। गोदाम में 68 भरे सिलेंडरों में कुल 986 किलोग्राम गैस पाई गई। नियमों के अनुसार बिना लाइसेंस एक स्थान पर 100 किलोग्राम से अधिक गैस का भंडारण पूरी तरह अवैध है।

जिला रसद अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 6 ए के तहत कार्रवाई की गई है। जब्त किए गए सभी 564 गैस सिलेंडरों को आगे के आदेश तक सुरक्षित रखने के लिए पुष्कर भारत गैस एजेंसी को सुपुर्द किया गया है।

इस पूरी कार्रवाई में जिला रसद अधिकारी (प्रथम), मोनिका जाखड़, जिला रसद अधिकारी (द्वितीय) नीरज कुमार जैन, प्रवर्तन अधिकारी सुनीता शर्मा, प्रवर्तन अधिकारी मीना कुमारी, प्रवर्तन निरीक्षक महेंद्र कुमार यादव, प्रवर्तन निरीक्षक मुकेश बुनवालिया, प्रवर्तन निरीक्षक राहुल कुमार देववाल शामिल रहे।

जिला रसद विभाग की टीम ने पुष्कर में बड़ी मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए।

- यहां निर्धारित सीमा (लगभग 100 किलोग्राम) से कहीं अधिक मात्रा में गैस का भंडारण किया जा रहा था, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है
- मकान पर छापे में टीम ने 64 और बागोलाई क्षेत्र के गोदाम से 500 सिलेंडर जब्त किए

जोधपुर : रातानाड़ा हरिजन बस्ती में पुलिस दल पर हमला

- तेज आवाज में बज रहे साउण्ड बंद कराने पहुंची थी रातानाड़ा थाना पुलिस
- एसआई और दो कांस्टेबल घायल, वर्दी फाड़ी, राजकार्य में बाधा का केस दर्ज
- अतिरिक्त जाब्ता बुलाकर पुलिस ने तीन युवकों को शांतिभंग में पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाड़ा स्थित केसर बाग, हरिजन बस्ती में तेज आवाज में बज रहे साउण्ड बंद कराने पहुंची पुलिस पर बस्ती के युवकों ने लाठी और पत्थर से हमला कर दिया। इसमें सबइंस्पेक्टर सहित दो कांस्टेबल चोटिल हो गए। हमले के दौरान पुलिस की वर्दी भी फट गई। बाद में अतिरिक्त जाब्ता बुलाकर पुलिस ने तीन युवकों को फिलहाल शांतिभंग में पकड़ा और राजकार्य में बाधा का केस बनाया। घटना को लेकर अठिाम कार्रवाई जारी है। घटना 18 मार्च की अलसुबह होना बताया गया है।

रातानाड़ा पुलिस ने बताया कि अलसुबह पुलिस नियंत्रण कक्ष से सूचना मिली कि केसरबाग हरिजन बस्ती में तेज साउण्ड बज रहा है। इस पर थाने की गश्ती दल सबइंस्पेक्टर शिवदेवराम, कांस्टेबल गोपाराम एवं चालक विकास वहां पहुंचे। साउण्ड बंद करने की बात की तब वहां मौजूद मनीष उर्फ मोनू पुलिस से उलझा बाद में दो अन्य युवक पंकज और अरूण भी पुलिस से उलझ गए। इन लोगों ने विरोध जताने के साथ पुलिस पर लाठी और पत्थर से हमला करना शुरू कर दिया। इससे सबइंस्पेक्टर शिवदेवराम, कांस्टेबल गोपाराम एवं चालक विकास चोटिल हो गए। धक्काधूम में पुलिस की वर्दी भी फट गई। बाद में पुलिस नियंत्रण कक्ष से अतिरिक्त जाब्ता बुलाया गया। पुलिस ने शोरशराबे के बीच तीन आरोपियों मनीष, पंकज और अरूण को शांतिभंग में गिरफ्तार किए जाने के साथ राजकार्य में बाधा डाले जाने का प्रकरण बनाया। आरोपियों की मुकदमे में गिरफ्तारी शेष है।

किसान की मौत

जोधपुर, (कासं)। करवड़ क्षेत्र में एक कृषक की फसल पर दवाई छिड़काव के बाद तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। उसके भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई है। करवड़ पुलिस ने बताया कि अतुणावेश केरू निवासी मूलाराम पुत्र प्रेमाराम माली की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका भाई कैलाश रात को करवड़ में फसल पर दवाई छिड़काव के बाद खेत से बाहर निकला था। तब उसकी अचानक से तबीयत बिगड़ गई।

15.600 किलो अफीम डोडा सहित एक गिरफ्तार

छबड़ा, (निसं)। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 15 किलो 605 ग्राम अफीम डोडा को जब्त किया।

सीआई राजेश खटाना के अनुसार हनुवतखेड़ा गुगोर बायपास रोड के निकट की जा रही नाकाबंदी के दौरान गुगोर फाटक रोड की तरफ से सामने से एक व्यक्ति अपने कंधे पर एक सफेद रंग का प्लास्टिक का कट्टा लेकर आता हुआ दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर एकदम से रोड के बायीं तरफ नीचे उतर कर स्टेशन की तरफ जाने लगा। संदेह होने से उक्त व्यक्ति को डिटेन कर नाम पता पूछा तो उक्त व्यक्ति ने घबराई हुई स्थिति में अपना नाम जागो साहनी (51) पुत्र मुखलाल साहनी बताया, जिससे पूछा तो कोई संतोषप्रद जबाब नहीं दिया। डिटेन जागो साहनी के कब्जे से मिले उक्त प्लास्टिक के कट्टे को खोलकर देखा तो उसमे 15 किलो 605 ग्राम अफीम डोडा को जब्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस पर एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

जोधपुर में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की तबीयत बिगड़ी

- डॉक्टरों ने राज्यपाल के स्वास्थ्य की जांच की और आराम करने की सलाह दी

जोधपुर, (कासं)। गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर जोधपुर आए राज्यपाल व कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े की तबीयत खराब हो गई। एमबीएम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होकर लौटते समय उनकी तबीयत खराब हो गई। इसके बाद डॉक्टरों की टीम सर्किट हाउस पहुंची। उनके स्वास्थ्य की जांच की और आराम करने की सलाह दी। फिलहाल राज्यपाल सर्किट हाउस में आराम कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार राज्यपाल गुरूवार की सुबह एमबीएम विश्वविद्यालय में होने वाले दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए जोधपुर पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर उनका गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान एयरपोर्ट पर जिला कलैक्टर गौरव अग्रवाल, पुलिस आयुक्त शरत कविराज सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। सुबह करीब 11 बजे वह दीक्षांत समारोह में भाग लेने एमबीएम विश्वविद्यालय पहुंचे थे। वहां से करीब दोपहर एक बजे समारोह समाप्त होने के बाद सर्किट हाउस के लिए रवाना हुए। इस दौरान रास्ते में उनकी तबीयत थोड़ी नासाज हुई, जी मिचलाने लगा। उन्हें उल्टी आने जैसा महसूस हुआ। सर्किट हाउस पहुंचने पर डॉक्टरों की टीम ने उनका हेल्थ चैकअप किया। इसके बाद उन्होंने हल्का भोजन किया। फिलहाल राज्यपाल सर्किट हाउस में आराम कर रहे हैं। राज्यपाल की तबीयत नासाज होने के चलते जिला कलैक्टर गौरव अग्रवाल, डीसीपी ईस्ट मनीष चौधरी, एसीपी ईस्ट प्रतीक सिंह सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे।

निजी अस्पताल में मरीज की मौत पर लापरवाही का आरोप

- मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही और हत्या तक के आरोप लगाया
- परिजनों ने परिसर में नारेबाजी की और ऐसे अस्तपाल को बंद करने की मांग तक कर दी

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर के वैशालीनगर पंचशील स्थित एक अस्पताल में उपचार के दौरान एक मरीज की मौत के बाद गुरुवार को जमकर हंगामा हो गया। मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही और हत्या तक के आरोप लगाते हुए परिसर में नारेबाजी की और ऐसे अस्तपाल को बंद करने की मांग तक कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा।

जानकारी के अनुसार मृतक विजय सिंह पुत्र देवी सिंह रावत है। परिजनों के अनुसार विजय सिंह को 13 मार्च को पेट दर्द की समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों द्वारा इलाज शुरू किया गया और 14 मार्च की सुबह परिजनों को आश्वासन दिया गया कि मरीज को जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी। परिजनों का आरोप है कि उसी दिन रात करीब साढ़े नौ बजे अस्पताल से फोन आया, जिसमें बताया गया कि मरीज बेड से नीचे गिर गया है और कोमा में चला गया है। इसके बाद तत्काल ऑपरेशन की बात कही गई और मरीज को आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। परिजनों का यह भी कहना है कि उन्हें मरीज से मिलने नहीं दिया गया, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई। मृतक की बहन पार्वती सहित उनके परिजन का आरोप है कि दो दिन तक सही जानकारी नहीं दी गई और अंतत: 18 मार्च को अस्पताल प्रशासन ने सूचना दी कि ऑपरेशन के दौरान मरीज की मौत हो गई है। परिजनों का कहना है कि अगर समय पर उचित देखभाल की जाती और लापरवाही नहीं बरती जाती, तो विजय सिंह की जान बचाई जा सकती थी।

मृतक के परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि मरीज डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ की देखरेख में था, इसके बावजूद सुरक्षा और निगरानी में भारी चूक हुई। उनका कहना है कि आईसीयू जैसे संवेदनशील वार्ड में मरीज का बेड से गिरना अस्पताल की बड़ी लापरवाही को दर्शाता है। घटना के विरोध में आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषी डॉक्टरों व स्टाफ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाने का प्रयास किया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। इस मामले को लेकर परिजनों ने कृष्णगंज थाने में अस्पताल प्रशासन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पूरे घटनाक्रम की पड़ताल की जा रही है। जब पूरे मामले में अस्पातल प्रबंधन के आलोक शर्मा के मोबाइल पर संपर्क करना चाहा, लेकिन आलोक शर्मा ने फोन नहीं उठाया।

OFFICE OF THE DISTRICT SPORTS TRAINING CENTRE JALORE
E-Mail:jilakheladhikarijalore@gmail.com

No. 152 DATE19.03.26

NOTICE INVITING TENDERS

The Bids For the District Sports Officer is purchasing boxing equipment and sports supplies for the sport of boxing in Jalore district under the PanchGaurav Therefore, bonafide bids are invited from manufacturers/wholesalers/sole distributors/ authorized dealers/marketers for the program. open above supplyNIT NO.132 Estimated Cost Rs. 15 Lacs) are invited From interested bidders up to 23.03.2026 other particular of the Bid may be visited on the procurement Portal(http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.

UBN NO. CJL2526GLOB00037

DISTRICT SPORT OFFICER
OFFICE OF THE DISTRICT SPORTS TRAINING CENTRE JALORE

DIPR/C/5862/2026

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 04)/2026/ई-14809
ई-नीलामी विज्ञिप्त संख्या (ERCC/RCC 04)/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञिप्त से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों / क्वारी लाईसेसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क /अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 20 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे- ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रकिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।

DIPR/C/5661/2026 (महावीर प्रसाद मीणा) निदेशक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, नगर खण्ड प्रथम कोटा
निविदा सूचना संख्या 19/2025-26
UBN Code: PHE2526WSOB15556

समुचित वर्ग के सूचीबद्ध सक्षम ठेकेदारों से विभाग के निम्न कार्य करने हेतु राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2012 एवं नियम 2013 के अन्तर्गत पेयजल कार्यों से सम्बन्धित सेवाओं के उपापनों के सम्बन्ध में दिशा-निर्देशानुसार ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु नियमानुसार विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात् निविदा हेतु पात्र होंगे, निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएँ दो लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है।

निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 13.03.2026 सांय 05:30 बजे से डाउनलोड किये जा सकते हैं। ऑनलाईन निविदाएँ इसी वेबसाईट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा दिनांक 13.03.2026 से दिनांक 24.03.2026 तक सांय 6:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। वेबसाईट पर उनके सम्मुख दिनांक 25.03.2026 को इस कार्यालय में दोपहर 2:00 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले दिन कार्य दिवस को उसी समय पर निविदा खोली जावेगी। निविदा शुल्क / प्रक्रिया शुल्क निविदादाता द्वारा ऑन लाईन चालान द्वारा निविदा प्रपत्रो में वर्णन अनुसार इस कार्यालय में सभी निविदा प्राप्ति की दिनांक 25.03.2026 तक को दोपहर 01:00 बजे तक जमा करवाना आवश्यक है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्नलिखित वेबसाईट पर देखे जा सकते है :-

1. http:// phedwater.rajasthan.gov.in
2. www.dipronline.org
3. http://www.eproc.rajasthan.gov.in
4. http://sppp.rajasthan.gov.in

''जल ही जीवन है''

(अभिषेक मिश्रा)
अधिशाषी अभियंता
जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
नगर खण्ड प्रथम कोटा

DIPR/C/5588/2026

सीकर में बारिश के साथ चने के आकार के ओले गिरे

- दो दिन तक मौसम के बदलने का पूर्वानुमान जताया
- सीकर और रींगस में दो मिमी बारिश दर्ज

सीकर, (निसं)। पश्चिमी विक्षोभ के असर से चार दिन से छाए बादल सीकर में दोपहर बाद बरस पड़े। सीकर सहित कई स्थानों पर तेज हवाओं संग चने के आकार के ओले गिरे। ओलावृष्टि का दौर एक से दो मिनट तक चला। इसके बाद बारिश शुरू हो गई।

मौसम विभाग के अनुसार 48 घंटे के दौरान पश्चिमी विक्षोभ का असर सर्वाधिक रहेगा। इस दौरान जयपुर, अजमेर, जोधपुर, बीकानेर, भरतपुर, उदयपुर संभाग में मेघ गर्जना और तेज हवाओं संग बारिश होगी। इस दौरान कहीं-कहीं ओले भी गिर सकते हैं। एक दिन मौसम शुष्क रहने के बाद 22 मार्च को पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग में दोबारा हल्की बारिश हो सकती है। सीकर में मंगलवार रात से पूर्वी हवाएं चलने के कारण मौसम हल्का सर्द रहा। अलसुबह आंशिक बादल छाए और बारिश के आसार नजर आए। दिन में धूप निकलने के बावजूद हवा में नमी रही। दोपहर बाद अचानक मौसम पलटा और बादलों की गर्जना के साथ तेज हवाएं चलनी शुरू हो गई। बादल छाने के कारण हल्का अंधेरा छा गया। दौरान शहर में कई स्थानों पर चने के आकार के ओले गिरे। हवाएं थमने के साथ करीब दस मिनट तक बारिश का दौर चला। जिला मुख्यालय और रींगस क्षेत्र में दो-दो मिमी बारिश दर्ज की गई। इससे सड़कों पर जगह-जगह पानी भर गया। फतेहपुर में अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री व न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री और सीकर में अधिकतम तापमान डिग्री व न्यूनतम तापमान डिग्री दर्ज किया गया।

तेज गर्मी से जूझ रहे लोगों को मौसम के बदले तेवर ने एक ओर जहां राहत दी वहीं रबी फसलों की कटाई कर रहे किसानों की चिंता बढ़ा दी है। तेज हवाओं के कारण खेतों में खड़ी गेहूं और सरसों की फसल पसर गई। किसानों का कहना है कि इस समय होने वाली बारिश के साथ हवाएं और ओलावृष्टि नुकसान पहुंचाती है।

कुण्ड में डूबने से युवक की मौत

भरतपुर, (निसं)। जुरहरा क़स्बे के पुन्हाना रोड स्थित गोपाल कुण्ड में गुरुवार को कचरा बीनने वाले करीब 35 साल के एक युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची जुरहरा थाना पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से मृत युवक के शव का जुरहरा के राजकीय किरोड़ीलाल स्वर्णकार अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। घटना के सम्बंध में मृतक के परिजनों ने जुरहरा थाने में मर्ग दर्ज कराई है।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को क़स्बे के गोपाल जी मन्दिर पर स्थित कुंड एक युवक के गिर जाने की सूचना पर जुरहरा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसके शव को कुण्ड से बाहर निकलवाया, जिसकी शिनाख्त राजा पुत्र डासी सिंधी ग्राम सतवाडी थाना पहाड़ी हाल अनाज मंडी कोसी रोड कामां के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी और परिजनों के आ जाने पर पोस्टमार्टम के लिए पंचनामा तैयार कर मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर उसके शव को परिजनों के सुपुर्द किया गया। मृतक के परिजनों ने इस सम्बन्ध में मर्ग दर्ज कराई है।

मसूदा में होटल पर बाइक सवार युवकों ने फायरिंग की

- सीसीटीवी की मौजूदगी में भी गोलियां चलाते नजर आए युवक

मसूदा, (निसं)। मसूदा क्षेत्र में बढ़ते अपराधों ने एक बार फिर कानून व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। मसूदा-रामगढ़ रोड स्थित एक होटल पर देर रात अज्ञात बाइक सवार युवकों द्वारा की गई फायरिंग की घटना ने क्षेत्र में दहशत फैला दी है।

हैरानी की बात यह है कि हमलावरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी में भी खुलेआम गोलियां चलाते नजर आए। इस फायरिंग में होटल का एक कर्मचारी घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद पुलिस के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा भी लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले भी इसी होटल पर करीब एक दर्जन लोगों ने हमला कर होटल मालिक और कर्मचारियों के साथ मारपीट की थी। इसके बावजूद आरोपियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होने से उनके हौसले और बढ़ गए।

हादसे में छह लोग घायल

जोधपुर, (कासं)। बोरुंदा के पास कुरड़ाया में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के असंतुलित होकर तिरछी होने से सात लोग घायल हो गए। इनमें से दो गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया है। बोरुंदा के हरजीनाडा व घाटी के पास स्थित भंवरियों की ढाणी से ग्रामीण एक सामाजिक समारोह में भाग लेने के लिए फालका जा रहे थे। कुरड़ाया के पास कच्ची सड़क मार्ग पर ट्रैक्टर की ट्रॉली अचानक एक टायर पर तिरछी हो गई, जिससे उसमें सवार लोग घायल हो गए। घायलों में नैना देवी, राधा, आयचुकी देवी, गजा देवी, कांता देवी, श्रेणी देव और विकास शामिल हैं।

तालाब में डूबने से एक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सदर थाना क्षेत्र के देवल गामडी गांव में एक 48 वर्षीय व्यक्ति की तालाब में डूबने से मौत हो गई। यह घटना महादेव तालाब में हुई। मृतक की पहचान बाबूलाल पुत्र काउवा गमेती के रूप में की गई है।

पुलिस के अनुसार बलेटी घाटी फला निवासी बाबूलाल घर से देवल गामडी जाने का कहकर निकले थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने महादेव तालाब में एक शव तैरता हुआ देखा, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकाला। मृतक की पहचान बाबूलाल के रूप में हुई। परिजनों को सूचित किया गया, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे और शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया गया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि बाबूलाल तालाब में नहाने के लिए उतरे थे, लेकिन गहरे पानी में चले जाने के कारण वह खुद को संभाल नहीं पाए और डूब गए। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

बीकानेर के चानी गांव में पांच साल तक रॉयल्टी वसूली का अवैध नाका लगाया

खनिज ढोने वाले वाहनों से पांच साल तक करोड़ों रुपए की वसूली की गई

बीकानेर, (निसं)। यहां कोलायत के चानी गांव में सरपंच और वीडीओ की मिलीभगत से अवैध नाका लगाकर खनिज ढोने वाले वाहनों से पांच साल तक करोड़ों रुपए की वसूली की गई। लोकायुक्त को शिकायत पर जांच हुई और गबन सामने आया तो वीडीओ को बर्खास्त कर दिया गया। अब एसीबी से मामले की जांच कराए जाने की तैयारी है।

- लोकायुक्त को शिकायत पर जांच हुई और गबन सामने आया तो वीडीओ को बर्खास्त कर दिया गया, एसीबी से मामले की जांच कराए जाने की तैयारी
- चानी गांव में ग्राम पंचायत की ओर से वीडीओ और सरपंच ने मिलीभगत कर निजी आय बढ़ाने के नाम पर अवैध नाका लगा दिया था

खनिज वाहनों से रॉयल्टी वसूलने का ठेका खान विभाग की ओर से बिड जारी कर दिया जाता है, लेकिन, कोलायत के चानी गांव में ग्राम पंचायत की ओर से वीडीओ और सरपंच ने मिलीभगत कर निजी आय बढ़ाने के नाम पर अवैध नाका लगा दिया और वर्ष, 15 से 20 के दौरान पांच साल तक खानों से क्ले, बजरी, सिलिका सेंड व अन्य खनिज लेकर गुजरने वाले वाहनों से करोड़ों रुपए की वसूली की गई। यह राशि ग्राम पंचायत में जमा नहीं कराई और गबन कर लिया गया। इसकी शिकायत जयपुर सचिवालय में लोकायुक्त तक पहुंची तो पंचायत समिति कोलायत के लेखाधिकारी और सहायक विकास अधिकारी की कमेटी बनाकर जांच कराई गई। कमेटी ने जांच शुरू की तो ग्राम पंचायत की ओर से वर्ष, 15-16 का रिकॉर्ड ही उपलब्ध नहीं कराया गया। वर्ष, 16-17 से 31 दिसंबर, 19 तक का रिकॉर्ड मिला जिसमें वर्ष, 16-17 से 19 तक रसीद बुकों का कोई इन्द्राज नहीं था। रिकॉर्ड में वाहन कर रसीद बुकों से 2.13 करोड़ रुपए की आय होना सामने आया, लेकिन ग्राम पंचायत की रोकड़ बही में 1.82 करोड़ रुपए की आय ही दर्ज मिली। 31 लाख रुपए का कोई प्रमाण नहीं था जो सीधा गबन है। इसके अलावा 1.82 करोड़ रुपए के पेटे 56 लाख रुपए के वाउचर पेश किए गए और शेष 1.26 करोड़ रुपए के वाउचर पेश नहीं किए।

जांच में तत्कालीन सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी को जिम्मेदार माना गया है। चानी के तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी और वर्तमान में पंचायत समिति लूणकरणसर कार्यरत उदयभान को बर्खास्त कर दिया गया है। तत्कालीन सरपंच मनोहरसिंह, ग्राम विकास अधिकारी उदयभान सहित अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में रिपोर्ट दिए जाने की तैयारी कर ली गई है।

जिला परिषद की ओर से गबन के मामले की रिपोर्ट एसीबी को दी जाएगी। एसीबी पूरे मामले की जांच करेगी। इसमें चानी के तत्कालीन सरपंच मनोहरसिंह और ग्राम विकास अधिकारी उदयभान यादव सहित रिटायर हो चुके तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी गोविन्दसिंह और जयकरणसिंह भी एसीबी के राडार पर आ सकते हैं। खनिज वाहनों से वसूली की अवधि के दौरान इन दोनों की पोस्टिंग भी चानी में रही है। जिला परिषद की ओर से ग्राम विकास अधिकारी को आरोप-पत्र देकर जवाब मांगा, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। जिला स्थापना समिति की 13 मार्च, 2026 को बैठक हुई, जिसमें चानी के तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी और वर्तमान में लूणकरणसर पंचायत समिति में कार्यरत उदयभान यादव को राजकीय सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग खण्ड बाड़ी
नीलामी सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस खण्ड के अधीन खण्डीय भण्डार, जन स्वा अभि0 विभाग बाड़ी में विभिन्न प्रकार के निम्नानुसार नकारा घोषित सामान की नीलामी खण्डीय भण्डार बाड़ी में दिनांक 08.04.2026 को दोपहर 12 बजे से सांय 5 बजे तक की जावेगी। अतः सभी नीलामी में भाग लेने वाले बोलीदाताओं को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर इस नीलामी में सक्रिय भाग लेवें। नीलामी किये जाने वाले सामान का अवलोकन किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान खण्डीय भण्डार बाड़ी में किया जा सकता है। नीलामी का सामान जहाँ है जैसा है, के आधार पर नीलाम किया जावेगा।

क्र.सं.	सामान का नाम	मात्रा	पुस्तक मूल्य
1	(इलेक्ट्रिक) गेज स्क्रेप, मैन स्विच, पेनलबोर्ड, स्टार्टर	189.00 Kg.	80800.00
2	जी.आई. स्क्रेप, हैण्ड मय हैण्डल, जी.आई. पाईप 32 एम.एम. और जी.आई. पाईप 50 एम.एम., तिपाई, हैण्डपम्प	9161.00 Kg.	1101660.00
3	एम.एस. स्क्रेप, कनेक्टिंग रोड टी एण्ड पी, डीजल इन्जन पम्पसेट	5174.90 Kg.	554300.00
4	सी.आई. स्क्रेप स्लूस वॉल, रिकूसर कैप, सिलेण्डर बॉडी	823.00 Kg.	139750.00
5	घन मैटल	46.60 Kg.	27150.00
6	कॉपर वायर	286.00 Kg.	128700.00
7	वूडन	40.00 Kg.	2600.00
8	समर्सिबल पम्पसेट (नं0)	77.00 No.	983500.00
9	मोनोब्लाक पम्पसेट	5.00 No.	141000.00
10	किलोस्कर मेक पम्प सेट 2 एचपी	4.00 No.	7500.00
11	Dewatering Pump Set 2 HP	2.00 No.	3500.00
	योग		3170460.00

नियम व शर्तें
1. प्रत्येक बोलीदाता की बोली लगने से पूर्व राशि 50000/- रुपये का डिमाण्ड ड्राफ्ट अधोहस्ताक्षरकर्ता (अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा अभि0 विभाग खण्ड बाड़ी) के पक्ष में दिनांक 08.04.2026 को 11.30 ए.एम. तक आवश्यक रूप से जमा कराना होगा।
2. नीलामी समिति के सामने बोली लगानी होगी।
3. अन्तिम बोली छूटने पर बोली राशि का 1/4 राशि उसी समय जमा करानी होगी अन्यथा धरोहर राशि जप्त कर ली जायेगी। नीलामी सम्बन्धित पूर्ण अधिकार नीलामी कमेटी में निहित है। नीलामी कमेटी का निर्णय सर्वमान्य एवं अन्तिम होगा।

नोट :- अन्य नीलामी की शर्तें कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

DIPR/C/5557/2026

बिना वैध अनुमति के फोन रिकॉर्ड करना अवैध : राजस्थान हाईकोर्ट

-कार्यालय संवाददाता-

नगर निगम के पूर्व वित्तीय सलाहकार के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर निगम में ठेकेदारों के बिल पास करने की एवज में कथित रूप से कमीशन लेने से जुडे मामले में तत्कालीन वित्तीय सलाहकार अचलेश्वर मीणा के खिलाफ एसीबी में दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। वहीं इस आधार पर अदालत में पेश आरोप पत्र व उससे जुडी समस्त कार्रवाई को भी अदालत ने निरस्त कर दिया है। जस्टिस चंद्र प्रकाश श्रीमाली की एकलपीठ ने यह आदेश अचलेश्वर मीणा की आपराधिक याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

अदालत ने माना की बिना एफआईआर दर्ज किए किसी व्यक्ति के घर में प्रवेश कर तलाशी लेना और उसे गिरफ्तार करना संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है। अदालत ने माना कि मामले में फोन टैप करने की वैध अनुमति नहीं ली गई और इसमें तय प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ। ऐसे में इसे अवैध मानते हुए साक्ष्य के रूप में शामिल नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की निजी बातचीत को बिना वैध प्रक्रिया के रिकॉर्ड करना उसके मौलिक अधिकारों की अवहेलना है।

याचिका में अधिवक्ता सुधीर गुप्ता ने कहा कि मामले में एसीबी की ओर से की गई पूरी कार्रवाई ही अवैध है। मामले में बिना एफआईआर दर्ज किए याचिकाकर्ता के घर की तलाशी ली गई और बाद में उसे गिरफ्तार किया गया, जबकि एफआईआर बाद में दर्ज की गई। इसके साथ ही मामले में फोन रिकॉर्ड करने का आदेश विशेष गृह सचिव ने दिया, जबकि ये गृह सचिव के अधीनस्थ काम करते हैं और ऐसा आदेश देने के लिए सक्षम नहीं है। एसीबी ने लोक सुरक्षा का हवाला देकर रिकॉर्डिंग की अनुमति मांगी थी, लेकिन अनुमति देते समय लोक सुरक्षा की स्थिति को नहीं देखा गया। याचिका में यह भी कहा गया कि उससे रिश्वत राशि बरामद नहीं हुई है। एसीबी ने सिर्फ कॉल रिकॉर्ड के आधार पर उसे आरोपी बनाया है। ऐसे में उसकी खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए।

जिसका विरोध करते हुए एसीबी की ओर से कहा गया कि नगर निगम जयपुर में बिल पास करने की एवज में 2 से 3 फीसदी कमीशन लेने की विश्वसनीय सूचना मिली थी। याचिकाकर्ता और अन्य आरोपियों के बीच हुई बातचीत में रिश्वत के संकेत मिले थे। इसके आधार पर कार्रवाई की गई थी। वहीं सह आरोपी से करीब 27 लाख रुपए बरामद हुए थे। यह केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि संगठित अपराध का मामला है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर और उसके आधार पर अन्य कानूनी कार्रवाई को रद्द कर दिया है। गौरतलब है कि एसीबी ने मामले में 8 जनवरी, 2022 को एफआईआर दर्ज की थी। इससे एक दिन पहले एसीबी ने याचिकाकर्ता को गिरफ्तार किया था।

संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निपटारे को लेकर सरकार सख्त

जयपुर । राज्य सरकार ने संपर्क पोर्टल पर दर्ज आमजन की शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। अब पोर्टल पर दर्ज असंतुष्ट परिवादों की व्यक्तिगत समीक्षा विभागों के सचिवों और जिला कलेक्टरों द्वारा की जाएगी। इस संबंध में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सभी प्रशासनिक सचिवों और जिला कलेक्टरों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए है। निर्देशों के अनुसार सरकार का उद्देश्य शिकायत निवारण प्रणाली को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाना है, ताकि आमजन को समय पर संतोषजनक समाधान मिल सके। नई व्यवस्था के तहत सभी विभागों के सचिव अब स्वयं संपर्क पोर्टल पर दर्ज असंतुष्ट शिकायतों की समीक्षा करेंगे। उन्हें प्रतिदिन कम से कम 10 शिकायतों का सत्यापन अनिवार्य रूप से करना होगा। इसके अलावा हर माह सचिव स्तर के अधिकारी संपर्क केंद्र का दौरा कर 200 से 250 असंतुष्ट परिवादों की व्यक्तिगत समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की नवरात्र स्थापना पर पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना कर घट स्थापना की तथा मां दुर्गा की आराधना की। शर्मा ने मां दुर्गा से प्रदेशवासियों के स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध जीवन की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए वृक्षों पर पक्षियों के लिए परिंडे भी बांधे।

हाऊसिंग बोर्ड की 30वीं कर्मचारी खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज़

जयपुर (कासं)। राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आयोजित वार्षिक कर्मचारी खेलकूद प्रतियोगिता के 30 वे संस्करण का शुभारंभ गुरुवार को उत्साह और ऊर्जा के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने खुले आकाश में गुब्बारे छोड़कर किया। इस दौरान मण्डल सचिव गोपाल सिंह, मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, टीएस मीणा, प्रतीक श्रीवास्तव एवं अन्य अधिकारी तथा समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ करते हैं, बल्कि टीम भावना, अनुशासन और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करते हैं। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें एथलेटिक्स रेस, फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कैरम, शतरंज तथा महिलाओं की 100 मीटर दौड़ प्रमुख हैं। प्रतियोगिता में कुल 240 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें 220 पुरुष एवं 20 महिला प्रतिभागी शामिल हैं। खेल मैदान में जोश और प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिला, जहां प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आगामी चार दिनों तक यह खेल महाकुंभ जारी रहेगा, जिसमें विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। यह प्रतियोगिता न केवल कर्मचारियों के बीच आपसी समन्वय को बढ़ावा देगी, बल्कि स्वस्थ और सक्रिय कार्य संस्कृति को भी प्रोत्साहित करेगी।

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने फुटबॉल को किक मारकर विभाग की ओर से आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

21-22 मार्च को निकलेगी गणगौर माता की शाही सवारी

जयपुर (कासं)। विश्व प्रसिद्ध गणगौर महोत्सव के तहत राजधानी जयपुर में 21 और 22 मार्च 2026 को गणगौर माता की भव्य शाही सवारी निकाली जाएगी। यह सवारी सिटी पैलेस की जनाना ड्योढी से शाम करीब 5:45 बजे शुरू होकर त्रिपोलिया गेट से होकर पारंपरिक मार्ग त्रिपोलिया बाजार,छोटी चौपड,गणगौरी बाजार से आगे बढते हुए ताल कटोरा पहुंचकर संपन्न होगी। जहां माता को घेवर और फल का अर्पित करने के बाद गणगौर का विदा किया जाएगा। वहीं उसके अगले दिन 22 मार्च को सिटी पैलेस स्थित जनानी ड्योढी से बडी शान से बूढी गणगौर की पारंपारिक सवारी शाही लवाजमे के साथ धूमधाम से निकलेगी। यह आयोजन पर्यटक विभाग, जिला प्रशासन , महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय सक्रहालय ट्रस्ट और नगर निगम जयपुर की ओर से आयोजित किया जा रहा है। पर्यटन विभाग के अनुसार इस बार गणगौर की शाही सवारी को और अधिक आकर्षक व भव्य बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। शोभायात्रा में पारंपरिक हाथी, घोडे और ऊंट के साथ शाही पोशाक में सजी माता गौरी की प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

इस आयोजन में सैकड़ों लोक कलाकार अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करेंगे। सजी-धजी पालकियों, लवाजमे और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुनों के बीच पूरी सवारी एक अद्भुत नजारा पेश करेगी।

इस बार भी शोभायात्रा में कई अतिरिक्त हाथी, घोडे, सजे-धजे ऊंट और विक्टोरिया बग्गियां भी शामिल की गई। जो इसकी भव्यता को और बढ़ाएंगी। साथ ही शोभायात्रा के दौरान माता गणगौर की प्रतिमा पर पुष्पवर्षा की जाएगी। जिससे श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहेगा।

पर्यटन विभाग ने देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था भी की है, ताकि वे इस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आयोजन का भरपूर आनंद उठा सकें।

'अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ'

जयपुर । जयपुर जिले के प्रभारी एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने अधिकारियों से कहा कि, प्रदेश के अंतिम पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और बजट घोषणाओं का लाभ पहुंचना चाहिए। उन्होंने ग्रीष्मकालीन पेयजल प्रबंधन, बजट घोषणाओं एवं सेवा वितरण की गुणवत्ता पर भी अधिकारियों से चर्चा की। पटेल ने गुरुवार को जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर इन मामलों की समीक्षा कर रहे थे। प्रभारी मंत्री ने कहा कि गर्मियों को देखते हुए लोगों को टैंकर के माध्यम से जल पहुंचाने तथा खराब हैण्डपंप व नलकूपों की तुरंत मरम्मत करवाने की व्यवस्था करें। उन्होंने लंबित कार्यों को समय पर पूरा करने, भूमि आवंटन प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगर कहीं पर भूमि उपलब्ध नहीं है तो वैकल्पिक भवन की व्यवस्था की जाए।

सार-समाचार

राज्यपाल बागडे से मिले स्पीकर देवनानी

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लोकभवन पहुंचकर मुलाकात की। देवनानी ने राज्यपाल को राजस्थान दिवस, भारतीय नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की बधाई देते हुए पुष्पगुच्छ भेंट किया। राज्यपाल ने भी राजस्थान दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल की "संसदीय संस्कृति का उत्कर्ष : नवाचारों के दो वर्ष" पुस्तक भेंट की। राज्यपाल ने विधानसभा के उनके कार्यकाल में लिए निर्णयों और नवाचारों की सराहना की। देवनानी को राज्यपाल ने कुलाधिपति के रूप में बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह में शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में प्रदान की गई विद्या वाचस्पति की उपाधि के लिए बधाई दी।

ओशो सक्रिय ध्यान शिविर 21 को

जयपुर । शहर के सेंट्रल पार्क में 21 मार्च 2026 को ओशो सक्रिय ध्यान शिविर का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों की ओर से आमजन को इस ध्यान सत्र में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन गेट नंबर 4 के पास किया जाएगा। शिविर की शुरुआत सुबह 6 बजे से 7:30 बजे तक सक्रिय ध्यान से होगी। इसके बाद सुबह 7:30 बजे से 8:15 बजे तक चाय एवं विश्राम का समय रखा गया है। वहीं सुबह 8:15 बजे से ओशो प्रवचन का आयोजन किया जाएगा, जबकि कार्यक्रम का समापन उत्सव के साथ सुबह 10 बजे किया जाएगा। इस ध्यान शिविर का संचालन स्वामी चेतन्य कीर्ति द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ओशो संन्यास पद्धित में दीक्षित होने के बाद महसूस हुआ कि ओशो सक्रिय ध्यान पद्धित के माध्यम से प्रतिभागियों को तनाव मुक्ति, मानसिक शांति और आंतरिक ऊर्जा का अनुभव कराने का प्रयास कराए इसके लिए यह आयोजन किया जाएगा । आजकल की भागमभाग वाली जिंदगी में भी इस ध्यान पद्धित के जरिए हम लोगों की जिंदगी को खुशनुमा बनाना चाहते हैं । आने वाला समय इतना भयंकर है कि लोगों को तनाव मुक्त करने की अत्यंत आवश्यकता होगी और यह लोगों को तनाव मुक्त करने का ध्यान है । आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए खुला है। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित समय पर सेंट्रल पार्क पहुंचकर इस ध्यान शिविर का लाभ ले सकते हैं। इस अवसर पर स्वामी डी. के.जैन, स्वामी एम.के.सिंह, माँ गायत्री, माँ सुनीता और गिर्राज सिंह शामिल हुए।

कैनवास पर उकेरा राजस्थान का इतिहास

जयपुर । कला मेला-2026 के तीसरे दिवस गुरूवार को "राजस्थान का गौरवशाली इतिहास" विषयक तत्स्थलीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय-विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु किया गया।अकादमी सचिव डॉ.रजनीश हर्ष ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों से लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी सृजनात्मकता को आकार दिया।चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक समिति में डॉ. मणि भारतीया और विनय शर्मा रहे। प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान पर राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट जयपुर से क्रमशः कृष्णकांत टोंगरिया और नंदिनी सुथार रहे। तीसरे स्थान पर सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के मोहित सैना रहे। इसके साथ ही अक्षिता भदौरिया, भूमिका जांगिड़, चिराग कुमार, शल्य सिंह राठौड़, और अन्नू प्रजापत को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। सभी विद्यार्थियों को 21 मार्च को समापन समारोह के अवसर पर राजस्थान ललित कला अकादमी द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। कला मेला संयोजक हरशिव शर्मा ने बताया कि कला शिविर के दूसरे दिन राजस्थान के 9 वरिष्ठ कलाकारों ने अपनी कूची से भावों को अपनी व्यक्तिगत शैली में उकेरा। साथ ही डॉ. नाथूलाल वर्मा ने फ्रेस्को कार्यशाला के दूसरे दिन रंग बनाने की विधि, प्रक्रिया से लेकर टाइल पर प्रयोग विधि से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। हरिशंकर भालोठिया ने कार्यशाला में कैलीग्राफी में काम आने वाले विभिन्न स्टाइल, शेरिफ और कलम होल्डिंग इत्यादि के बारे में प्रायोगिकी द्वारा समझाया।

नव संवत्सर पर ठाकुरजी को सुनाया पंचांग

जयपुर । राजधानी जयपुर के चांदपोल बाजार स्थित मंदिर श्री रामचंद्र जी में गुरुवार को नव दिवसीय श्री राम जन्मोत्सव के अंतर्गत सिंजारा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी परिवार ने नव संवत्सर के दिन श्री ठाकुर जी को पंचांग सुनाकर शुभारंभ किया। मंदिर में महिला भक्त समाज ने पूरे दिन विभिन्न प्रकार के पकवानों का भोग गणगौर माता को अर्पित किया। प्रातः से ही मंदिर प्रांगण में भजन कीर्तन चल रहे थे और माता गणगौर को विशेष विधि से विहार कराया गया।

चैत्र नवरात्र स्थापना पर शिला माता मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

चैत्र नवरात्र घट स्थापना पर आमेर स्थित शिला माता मंदिर में देवी के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

जयपुर । जयपुर सहित प्रदेशभर में चैत्र नवरात्र गुरुवार से श्रद्धा और आस्था के साथ प्रारंभ हो गए। राजधानी के मंदिरों में सुबह विधिवत घटस्थापना की गई। इसी क्रम में आमेर के शिला माता मंदिर में सुबह 7:05 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ घटस्थापना की गई। जिसके बाद सुबह 8:15 बजे से भक्तों के लिए दर्शन शुरू कर दिए गए।

नवरात्र के प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई। दूर-दूर से आए श्रद्धालु हाथों में ध्वज लेकर, दंडवत करते हुए माता के दरबार में पहुंचे और मनोकामनाएं मांगीं। सुबह से ही मंदिर परिसर में दर्शन के लिए लंबी कतारें देखने को मिलीं। मंदिर के पुजारी बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि नवरात्र के नौ दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना और श्रृंगार किया जाएगा। पूर्व राजपरिवार की ओर से माता रानी को विशेष पोशाक अर्पित की जाती है तथा प्रतिदिन आभूषणों से अलंकरण किया जाता है। नवरात्र के दौरान प्रतिदिन बाल भोग सुबह 8 से 8:15 बजे तक, प्रात: आरती सुबह 10 बजे, संध्या आरती शाम 6:45 बजे, रात्रि भोग शाम 7:45 से 8 बजे तथा शयन आरती रात 8:30 बजे होगी।

त्यौंहारों पर जयपुर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अलर्ट

जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर में त्यौंहारों का सीजन शुरू हो गया है। नवरात्रि स्थापना के साथ ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। आगामी दिनों में ईद, गणगौर और रामनवमी भी बड़े उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर शहर में कानून और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस ने कड़ा अलर्ट कर दिया है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने बताया कि भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। सार्वजनिक स्थानों और शोभायात्राओं में वर्दीधारी और सादे वस्त्रों में पुलिस की टीमें लगातार निगरानी रखेंगी। शहर में फ्लैग मार्च निकाले गए और ड्रोन के माध्यम से संवेदनशील इलाकों का सर्वे किया गया।

पुलिस ने ईद के मौके पर बड़ी नमाज के लिए ईदगाह और अन्य मस्जिदों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था कर दी है। जुलूस और शोभायात्राओं के रूट का सर्वे कर आयोजकों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। इसके अलावा चैन, पर्स और मोबाइल स्नैचिंग जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से अभय कमांड सेंटर से भीड़भाड़ में अशांति फैलाने वाले तत्वों पर निगरानी रखी जा रही है।

बिना ओटीपी और डायरी में एंट्री किए अब नहीं मिलेगा गैस सिलेंडर

जयपुर । प्रदेश में घरेलू गैस आपूर्ति को लेकर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को सचिवालय में विभागीय अधिकारियों एवं गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने और डाइवर्जन पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए गए।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश में घरेलू गैस आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है और उपभोक्ताओं को बुकिंग के तीन से चार दिनों के भीतर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और आमजन को किसी प्रकार की घबराहट की आवश्यकता नहीं है। अस्पतालों, शैक्षिणक संस्थानों और धार्मिक स्थलों पर भी गैस की निर्बाध आपूर्ति की जा रही है।

बैठक में गैस सिलेंडर के डाइवर्जन को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए मंत्री ने निर्देश दिए कि अब बिना ओटीपी सत्यापन और डायरी में एंट्री के किसी भी उपभोक्ता को गैस सिलेंडर की डिलीवरी नहीं की जाएगी। कुछ एजेंसियों में बिना सत्यापन के सिलेंडर वितरण की शिकायतें सामने आने पर यह कदम उठाया गया है।

खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को सचिवालय में अधिकारियों एवं गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर चर्चा की।

उन्होंने गैस कंपनियों को निर्देशित किया कि इस नियम को लेकर सभी एजेंसियों में पोस्टर और बैनर के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि फर्जी बुकिंग और कालाबाजारी पर पूरी तरह रोक लग सके। मंत्री ने कहा कि राज्य और जिला स्तर की निगरानी समितियां पहले से ही कालाबाजारी और अवैध भंडारण के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं। अब गैस कंपनियों के फील्ड ऑफिसर्स को भी प्रतिदिन कम से कम एक गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण की रिपोर्ट जियो टैगिंग के साथ विभाग को भेजनी होगी। साथ ही दूरदराज क्षेत्रों में स्थित गैस एजेंसियों की विशेष निगरानी करने को कहा गया है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के शासन सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि प्रदेश में गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में कोई कमी नहीं आई है और विभाग लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है। गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में बताया कि नियमित आपूर्ति के चलते अब उपभोक्ताओं में घबराहट कम हुई है, जिससे बुकिंग का दबाव भी घटा है और सर्वर सुचारू रूप से काम कर रहे हैं।

द्रव्यवती नदी के संरक्षण के लिए कमेटी बने, विभाग आपसी समन्वय से करें काम : हाईकोर्ट

-कार्यालय संवाददाता-

न्यायमित्र शोभित तिवाडी ने अदालत को बताया कि कई जगह सीवरेज का अनट्रीटेड पानी सीधे ही नदी में छोडा जा रहा है। गोनेर में अवैध पंपिंग कर खेती की जा रही है। जबकि एसटीपी प्लांट व रिवर फ्रंट पर संसाधनों की भी कमी है। द्रव्यवती के प्लांट के सब स्टैण्डर्ड होने के चलते चंदलाई बांध का पानी भी प्रभावित हो रहा है।

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की द्रव्यवती नदी के संरक्षण से जुडे मामले में न्याय मित्र के सुझाव पर सहमति जताते हुए विभागों में समन्वय के लिए कमेटी गठित करने की मंशा जताई है। अदालत ने कमेटी गठित करने का नीतिगत निर्णय है। ऐसे में हम जनहित याचिका में निर्देश देंगे तो यह कार्यपालिका के काम में हस्तक्षेप होगा। ऐसे में महाधिवक्ता सक्षम स्तर पर संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए कमेटी गठन को लेकर पक्ष रखें।

इसके अलावा अदालत ने कहा है कि विभागों की ओर से अदालत में पक्ष रखने के लिए एक अतिरिक्त महाधिवक्ता को अधिकृत किया जाए। अदालत ने मामले में न्याय मित्रों की ओर से उठाए बिंदुओं को लेकर राज्य सरकार को 28 अप्रैल को जवाब देने को कहा है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश पीएन मैंदोला की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान न्यायमित्र शोभित तिवाडी ने अदालत को बताया कि कई जगह अनट्रीटेड पानी सीधे ही नदी में छोडा जा रहा है। वहीं गोनेर में अवैध पंपिंग कर खेती की जा रही हे। एसटीपी प्लांट व रिवर फ्रंट पर संसाधनों की भी कमी है। द्रव्यवती के प्लांट के सब स्टैंडर्ड होने के चलते चंदलाई बांध का पानी भी प्रभावित हो रहा है। न्यायमित्र ने कहा कि नदी के संरक्षण के लिए एक बोर्ड या कमेटी का गठन होना चाहिए, जो विभागों में समन्वय करे। दूसरी ओर मामले में नियुक्त एक अन्य न्यायमित्र अलंकृता शर्मा ने रिपोर्ट पेश कर कहा कि जनसंख्या के हिसाब से मौजूदा एसटीपी प्लांट की क्षमता को कम से कम तीन गुणा बढाने की जरूरत है। इसके अलावा नदी में पानी पर परत जमा है। जिससे साबित होता है कि फैक्ट्रियों का दूषित पानी सीधे ही नदी में छोडा जा रहा है। इसके साथ ही सरकार से इसकी जानकारी लेनी चाहिए कि क्षेत्र में कितनी औद्योगिक इकाइयां चल रही हैं और इनमें से कितनों के पास प्रदूषण बोर्ड की एनओसी नहीं है। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने मामले में कमेटी गठन की मंशा जताते हुए सरकार से जवाब मांगा है। गौरतलब है कि पीएन मैंदोला ने द्रव्यवती नदी में अतिक्रमण व अवैध निर्माण को हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर चुनौती दी थी। इसमें कहा था कि इस नदी को प्रदूषित कर दिया है और इससे वास्तविक स्वरूप नष्ट हो रहा है।

जयपुर सहित 16 शहरों में बारिश, आज भी संभावना

जयपुर । पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान में दो दिन से आंधी-बारिश और ओलावृष्टि देखने को मिल रही है। गुरुवार को प्रदेश के 16 शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सीकर, अलवर और कोटपुतली-बहरोड़ में ओले गिरे। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी 20 शहरों में आंधी-बारिश के साथ ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार सबसे ज्यादा बारिश बाड़मेर में 16.6 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा सीकर, जैसलमेर, तिजारा, भीलवाड़ा,अलवर, पिलानी, डबोक,जोधपुर, फलौदी, बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, डूंगरपुर, फतेहपुर, लूणकरणसर और जयपुर में बारिश रिकॉर्ड की गई। आंधी-बारिश के चलते फतेहपुर के दिन तापमान में सबसे ज्यादा करीब 12 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा बाड़मेर और सीकर के अधिकतम तापमान में भी 10 डिग्री की कमी देखी गई। 36.4 डिग्री के साथ चित्तौड़गढ़ का दिन और 21.4 डिग्री के साथ जयपुर की रात सबसे गर्म रही। अजमेर और कोटा में भी रात का तापमान 20 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। वहीं कई जिलों में फसलों को भी नुकसान हुआ है। सीकर शहर में लगातार दूसरे दिन आज 30 सेकेंड तक ओले गिरे। जैसलमेर और बाड़मेर में जीरा, ईसबगोल की फसलों को नुकसान हुआ है। कृषि विभाग फसलों के खराबे का आकलन कर रहा है। कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बानसूर और नारायणपुर क्षेत्र में बारिश के साथ करीब 20 मिनट तक ओले गिरे। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से गुरुवार को भी पश्चिम राजस्थान के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र रहा। राज्य के कुछ भागों में हल्की मध्यम बारिश दर्ज हुई है। सर्वाधिक बारिश बाड़मेर में 16.6 मिमी दर्ज की गई। गुरुवार को जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर व कोटा संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन व तेज आंधी की संभावना है।

World Oral Health Day: A Reminder To Prioritise Your Smile

Observed annually on March 20, World Oral Health Day highlights the importance of maintaining good oral hygiene for overall well-being. Healthy teeth and gums are not just about a bright smile, they play a crucial role in preventing infections, heart disease, diabetes complications and other systemic health issues. The day encourages people of all ages to adopt simple habits such as brushing twice daily, flossing regularly and scheduling routine dental check-ups. It also raises awareness about the impact of sugary diets and tobacco use on oral health. A small daily commitment to dental care can lead to lifelong health benefits.

#NAME

Europe Named After An African Princess!

Europa: The African Woman Behind the Name of Europe

Many people are surprised to learn that the name of the continent Europe actually comes from a woman's name, and even more surprising, that this woman, Europa, came from Africa.

Who Was Europa?

Europa was a Phoenician princess, born in the ancient city of Tyre, which was located in what is now modern-day Lebanon. At that time, this region was part of the wider Phoenician civilization, which had strong cultural and trade connections to North Africa, especially Egypt and Carthage (modern-day Tunisia).

Some historical interpretations, especially Afrocentric perspectives, argue that because the Phoenicians were a Semitic people with African and Middle Eastern roots, Europa herself can be considered of African origin, particularly North African. This is also supported by how Greek mythology often places important mythological events in Egypt or the wider African world.

The Myth of Europa and Zeus

According to Greek mythology, Europa was a beautiful young woman who caught the attention of Zeus, the king of the gods. Zeus transformed himself into a majestic white bull and approached her while she was gathering flowers. When Europa climbed onto his back, Zeus swam across the Mediterranean Sea and brought her to Crete, where she became queen. This dramatic journey, from Africa across the Mediterranean to Europe, symbolically mirrors the naming of the continent itself.

How Her Name Became 'Europe'

Originally, the name 'Europa' was used by the Greeks to describe the lands just north of the Mediterranean Sea. Over time, the term expanded to cover a much larger region. By the time of the Roman Empire and the Middle Ages, 'Europe' referred to the entire continent. So, in a very real sense, the continent of Europe is named after an African woman, one whose story blends mythology, migration, and transformation.

Europa's Legacy

- The European Union features Europa in its symbols and currency, recognizing her as a cultural icon.
- Jupiter's moon Europa is named in her honour.
- Statues of Europa riding the bull (Zeus) can be found in cities across Europe, symbolizing unity and shared heritage.

The name Europe has deep roots in African-connected mythology. Europa, a woman of Phoenician (and arguably African) origin, became the symbolic mother of a continent. Her story is a reminder that the histories of Africa and Europe have always been intertwined, through trade, culture, mythology, and migration.

People In Thailand Were Chewing Betel Nuts 4,000 Years Ago?

The burial site at Nong Ratchawat.

Piper betel leaf, the areca nut, limestone paste, tobacco and bark filaments are often combined to get a high.

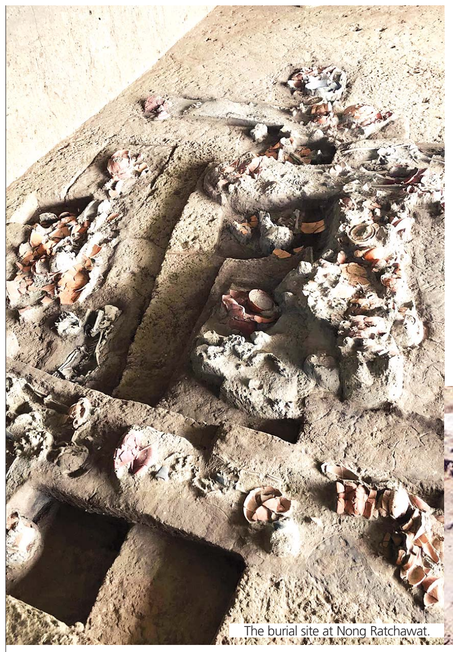

Piyawit Moonkham, an anthropological archaeologist at Chiang Mai University in Thailand and study co-author, grew up watching his grandparents chew betel nut. He says that although the plant has undeniable health consequences, chewing may have been done through history for those seeking health benefits, including possibly for stress relief and treatment for mental illness.

● Verna Mohon

Piper betel leaf, the areca nut, limestone paste, tobacco and bark filaments are often combined to get a high.

Scientists analyzed preserved dental plaque from a woman at a 4,000-year-old burial site and said that they found evidence of betel nut use.

From South Asia to the Pacific islands, people chew betel nut. When munched by habitual users, the seed of the areca palm fruit stains the teeth. And the practice, which typically involves the nut being chewed inside a betel pepper leaf with lime, has reported psychoactive effects, including increased alertness and euphoria.

However, due to its high association with oral cancers, the practice has steadily gone out of fashion. Government intervention measures have also dissuaded use. In the 1940s, the government in Thailand, for example, launched a campaign to cut down on betel nut chewing. India, too, has promoted campaigns to discourage the traditional practice.

Now, a new study, published this week in the journal *Frontiers in Environmental Archaeology*, aims to shed light on the history of betel nut chewing. By providing the first direct biochemical evidence of chewing, dating back 4,000 years in Southeast Asia, the study helps reinforce that betel nut consumption is a repeated practice that has been done for centuries.

> Now, a new study, published this week in the journal Frontiers in Environmental Archaeology, aims to shed light on the history of betel nut chewing. By providing the first direct biochemical evidence of chewing, dating back 4,000 years in Southeast Asia, the study helps reinforce that betel nut consumption is a repeated practice...

Piyawit Moonkham, an anthropological archaeologist at Chiang Mai University in Thailand and study co-author, grew up watching his grandparents chew betel nut. He says that although the plant has undeniable health consequences, chewing may have been done through history for those seeking health benefits, including possibly for stress relief and treatment for mental illness. Moonkham hopes that by using archaeology to better understand the longstanding history of betel nut use, people are able to see the plant from a more nuanced perspective.

#HABITS

Researchers uncovered 4,000-year-old chemical traces of betel nut chewing in ancient Thai dental plaque.

In order to test whether the remains showed evidence of betel nut consumption, researchers analyzed 36 samples of dental calculus from six individuals at the Nong Ratchawat burial site in Thailand. Picture the calcified plaque that's scraped from your teeth when you get a deep cleaning at the dentist. Roger Forshaw, a biological anthropologist at the University of Manchester in England, who was not involved in the study, says that dental calculus is like an archaeological time capsule, because it doesn't deteriorate and can preserve microscopic evidence from a person's life such as the diet they may have consumed.

In the study, researchers identified arecoline and arecaidine as the main determining compounds of betel nut chewing residue. The compounds were identified in a sample made to mimic betel nut consumption, using a combination of dried betel nut fruit, pink limestone paste, betel leaves and saliva. Scientists were then able to find the compounds in three of the 36 samples, all associated with a single female burial from 4,000 years ago.

According to Shannon Tushingham, an anthropologist at the California Academy of Sciences and study co-author, this doesn't necessarily mean that the other individuals in the burial site did not consume betel nuts. Though this specific individual may have been special to her community, a variety of other factors, including the extent of individuals' betel nut use and the conditions of their preservation, may have also affected the researchers' ability to detect consumption.

For Tushingham, one of the most intriguing aspects of this study was the fact that though the individual held biochemical evidence of betel nut consumption in her dental calculus, the burial site lacked the traditional markers of betel nut use, such as the signature stained teeth or betel nutshells.

According to Moonkham, while other archaeological sites have contained remnants of the plants, including at a 9,000-year-old burial site in the Spirit Cave in northwest Thailand, or stained teeth, other studies have not proved direct consumption.

Yet, Miriam Stark, an archaeologist at the University of Hawaii at Manoa, who was not involved in the new study, says that it's still too soon for the researchers to claim that they've found the earliest evidence of betel nut chewing in Southeast Asia. Stark says that the Nong Ratchawat site, the researchers took samples from, has not been well documented in comparison with other sites in the region, specifically noting that more radiocarbon dating needs to be conducted to better verify the site's age.

> For Stark, the study's finding represents a start: the potential to use dental calculus as a technique to further study betel nut consumption, which has historically been difficult to research. "It looks like a really good technique, and I hope that it can be applied to a bunch of well-documented sites," she says.

For Stark, the study's finding represents a start: the potential to use dental calculus as a technique to further study betel nut consumption, which has historically been difficult to research. "It looks like a really good technique, and I hope that it can be applied to a bunch of well-documented sites," she says.

Stark also emphasizes the importance of archaeologists exploring more ways to find evidence of betel nut use at sites, beyond traditional artifacts.

Cristina Castillo, an archaeobotanist at University College London, who also did not contribute to the new research, additionally suggests that the detection of betel nut use requires more evidence than just dental calculus. In a 2022 paper published in *Economic Botany*, Castillo outlined some of the challenges with identifying betel nut use in Southeast Asia. Among these is the fact that the betel nut belongs to the genus Areca, of which there are 51 different species. According to Castillo, it's still unclear whether arecoline and arecaidine, which the researchers used to identify betel nut consumption, are only found in betel nuts. Other species from the same genus may share the betel nut's biochemical signature.

Moreover, Castillo says that how the betel nut was able to travel to Thailand as early as 4,000 years ago still isn't evident. The plant is believed to be native to Malaysia or the Philippines.

While Forshaw says that dental calculus can be used to solve even more longstanding historical mysteries that may be invisible to the naked eye, Castillo says that archaeologists shouldn't rely on biochemical evidence alone to draw historical conclusions.

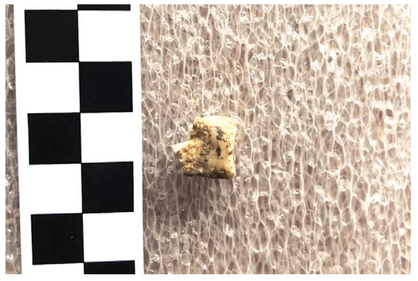

"I find that all new sciences that are based only on a single source of evidence without a physical side, for example, plant remnants," Castillo says, "should actually be strengthened with more evidence."

rajeshsharma1049@gmail.com

The red liquid produced after chewing betel nut.

Thai burial tooth.

#HAMIDA BANU

She Was Class Apart

India's First Female Professional Wrestler Who Defied All Odds

In the annals of Indian sports history, few names shine as boldly as Hamida Banu, a woman who shattered gender barriers and redefined the limits of physical strength and determination. Widely recognised as India's first female professional wrestler, Hamida Banu rose to prominence during the 1940s and 1950s, a time when wrestling was almost exclusively dominated by men. Her life was a blend of glory, grit, and mystery, as she achieved global fame before fading from the public eye.

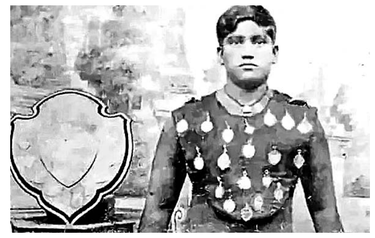

Early Life and Beginnings

Hamida Banu was born in or around Aligarh, Uttar Pradesh, though the exact details of her early life remain uncertain. Some sources trace her roots to Mirzapur, while others suggest she hailed from a wrestling family in Aligarh. Her father, Nader Pahalwan, is believed to have introduced her to the sport, and she later trained under the guidance of Salam Pahalwan, a reputed wrestling coach.

From an early age, Hamida demonstrated exceptional strength and courage, refusing to be confined by the gender expectations of her time. Her passion for wrestling, coupled with intense physical training, laid the foundation for her remarkable career.

Breaking Barriers in the Wrestling Arena

In the mid-20th century, when Indian women were expected to stay away from public sporting events, Hamida Banu made headlines by challenging men in the wrestling ring. Her confidence was legendary, she even declared that any man who could defeat her would win her hand in marriage.

In 1954, she issued a public challenge to male wrestlers across India, and soon after, she defeated two prominent contenders, one from Patiala and another from Kolkata. Her most famous victory came on May 4, 1954, in Vadodara (then Baroda), where she faced Baba Pahalwan after his teammate, Chhote Gama Pahalwan, refused to fight a woman. Hamida won the bout in just 1 minute and 34 seconds, a feat that earned her national acclaim.

Throughout her career, she claimed to have won over 300 matches, both against male and female opponents. She also fought internationally, reportedly defeating Vera Chistilin, a Russian wrestler nicknamed 'the female bear,' in Mumbai. At one point, she planned to travel to Europe for a wrestling tour, an ambition that, unfortunately, never materialised.

A Larger-Than-Life Persona

Hamida Banu's physical prowess was matched only by her charismatic personality. Standing at 5 feet 3 inches and weighing around 108 kilograms, she was often described as the 'Amazon of Aligarh.' Newspapers of the time sensationalised her diet, consisting of several litres of milk and fruit juice, dozens of eggs, plates of biryani, and generous portions of butter and meat, portraying her as both extraordinary and intimidating.

But Hamida was more than a spectacle. She was a symbol of defiance, courage, and female empowerment at a time when women's participation in sports was considered inappropriate. Her victories inspired many and challenged the patriarchal notions deeply rooted in Indian society.

Controversies and Challenges

Despite her fame, Hamida Banu's career was not without controversy. Her mixed-gender bouts attracted criticism from conservative circles and even political figures. Reports suggest that then-Maharashtra Chief Minister Morarji Desai intervened after complaints that her matches were being staged for publicity.

During one bout in Kolhapur, she faced hostility from spectators who threw stones at her for defeating a male opponent. Yet, she continued to wrestle fearlessly, undeterred by the backlash.

However, her most tragic battles occurred outside the ring. According to her grandson Feroz Shaikh, Hamida's mentor and alleged husband, Salam Pahalwan, violently opposed her plans to compete internationally. In a fit of rage, he reportedly beat her severely, breaking her hands and legs, leaving her unable to walk without support for years. This assault effectively ended her wrestling career and forced her into a life of obscurity.

Life After Wrestling and Disappearance

Following her injuries, Hamida Banu withdrew from wrestling altogether. She lived a quiet life in Kalyan, Maharashtra, where she supported herself by selling milk, renting out property, and preparing snacks for locals. Despite her once-celebrated fame, she died in relative obscurity in 1986, leaving behind little more than memories and newspaper clippings of her glory days.

Her disappearance from the wrestling scene remains one of the great unsolved mysteries of Indian sports. Some attribute it to the lack of institutional support for female athletes; others point to the trauma she endured at the hands of those closest to her.

Rediscovery and Legacy

For decades, Hamida Banu's story remained largely forgotten, until recent years, when historians and journalists began rediscovering her achievements. On May 4, 2024, Google commemorated her with a special Google Doodle, honouring her 1954 victory over Baba Pahalwan and recognising her as India's first professional female wrestler. Today, Hamida Banu is remembered not just for her wrestling triumphs, but also for her indomitable spirit. She represents the countless women who fought, often silently, against societal constraints to carve out a place for themselves in history.

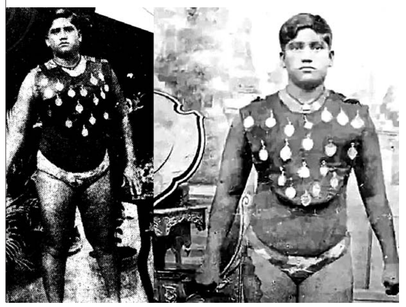

THE WALL

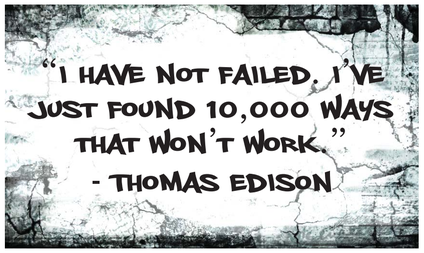

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

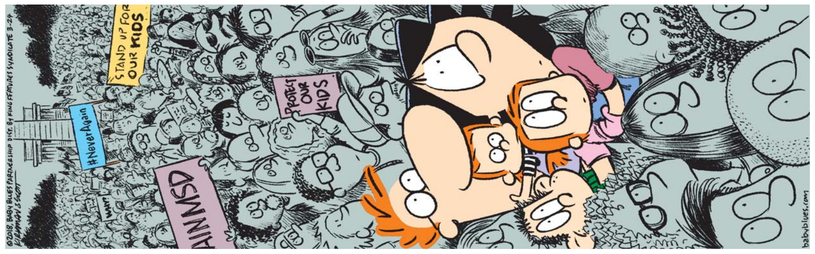

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

भरतपुर में खेत पर फसल काट रही महिला पर तेंदुए ने हमला किया, गंभीर घायल

महिला के पुत्र ने साफी (तौलिये) को मां के गले पर बांध दिया, अन्य कपड़ा कान पर रख दिया

भरतपुर, (निसं)। रूपवास स्थित तेजनगर गांव में घर के पास अपने खेतों में फसल काट रही एक महिला पर तेंदुए ने हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से खेत में मौजूद महिला के परिजन भी घबरा गए। जब तक परिजन संभले तब तक तेंदुआ महिला को घायल कर खेतों में गुम हो गया, जिस पर परिजनों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इस दौरान मौजूद महिला के पुत्र श्रीकांत ने अपने पास मौजूद साफी को अपनी मां के गले पर बांध दिया। साथ ही अन्य कपड़ा कान पर रख दिया। इसी दौरान दर्जनों की संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। जिन्होंने घायल महिला को रूपवास कस्बे के उप जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां घायल महिला चन्द्रवती पत्नी भूरी सिंह का उपचार चल रहा है।

घायल महिला को रूपवास कस्बे के उप जिला अस्पताल में भर्ती करवाया।

- जब तक परिजन संभले, तब तक तेंदुआ महिला को घायल कर खेतों में गुम हो गया
- ग्रामीणों ने तेजनगर गांव में तेंदुआ आने की सूचना प्रशासन व वन विभाग को दी

ग्रामीणों ने गांव में तेंदुआ आने की सूचना प्रशासन व वन विभाग के अधिकारियों को भी दी है। जिससे तेंदुएं को तुरंत पकड़ा जा सके। महिला पर तेंदुए के हमले को लेकर तेजनगर गांव के आस पास मौजूद गांवों के लोगों में भी भय व्याप्त हो गया है कि अब फसल काटने जाएं कि नहीं। वहीं कस्बा निवासी मनोज गोयल ने बताया कि दो दिन पूर्व रूपवास रेलवे स्टेशन के निकट मुझे भी तेंदुआ दिखाई दिया था, जिसे देख में भाग आया। तेंदुए को लेकर मैंने लोगों को अवगत भी करवाया, लेकिन किसी ने मेरी बात पर विश्वास नहीं किया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग के शुशपेन्दर सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

भीलवाड़ा में कार से 15 लाख की अफीम जब्त, दो गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मंगरोप थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नेशनल हाइवे-48 पर एक लग्जरी ब्रेजा कार से 3 किलो 100 ग्राम अवैध अफीम जब्त की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस खेप की कीमत करीब 15 लाख रुपए आंकी गई है।

- ब्रेजा कार से 3 किलो 100 ग्राम अवैध अफीम जब्त की

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशानुसार गठित विशेष टीम को गुरुवार तड़के बड़ी सफलता मिली। एएसपी मुख्यालय पारसमल जैन व डीएसपी सदर माधव उपाध्याय के सुपरविजन में गठित टीम को सूचना मिली थी कि चित्तौड़गढ़ की ओर से पंजाब नंबर की एक ब्रेजा कार संदिग्ध माल लेकर भीलवाड़ा की ओर आ रही है। तड़के करीब 2:25 बजे गुवारडी नाला के पास नाकाबंदी के दौरान जब पुलिस ने कार को रुकवाने का प्रयास किया, तो तस्करों ने नाकाबंदी तोड़कर गाड़ी को सर्विस रोड पर भगा दिया। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए पीछा किया और मंडपिया स्टेशन अंडरब्रिज के पास घेराबंदी कर आरोपियों को दबोच लिया। मंगरोप थानाधिकारी विजय मीणा ने बताया कि कार की तलाशी लेने पर उसमें से तीन प्लास्टिक की थैलियां मिली, जिनमें 3 किलो 100 ग्राम अफीम भरी हुई थी। पुलिस ने मादक पदार्थ सहित तस्करी में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया है। पकड़े गए आरोपी हरपेन्द्र सिंह निवासी लुधियाना और हरमनजोत सिंह निवासी बरनाला पंजाब के रहने वाले हैं।

एम.आर. ने किराए के मकान में आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। शहर के झालामंड स्थित नवदुर्गा कॉलोनी, खेतेश्वर नगर में किराए पर रहने वाले एक एमआर ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। श्रीगंगानगर से आए पिता ने पुत्र को किसी महिला द्वारा परेशान किए जाने का आरोप लगाते हुए आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित किए जाने का आरोप लगाया और केस दर्ज कराया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन को सुपुर्द कर दिया। मृतक ने इसी महिने नवदुर्गा कॉलोनी में मकान किराए पर लिया था।

कुड़ी थानाधिकारी तेजकरण ने बताया कि मूलतः श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ हाल नवदुर्गा कॉलोनी खेतेश्वर नगर में रहने वाले 28 साल के सिमरनजीत सिक्ख पुत्र बलजीत सिंह ने यहां 17-18 मार्च की रात में अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। वह यहां जोधपुर में एमआर था। अपने दो तीन दोस्तों के साथ उक्त मकान में किराए पर रहता था। वक्त घटना दोस्त नहीं थे और गांव गए हुए थे। उसे रात को किसी दोस्त द्वारा फोन किया गया तो उसने फोन नहीं उठाया। बाद में पड़ौसी को फोन कर इसकी जानकारी दी गई। तब पड़ौसी ने आकर दरवाजा खटखटाया, मगर कोई जवाब नहीं मिला। इस पर पुलिस को सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तब सिमरनजीत सिंह फंदे पर लटका मिला। उसने पतली कंबल से फंदा लगाया था। बाद परिजन को सूचना दी गई। जोधपुर पहुंचे उसके पिता बलजीत सिंह ने आरोप लगाया कि उसके पुत्र को कोई महिला ब्लैकमेल कर तंग और परेशान कर रही थी, जिस वजह से उसने फंदा लगाया है। मौके से पुलिस को कोई को सुसाइड नोट नहीं मिला। महिला का पता लगाया जा रहा है।

हत्या के आरोपियों को सजा सुनाई

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेड़ता जिला एवं सेशन न्यायालय ने तीन आरोपियों को गैर इरादतन हत्या का दोषी मानते हुए 10-10 साल की कठोर कारावास प्रत्येक आरोपी पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना लगाकर सजा सुनाई गई।

वर्ष 2020 में दर्ज थांवला थाने के मामले को लेकर जिला एवं सेशन न्यायधीश अरुण कुमार बेरीवाल ने फैसला सुनाते हुये हत्या के आरोपियों को दस -दस साल की सजा, साथ ही 20 हजार का जुर्माना लगाया है। लोक अभियोजक अभिमन्यु शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि वर्ष 2020 में थांवला में दर्ज रजिया बानो की संदिग्ध मौत के मामले को लेकर बड़ा विवाद हुआ, जिसके तहत भाई ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया था। जिसमें 30 गवाह और 64 दस्तावेजों के आधार पर कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया।

उदयपुर जिले में दो जगह पिंजरे में कैद हुए लैपर्ड

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर लगे पिंजरों में लैपर्ड कैद हुए हैं। इन दोनों इलाकों में लैपर्ड के मूवमेंट के बाद से लोग दशहत में थे और इसके बाद वन विभाग ने वहां पिंजरे लगाए थे।

जिले के मावली क्षेत्र के मांगथला गांव में गुरुवार सुबह एक लैपर्ड पिंजरे में फंस गया। पिछले कई दिनों से गांव के आसपास उसकी गतिविधियां देखी जा रही थी, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। ग्रामीणों ने लैपर्ड का मूवमेंट देखकर घासा वनपाल नाका के महिपाल सिंह को सूचना दी थी कि लोग घबराए हुए हैं। इस पर वन विभाग ने बुधवार की दोपहर में ही इलाके में पिंजरा लगवा दिया। गुरुवार सुबह लैपर्ड पिंजरे में फंस गया और सुरक्षित रूप से पकड़ में आ गया। इसकी सूचना मिली तब वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस महसूस की। इधर जिले के गोगुंदा क्षेत्र के सायरा क्षेत्र के करदा गांव स्थित बाईपास के समीप वन विभाग के लगाए गए पिंजरे में एक लैपर्ड फंस गया। बाईपास से गुजर रहे राहगीरों को लैपर्ड के गुर्राने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद ग्रामीणों की मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम के भरत मेघवाल और प्रताप सिंह सहित अन्य कार्मिकों ने लैपर्ड को पिंजरे सहित अपने साथ ले गए। वन विभाग ने इस क्षेत्र में लैपर्ड के लगातार मूवमेंट की सूचना मिलने के बाद दो दिन पहले ही पिंजरा लगाया था।

- लैपर्ड के मूवमेंट से गांवों में दहशत थी, वन विभाग ने पिंजरे लगाए थे

श्रीगंगानगर में अवैध हथियारों के साथ 11 बदमाश गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुये 11 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से नौ अवैध पिस्टल, पांच अतिरिक्त मैगजीन, नौ जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। साथ ही एक कार भी जब्त की गई है।

एसपी हरी शंकर ने बताया कि थाना श्रीकरणपुर, चूनावढ़ और कोतवाली ने अलग-अलग ऑपरेशन चलाकर बदमाशों को धर दबोचा है। चूनावढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 15 मार्च को यादविंद्र सिंह पर जानलेवा हमला करने के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो पिस्टल (7.65 एमएम) और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। अन्य फरार दो आरोपियों दिलप्रीत और गुरभेज की तलाश जारी है।

- नौ पिस्टल, पांच अतिरिक्त मैगजीन, नौ जिंदा कारतूस और एक कार जब्त

वहीं श्रीकरणपुर थाना पुलिस ने रात में तीन अलग-अलग जगह पर छापेमारी की। पुलिस ने नग्गी रोड पर रणजीत सिंह के पास से एक पिस्टल (315 बोर) और दो कारतूस बरामद किए हैं। पदमपुर रोड पर अर्ज ग्रोवर के कब्जे से एक पिस्टल (0.32 बोर) और एक अतिरिक्त मैगजीन पकड़ा है।

वहीं, शिव कुटिया के पास नाकाबंदी में गुरजीत सिंह गिल से चार अवैध पिस्टल और चार अतिरिक्त मैगजीन जब्त किए गए हैं। कुल मिलाकर यहां से दह पिस्टल, छह मैगजीन और दो कारतूस बरामद हुए हैं। जबकि 3 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली पुलिस ने दुर्गा मंदिर के सामने संदिग्ध वरना कार को चेकिंग के दौरान रोका। चालक ने शीशे लॉक कर लिए, लेकिन पुलिस ने शीशे तोड़कर चेकिंग की। कार में सवार हरकिरत सिंह अमृतसर, पंजाब के पास से एक देशी पिस्टल और आकाशदीप सिंह, सादुलशहर के पास से एक कारतूस बरामद हुआ और कार जब्त कर ली गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट में केस दर्ज किया गया है।

बच्चे ने तीन सिक्के निगले, चिकित्सकों ने जान बचाई

फुलेरा, (निसं)। तीन सिक्के निगलने से नौ वर्षीय स्कूली बच्चे की हालत बिगड़ गई, जिसे तुरंत फुलेरा-बालाजी रोड स्थित सूरज ईएनटी अस्पताल में लाया गया, जहां दूरबीन के माध्यम से ऑपरेशन कर बच्चे की जान बचाई गई।

डॉ. सूर्यप्रकाश कुमावत ने बताया कि समीपवर्ती गांव भोगलिया का बास, नरेना निवासी 9 वर्षीय पुनित ने स्कूल में खेल-खेल में तीन सिक्के निगल लिए, जो बच्चे के गले (आहार नली) में फंस गए। इससे बच्चे को सांस लेने और निगलने में काफी परेशानी होने लगी। स्कूल के अध्यापक और परिजन उसे तुरंत फुलेरा के बालाजी रोड स्थित नारायणी देवी मेमोरियल सूरज हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने तुरंत एंडोस्कोपी के जरिए तीनों सिक्के गले से निकालकर बच्चे की जान बचाई।

- खेल-खेल में बच्चे ने तीन सिक्के निगल लिए, जो आहार नली में फंस गए थे

डॉ. सूर्यप्रकाश कुमावत ने बताया कि एक साथ तीन सिक्कों का फंसना बेहद गंभीर स्थिति थी और ऐसे मामले बहुत कम देखने को मिलते हैं। सिक्के एक ही जगह पर आपस में चिपककर फंसे हुए थे, जिससे स्थिति और भी जटिल हो गई थी। साथ ही उन्होंने बताया कि अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक मशीनों और नई तकनीकों की मदद से इस जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। फिलहाल बच्चा पूरी तरह खतरे से बाहर है। इस दौरान डॉ. शीतल, चंदालाल, ऋषि, सोनू व गणेश कासोटिया का विशेष सहयोग रहा।

युवक की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। खेड़ली मोड़ थाना पुलिस ने हत्या के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह मामला मिट्टी में दबी मिली एक डेड बॉडी से जुड़ा है।

थाना खेड़ली मोड़ प्रभारी राजेश कसाना ने बताया कि गत 2 मार्च को सामन्तपुरा गांव के जंगलों में एक अज्ञात शव मिला था। इसकी शिनाख्त खेड़ली निवासी शिवशंकर शर्मा (42) ने अपने बेटे नरेंद्र कुमार शर्मा के रूप में की। इसके बाद विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया। रेंज आईजी कैलाश विश्नोई और जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद के निर्देश पर एएसपी वैर ओमप्रकाश मीणा और सीओ वीरेंद्र शर्मा की देखरेख में मामले की जांच शुरू की गई। थानाधिकारी राजेश कसाना ने बताया कि जांच के दौरान मृतक नरेंद्र कुमार शर्मा के मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) प्राप्त की गई। संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई और मृतक के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। अनुसंधान से पता चला कि मृतक नरेंद्र कुमार शर्मा को उसके दोस्त कृष्ण गोपाल यादव उर्फ पोल्या, पवन और रिंकू उर्फ बंटी 28 फरवरी की रात खेड़ली स्थित उसके घर से मोटरसाइकिल पर ले गए थे। दोस्ती में गद्दारी के शक में उन्होंने नरेंद्र को सामन्तपुरा के जंगलों में ले जाकर शराब पिलाई। इसके बाद तीनों ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की और साफी (तौलिए) से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। शव को कच्चे रास्ते के किनारे रेत के गहरे गड्ढे में दबाकर सबूत मिटाने का प्रयास किया गया।

- सामन्तपुरा गांव के जंगलों में एक अज्ञात शव मिला था

थानाधिकारी राजेश कसाना ने बताया कि जांच के बाद आरोपी कृष्ण गोपाल यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपी पवन और रिंकू उर्फ बंटी की तलाश जारी है। इस टीम में एएसआई सत्येंद्र कुमार, एएसआई भूरसिंह, हेड कांस्टेबल भूपेंद्र, कांस्टेबल अमित, कांस्टेबल कमलेश और कांस्टेबल हेमराज शामिल थे।

श्रमिक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में काम करते श्रमिक की अचानक से तबीयत बिगड़ गई। साथी श्रमिक उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई।

बासनी पुलिस ने बताया कि पाल स्थित धीनाणा नाडा निवासी कालूराम पुत्र गोपाराम सुथार ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका भाई 42 वर्षीय प्रतापराम उर्फ पप्पू बासनी औद्योगिक क्षेत्र में आई एक हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी में काम करता था। रात को काम करते समय उसकी अचानक से तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई।

कोटा : नाले में मिले मृतक की नहीं हुई शिनाख्त

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा थाना क्षेत्र के संजय नगर में स्थित नाले में एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति का शव मिला। लोगों ने नाले में शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर गुमानपुरा पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

गुमानपुरा थानाधिकारी महेश कुमार ने बताया कि संजय नगर में निकल रहे बड़े नाले में एक व्यक्ति के शव पड़े होने की सूचना मिली, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतक के शव को नाले से बाहर निकलवाकर मृतक की शिनाख्त के प्रयास किये गये। थानाधिकारी ने बताया कि पूछताछ करने पर मामले में सामने आया कि नाले में डूबा व्यक्ति नाले में मुंह धोता हुआ दिखाई दिया था। संभावना है कि व्यक्ति नशे में हो और असंतुलित होने से नाले में गिर गया। मौके पर मृतक की शिनाख्त के प्रयास किये गये। थानाधिकारी ने बताया कि मौके पर मृतक की शिनाख्त नहीं होने पर मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवा दिया है। मृतक की शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।

महिला को सजा सुनाई

कोटा, (निसं)। चेक बाउंस के करीब साढ़े सात साल से अधिक पुराने मामले में कोर्ट ने महिला को दोषी मानते हुए 10 महीने का साधारण कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 9 लाख प्रतिकर देने की सजा से भी दंडित किया है। परिवादी ऋषि ने 21 अगस्त 2018 को चंद्रा सोनी व उसके पति विष्णु सोनी के खिलाफ न्यायालय में परिवाद पेश किया था। परिवादी ने परिवाद में कहा कि वह विष्णु सोनी के पास आया और उसने बताया कि उसकी माताजी की तबियत खराब है। उनके इलाज के लिए 6 लाख रूपए की जरूरत है। परिवादी ने कहा कि जिस पर उसने 6 लाख रुपए उधार लिए उसने बदले में पत्नी चंद्रा के अकाउंट से एक चेक साईन करके दिया था।

सूरतगढ़ मंडी में किसानों को नहीं मिल रही पर्याप्त सुविधाए

सूरतगढ़, (निसं)। यहा नई अनाज मंडी में किसानों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर भारतीय किसान संघ ने गुरुवार को कृषि उपज मंडी समिति के सचिव को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की है। संघ ने मंडी में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान समय में क्षेत्र के किसान अपनी फसल बेचने के लिए बड़ी संख्या में अनाज मंडी पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों के लिए पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था और अन्य जरूरी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है, जिससे उनकी परेशानी बढ़ रही है।

- भारतीय किसान संघ ने सचिव को ज्ञापन देकर सुधार की मांग की

भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने मंडी परिसर का निरीक्षण भी किया। इस दौरान किसान विश्राम गृह के गेट पर ताला लगा मिला, जिससे किसानों में नाराजगी और बढ़ गई। संघ ने इसे प्रशासन की लापरवाही बताते हुए तुरंत व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की। इस मौके पर तहसील अध्यक्ष सुधीर गोदारा, तहसील उपाध्यक्ष दिनेश बिश्नोई सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। संघ ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो किसानों के हित में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

मादक पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। पुलिस थाना विराटनगर ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में टीम ने की। टीम ने विराटनगर थाना क्षेत्र में पालड़ी स्टैंड से भामोद रोड स्थित आर.के. रेस्टोरेंट एंड होटल पर दबिश दी, जहां से आरोपी के कब्जे से 0.638 किलोग्राम गांजा एवं 0.302 किलोग्राम डोडा बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी नाथूराम गुर्जर (35) निवासी हरिकिशनपुरा थाना मनोहरपुर, जिला जयपुर ग्रामीण को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

स्वच्छ एवं स्वस्थ्य राजस्थान के निर्माण का सबसे बड़ा सूत्र 'स्वच्छता' ही है : गुप्ता

झालावाड़, (निसं)। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के ब्रांड एंबेसेडर एवं स्वच्छता विशेषज्ञ के.के. गुप्ता ने कहा है कि स्वच्छता कोई कार्य नहीं बल्कि जीवन शैली का अभिन्न अंग है। देश और प्रदेश में स्वच्छता की बयार चल पड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के विजन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संकल्प को साकार करने की जिम्मेदारी आठ करोड़ राजस्थानवासियों के साथ प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी की है। यदि हम सब स्वच्छता को लेकर गंभीरता से कार्य करेंगे तो आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में राजस्थान को अव्वल आने से कोई नहीं रोक सकेगा। गुप्ता गुरूवार को झालावाड़ पहुंचे और जिला परिषद सभागार में जिलेभर की नगर निकाय, जलदाय, सीवरेज, पीडब्ल्यूडी, बिजली एवं देवस्थान विभाग के अधिकारियों-कार्मिकों की कार्यशाला को संबोधित किया।

के.के. गुप्ता का झालावाड़ पहुंचने पर स्वागत किया गया।

- स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के ब्रांड एंबेसेडर के.के. गुप्ता झालावाड़ पहुंचे
- नगर निकाय, जलदाय, सीवरेज, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की बैठक ली

ब्रांड एंबेसेडर गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता कोई साधारण कार्य नहीं है, जहां स्वच्छता की स्थापना हो गई वहां बड़े बदलाव की आगाज होकर रहता है। सही मायनो में स्वच्छता ना केवल क्षेत्र, जिला और प्रदेश की तस्वीर बदलेगी बल्कि व्यक्ति के जीवन को भी बदल कर रख देगी। इसका जीता जागता उदाहरण प्रदेश के डूंगरपुर जिला मुख्यालय पर देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को अब राजस्थान के धरातल पर उतारने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के अल्बर्ट म्यूजियम से स्वच्छ भारत अभियान को प्रदेश के प्रत्येक नगर निकाय क्षेत्र में साकार करने का संदेश दिया है। मुख्यमंत्री के संकल्प को पूरा करने प्रदेशवासियों को जागरूक रहना होगा। गुप्ता ने कहा कि प्रदेश के मान और सम्मान को बढ़ाने के लिए स्वच्छता मिशन को गंभीरता से लेना ही होगा। स्वच्छता कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

गुप्ता ने कहा कि प्रदेश की नगर निकाय स्वच्छता को लेकर आमजन में चेतना जगाएं। जागरूकता स्वच्छता की स्थापना का पहली सीढ़ी है। उन्होंने कहा कि डोर टू डोर कचरा संग्रहण, सूखे एवं गीले कचरे को पृथक से उठाकर निस्तारण, सेग्रिगेशन, खाली पड़े भूखंडो की सफाई, सीवरेज के पुख्ता प्रबंध, सार्वजनिक टॉयलेटों की दिन में तीन बार सफाई, प्लास्टिक की थैलियां को सड़कों से हटाना, रोड लाईट्स के साथ जल संचय और जल संरक्षण के साथ प्रकृति के श्रंगार का जिम्मा उठाना होगा। उन्होंने उदाहरण दिया और कहा कि प्रदेश की डूंगरपुर निकाय के बाद माऊंट आबू और नागौर निकाय ने शानदार कार्य करते हुए तस्वीर बदली है। गुप्ता ने कहा कि कोई कार्य असंभव नहीं है, मजबूत ईच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प धारण कर स्वच्छता को धरातल पर उतारने के मिशन में प्रभावी रूप से जुट जाएं।

बीकानेर, लूणकरणसर में हल्की बारिश हुई, सर्दी बढ़ी

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में गुरुवार सुबह से रिमझिम बारिश शुरू हो गई, जो कई घंटों तक जारी रही। सुबह छह बजे शुरू हुई बूंदाबांदी नौ बजे तक लगातार चलती रही, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज हुई। बीकानेर के साथ ही आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी बादल जमकर बरस रहे हैं। बारिश और ठंडी हवाओं के कारण तापमान में भारी गिरावट आई है। लोगों ने फिर से गर्म कपड़े निकाल लिए हैं और सुबह के समय ठंड का असर साफ महसूस हो रहा है।

मौसम विभाग ने दो दिन पहले ही चेतावनी दी थी कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के चलते बीकानेर सहित पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर में बारिश हो सकती है। नोखा कस्बे में सुबह सड़कों पर पानी भर गया। इसके अलावा महाजन, लूणकरनसर और खाजूवाला क्षेत्रों में भी तड़के से बारिश का दौर जारी है। करणी माता मंदिर में नवरात्रि स्थापना के पहले दिन श्रद्धालुओं को बारिश के बीच ही दर्शन के लिए जाना पड़ा। नवरात्रि स्थापना के पहले दिन देशनोक करणी माता मंदिर में भी लोगों को भीगते हुए मंदिर में जाना पड़ा। मौसम विभाग ने एडवायजरी जारी करते हुए कहा कि 19-20 मार्च को विक्षोभ का सर्वाधिक असर रहने की संभावना है। 19 मार्च को बीकानेर, संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ तेज आंधी (40-50 किमी प्रति घंटा) और बारिश होने की संभावना है। ठंडी हवाओं और बारिश के बीच छोटे बच्चों को एग्जाम देने के लिए स्कूल जाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

- लूणकरणसर उपखंड क्षेत्र में हुई रिमझिम बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है

लूणकरणसर में हल्की बारिश से फसलों को नुकसान : लूणकरणसर उपखंड क्षेत्र में गुरुवार को मौसम में अचानक बदलाव आया। अलसुबह से लगातार हो रही रिमझिम बारिश के कारण सर्दी जैसा माहौल बन गया है। इस मौसमी परिवर्तन से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। यह रिमझिम बारिश केवल लूणकरणसर शहर तक सीमित नहीं रही, बल्कि उपखंड क्षेत्र के सभी गांवों में भी दर्ज की गई। इस समय खेतों में गेहूं, सरसों, जीरा और इसबगोल जैसी फसलें पकने की अवस्था में हैं और कटाई का काम चल रहा है। किसानों को आशंका है कि यदि बारिश तेज हुई तो उनकी फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। गत दिनों जहां तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, वहीं गुरुवार सुबह 4 बजे यह लुढ़ककर 16 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जिससे मौसम में अचानक ठंडक महसूस की गई।

किसान जितेंद्र कस्वां ने बताया कि गेहूं की फसल लगभग पकने वाली है और सरसों की कटाई चल रही है। अन्य फसलों का भी यही हाल है। उन्होंने कहा कि बारिश होने से फसल की गुणवत्ता और उपज दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

संक्षिप्त

नवरात्रा पर घर-घर में घट स्थापना

निवाई। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गुरूवार को मंदिरों व घरों में विधिवत रूप से चैत्रीय नवरात्रा पर घट स्थापना की गई। मंदिरों में देवी-देवताओं के दर्शनों के लिए श्रृद्धालुओं का सैलाब उमड पडा। नवरात्रा के प्रथम दिन पार्वती मां के शैलपुत्री रूप की पूजा हुई। नवरात्रा के चलते मंगलवार को मंदिरों में देवी-देवताओं की झांकियां सजाकर मुहुर्त के अनुसार विधिवत रूप से घट स्थापना की गई। घटस्थापना को लेकर शहर के एतिहासिक बावडी वाले बालाजी के मंदिर, कंकाली माता के मंदिर, संतोषी माता के मंदिर, दादूदयाल आश्रम, कुंज बिहारी आश्रम, विश्वशांति आश्रम, बस स्टेण्ड बालाजी, मोरिया वाले बालाजी, पेट्रोल पम्प के सामने वीर बालाजी, दुर्गामाता मंदिर, ज्वाला माता मंदिर, भगवान गौरीशंकर महादेव मंदिर, श्री चिंताहरण गणेश मंदिर, कृषि मंडी स्थित भगवान लक्ष्मीनाथ मंदिर एवं खाटू श्यामजी मन्दिर सहित जयसिंहपुरा बालाजी, बंजारी माता मूण्डिया, पहाडी नाडी वाले बालाजी, खण्डवा व नला सहित कई गांवों में स्थित मंदिरों पर दिन भर कई धार्मिक अनुष्ठानों की धूम मची रही। मंदिरों में दर्शनों के लिए श्रद्घालुओं का तांता लगा रहा। नवरात्रा को लेकर श्री कंकाली माता मंदिर में विशेष तैयारियां की गई हैं। माताजी के मंदिर को भव्य रूप से विद्युत लाईटों से सजाया गया है।

निःशुल्क साइकिलें वितरण की

टोंक। बनेठा क्षेत्र के ककोड पीईईओ के तहत आने वाले सरकारी विद्यालयों में सत्र 2025-26 के लिए निशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य सरकार की इस योजना के अंतर्गत कुल 30 पात्र बालिकाओं को साइकिलें वितरित की गईं। ककोड पीईईओ रेखा कुमारी ने बताया कि यह पहल उन छात्राओं के लिए विशेष रूप से सहायक है, जिन्हें दूर-दराज के क्षेत्रों से विद्यालय आना पड़ता है। उनका कहना था कि साइकिल मिलने से उनकी शिक्षा की राह आसान होगी और विद्यालय छोड़ने वाली छात्राओं की दर में कमी आएगी। कार्यक्रम की उपस्थित अतिथियों ने सरकार की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन मिलेगा और वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर होंगी। अभिभावकों ने भी अपनी बेटियों को स्कूल जाने में सुविधा मिलने और नियमित पढ़ाई कर सकने पर संतोष व्यक्त किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता 22 से

निवाई। निवाई क्रिकेट लीग के तत्वावधान में रेलवे स्टेशन रोड स्थित खेल मैदान में क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ 22 मार्च को होगा। जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रतियोगिता कमेटी के उज्जवल गुर्जर व राधामोहन जांगिड़ ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें लेगी। उन्होंने बताया कि उद्घाटन मैच विंजो किंग्स और दी एवेंजर्स टीम के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता को लेकर खेल मैदान में दर्शकों के लिए भी विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

शब्दोत्सव 2026 समारोह सम्पन्न

टोंक। गुरुवार को मुख्यालय स्थित यज्ञ के बालाजी स्थित सरस्वती विद्या मन्दिर उच्च माध्यमिक में देश के सबसे बड़े साहित्यिक मंच अखिल भारतीय साहित्य परिषद टोंक द्वारा नव सम्वतसर चौत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2083 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने 20 सरस डेयरी बूथों के आवंटियों को आवंटन पत्र सौंपे

अलवर। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने गुरूवार को अलवर नगर निगम में परिसर में 20 सरस डेयरी बूथों के आवंटन पत्र वितरित किए तथा तांगा स्टैण्ड व राजकीय महिला चिकित्सालय परिसर में पिंक टॉयलेट का लोकार्पण कर शहर की महिलाओं को सौगात देते हुए नव संवत्सर व चैत्र नवरात्र स्थापना की शुभकामनाएं दी ।

इस अवसर पर वन मंत्री संजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और अलवर सांसद व केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के नेतृत्व में अलवर हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री नए रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। इसी कड़ी में की गई बजट घोषणा को समयबद्ध रूप से अमलीजामा पहनाकर अलवर शहर में 20 सरस डेयरी बूथ का आवंटन आमजन की उपस्थिति में लॉटरी के माध्यम से पारदर्शिता के साथ किया है।

उन्होंने कहा कि सरकार पशुपालकों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए अनुदान प्रदान करने के साथ अनेक योजनाओं से लाभांवित कर रही है। अलवर जिले में सांसद भूपेन्द्र यादव की सोच को मूर्त रूप देते हुए

राजकीय महिला चिकित्सालय परिसर में पिंक टॉयलेट पट्टीका का लोकार्पण करते वन मंत्री संजय शर्मा, सरस डेयरी चेयरमैन नितिन सांगवान, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा अलवर सरस डेयरी के लिए 200 करोड़ रूपये की राशि से 5 लाख लीटर क्षमता का नया संयंत्र लगाने की बजट घोषणा की है, जिसका यथाशीघ्र शिलान्यास होगा।

मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि अलवर सरस डेयरी चेयरमैन नितिन सांगवान के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों की ओर जा रही है, जिसके तहत कलाकंद की बिक्री को आठ गुना किए जाने साथ ही पशुपालकों के लिए नई योजनाएं लाने जैसे अनेक कार्य हो रहे हैं और सभी के सहयोग से अलवर शहर को विकसित व सुन्दर शहर बनाने की दिशा में सकारात्मक भाव के साथ केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक मुहिम चलाई है, जिसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि डीएलबी की रैंकिंग में राज्य में अलवर शहर अपनी केटेगिरी के शहरों में अव्वल रहा है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार भारत सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण में भी हमारा लक्ष्य टॉप के 10 शहरों में आने का है, जिसके लिए उन्होंने सभी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अलवर शहर में मातृशक्ति की सुविधा के लिए दो नए पिंक टॉयलेट आज लोकार्पित किए गए हैं तथा तीन शीघ्र ही लोकार्पित किए जाएंगे। साथ ही तीन नए सामुदायिक शौचालय भी निर्माणाधीन है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व में अलवर नए आयाम स्थापित कर रहा है : मंत्री संजय

कार्यक्रम के दौरान पूर्व महापौर घनश्याम गुर्जर, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, अखिल भारतीय जिला सफाई मजदूर संघ के अध्यक्ष कैलाश निदानिया, राजस्थान नगर पालिका फैडरेशन के जिला अध्यक्ष हरीश जैन, सतीश यादव, जितेन्द्र राठौड, महेश निहालवानी, जितेन्द्र सैनी सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति एवं निवर्तमान पार्षदगण, नगर निगम कार्मिक एवं आमजन मौजूद रहे।

भाजपाईयों ने मनाया हिन्दू नववर्ष

टोंक। हिंदू नव वर्ष के अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने पदाधिकारीयो एवं कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यालय स्थित छावनी चौराहे पर आमजन के तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा करवाकर नवसम्वत्सर की सुभकामना दी।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि यह नव वर्ष सभी जिलेवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, आरोग्य और नई ऊर्जा का संचार करे, यह प्रकृति में नई हरियाली,उत्साह और सकारात्मकता का त्यौहार हैं। उन्होंने कहा कि इसी दिन सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना प्रारम्भ की थी, इसलिए यह दिवस सृष्टि के आरम्भ और नये जीवन के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

उन्होंने युवा पीढ़ी को सामाजिक बुराईयों से बचने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि हमारी संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाएं। इस अवसर पर जिला महामंत्री विष्णु शर्मा,प्रभु बाडोलिया,जिला उपाध्यक्ष बबलू टैंकर,कोषाध्यक्ष महेंद्र सिरोठा, नीलिमा आमेर, पंकज पहाड़िया, लोकेश शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

नव संवत्सर पर मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ का आयोजन

दौसा । परमार्थ योग सेवा संस्थान के तत्वावधान में गुरुवार को भारतीय नव संवत्सर के पावन अवसर पर दौसा में भव्य एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान परिसर में विधि-विधानपूर्वक यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने तिलक लगाकर, रक्षा सूत्र बांधकर एवं दुपट्टा पहनकर भारतीय संस्कृति के इस महत्वपूर्ण पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया।

कार्यक्रम के दौरान विद्वान वक्ताओं ने नव संवत्सर के साथ प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह कालखंड केवल नए वर्ष का प्रारंभ ही नहीं, बल्कि प्रकृति में नवीन ऊर्जा, संतुलन और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक भी है। इस अवसर पर संस्थान के प्रवक्ता लोकेश शर्मा ने कहा कि भारतीय नव संवत्सर (हिंदू नववर्ष) केवल एक नए वर्ष का प्रारंभ नहीं है, बल्कि यह सृष्टि के सृजन का भी पावन दिवस माना जाता है। मान्यता है कि इसी दिन ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की रचना का प्रारंभ हुआ था। साथ ही ऐतिहासिक रूप से उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य ने इसी दिन शकों पर विजय प्राप्त कर राष्ट्र को मुक्त कराया और विक्रम संवत की शुरुआत की, जो भारतीय कालगणना का प्रमुख आधार है।

- श्रद्धालुओं ने तिलक लगाकर, रक्षा सूत्र बांधकर एवं दुपट्टा पहनकर भारतीय संस्कृति के इस महत्वपूर्ण पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया

उन्होंने कहा कि नव संवत्सर प्रकृति में नव ऊर्जा, ऋतु परिवर्तन और सकारात्मकता का प्रतीक है तथा यह हमें नए संकल्प लेने, आत्मविकास करने और समाज व राष्ट्र के कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। योग गुरु सुरेश ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय संस्कृति में योग और यज्ञ दोनों का विशेष महत्व है। योग से जहां शरीर और मन स्वस्थ रहते हैं, वहीं यज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ती है और लोगों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। संरक्षक ओमप्रकाश खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय नव संवत्सर हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से समाज में एकता, सद्भाव और सांस्कृतिक चेतना का प्रसार होता है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी प्राचीन परंपराओं को संजोते हुए नई पीढ़ी को उनसे जोड़ने का निरंतर प्रयास करना चाहिए। यज्ञाचार्य रामजीलाल शर्मा ने कहा कि यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है, सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

टोंक। प्रेरणा ग्रुप द्वारा एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर, स्वास्थ्य, संस्कृति और आत्म-जागरूकता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका रेखा जाजु ने मंच संचालन किया और सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान डॉ. अनुकृति सूद ने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक किया और महिलाओं को नियमित रूप से स्वयं स्तन परीक्षण करने और 40 वर्ष की आयु के बाद समय-समय पर मैमोग्राफी करवाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर का इलाज संभव है, बस जरूरत है समय पर इसकी पहचान करने की।

इस अवसर पर जिला प्रमुख सरोज बंसल ने नारी स्वास्थ्य और अपनी संस्कृति को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाएं अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखकर ही अपने परिवार और समाज के लिए कुछ कर सकती हैं। एस्ट्रोलाजी अम्बिका सोनी ने नवग्रहों और राशियों के साथ मानव जीवन के संबंधों पर चर्चा की और बताया कि कैसे ग्रहों की स्थिति हमारे जीवन को प्रभावित करती है।

'आमजन को पेयजल और विद्युत व्यवस्था को लेकर परेशानी न हो'

टोंक। ऊर्जा एवं जिले के प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि गर्मी में आमजन को पेयजल और विद्युत व्यवस्था को लेकर कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए प्रशासन एवं विभागीय अधिकारी प्रो-एक्टिव होकर कार्य करें। साथ ही खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को एलपीजी सिलेंडर की वितरण प्रणाली पर कड़ी निगरानी रखने एवं जमाखोरी व कालाबाजारी जैसी गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिले में संचालित विकास कार्यो, बजट घोषणाओं, फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए निर्बाध पेयजल व विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। नए हैण्डपंप व नलकूप लगाने के साथ पुराने हैण्डपंप व नलकूपों को दुरुस्त करने का कार्य भी नियत समय पर करें। जिला प्रभारी मंत्री ने 15 विभागों की 25 फ्लैगशिप योजनाओं में जिले की प्रगति

प्रभारी मंत्री नागर ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली ।

की समीक्षा करते हुए इन योजनाओं से पात्र लोगों को सतत रुप से जोड़ने के लिए निर्देशित किया। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने बजट घोषणों की प्रगति की जानकारी देते हुए भूमि आंवटन, आवश्यक संसाधन, पूर्ण प्रगतिरत एवं लंबित कार्यो के बारे में अवगत कराया। साथ ही राज्य स्तर पर लंबित प्रकरणों की जानकारी दी। नागर ने मूल निवास, ईडब्ल्यूएस के आवेदनों को शीघ्र निस्तारित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आगामी 3 से 4 माह का समय विद्यार्थियों के शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश का होता है। इसलिए इस कार्य में गंभीरता रखें। राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू की प्रगति की समीक्षा करते हुए ऊर्जा मंत्री ने उद्योग विभाग के महाप्रबंधक को शेष रहे कार्यो को धरातल पर लाने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक संजय जैन ने बताया कि कुल 79 एमओयू में से 64 की ग्राउण्ड ब्रेकिंग हो चुकी है।

शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का 95 वां बलिदान दिवस 23 को

अलवर। अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम में शहादत देने वाले सभी क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। साथ ही हुकमचन्द रौनक कव्वाल एंड पार्टी द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा, अपनाघर शालीमार के निदेशक अशोक सैनी सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहेंगे।

इनके अलावा समाजसेवी हरमीत सिंह मेहन्दीरत्ता, हरिशंकर रावत, शशांक झालानी, नूर मोहम्मद, अशोक आहूजा, सार्वजनिक गौशाला के अध्यक्ष अजय अग्रवाल, रंगकर्मी दिनेश भार्गव एवं अमरजीत सिंह बिट्टू सहित अन्य लोग भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम का दूसरा चरण शाम 4:30 बजे जेल सर्किल स्थित महावर ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। यहां रंग संस्कार थियेटर ग्रुप द्वारा डॉ. लालचंद जैन लिखित शहीद भगत सिंह नाटक का मंचन डॉ. देशराज मीणा के निर्देशन में किया जाएगा। साथ ही बी.एल. पब्लिक स्कूल में आयोजित चित्रकला, निबंध, भाषण एवं गीत-कविता प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।इस अवसर पर प्रगतिशील विचारक डॉ. जीवन सिंह मानवी, दौलतराम हजरती एवं दीवानचंद सेतिया के सानिध्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

नवरात्रि पर ध्वज पताकाओं के साथ जगदम्बा माता की भव्य शोभायात्रा निकली

पावटा। हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2083 एवं पावन चैत्र नवरात्रि पर्व के शुभ अवसर पर क्षेत्र में श्रद्धा और उल्लास का माहौल देखने को मिला। बुधवार सुबह शुभ मुहूर्त में घर-घर विधि-विधान से घट स्थापना कर मां दुर्गा का आव्हान किया गया। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, दुर्गा सप्तशती पाठ और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने व्रत-उपवास रखकर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना शुरू की। महिलाओं व युवतियों ने घरों में कलश स्थापित कर जौ बोए और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर बाजारों में भी खास रौनक देखने को मिली। पूजा सामग्री, फल-फूल और सजावट के सामान की दुकानों पर सुबह से ही भीड़ रही।

भक्तों का मानना है कि नवरात्रि के दौरान सच्चे मन से की गई पूजा-

किला धाम जगदम्बा माता मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली ।

अर्चना से मां दुर्गा सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना का प्रतीक है, जिसमें नौ दिनों तक मां दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा कर जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की जाती है। वही गुरुवार को प्रात: 9:15 बजे पंचायत समिति के पास से किला धाम जगदंबा माता मंदिर से श्री मंगलदास जी महाराज, मोहनदास जी महाराज, जयरामदास जी महाराज के सान्निध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान ध्वज पताकाओं के साथ श्रद्धालु आगे आगे चल रहे थे।

- हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2083 व चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ, घर-घर हुई घट स्थापना

शोभायात्रा पावटा कस्बे के मुख्य मार्गो से भ्रमण करते हुए वापस किला धाम माता मंदिर जाकर विसर्जित हुई। इस शोभायात्रा में हाथी, घोड़े, ऊंट, बग्गी, नगाड़े, कच्ची घोड़ी नृत्य, कालबेलिया डांस सहित राजस्थानी लोक कला की रंगारंग प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रही।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने मेरी साझेदारी फ़र्म प्रतिक एग्रो फूड प्रोडक्ट्स पता- खसरा नंबर 778, बसारथी चौराहा, मुकुदपुरा रोड, जयपुर 302026 (GST No - 08ABCFP6394H1ZU) से दिनांक 24 फ़रवरी 2026 को पार्टनर की हैसियत से त्यागपत्र दे दिया है तथा इस संबंध में अन्य साझेदारों को क़ानूनन रूप से सूचित किया जा चुका है। अतः सर्वसाधारण को इस नोटिस के ज़रिये सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी व्यक्ति या संस्था उक्त साझेदारी फ़र्म से किसी भी प्रकार का लेन देन या व्यवसायिक व्यवहार करता/ करती है तो उक्त व्यवहार या लेन देन के संबंध में मेरी कोई ज़िम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।

प्रतीक अग्रवाल पुत्र श्री नरेंद्र अग्रवाल
प्लॉट नंबर 167 E, इंडस्ट्रियल एरिया, झोटवाड़ा जयपुर 302012

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1838 चूंकि प्रार्थी श्री BHAGWATI LAL SHARMA, 88 Modern Complex, Bhuwana, Girwa, PO: Udaipur Shastri Circle, Dist: Udaipur Rajasthan-313001 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास सारथी चैरिटेबल सोसायटी 3/22 SFS MANSAROVAR JAIPUR, RAJASTHAN-302020 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 21.05.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 1726, जिलेदार का चौक, खजाने वालो का रास्ता, चौकरी तोपखाना, जयपुर जिसकी पुरानी रजिस्ट्री पेपर व बटवारनामा कही गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें: उषा देवी 7891079844

मेरे मकान 3त-59 जवाहर नगर जयपुर का मूल कब्जा पत्र, डिक्लेरेशन, अदेय प्रमाण पत्र, जवाहर नगर में कहीं खो गये है मिलने पर सूचित करें- कमलप्रीत सिंह 8949349490

मेरे प्लॉट 495 श्री राम विहार जगतपुरा,जयपुर, के कागज़ात पट्टा एवं रजिस्ट्री कहीं खो गई है, मिलने पर सूचित करे, रमेश यादवः 9929094285

मेरे प्लॉट नंबर 494 श्री राम विहार जगतपुरा,जयपुर, के कागज़ात पट्टा एवं रजिस्ट्री कहीं खो गई है, मिलने पर सूचित करें, रमेश यादवः 9929094285

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1900 चूंकि प्रार्थी श्री Suresh Kumar Gupta, SHOP NO 28, 29 NEAR GUPTA CLINIC 22 GODAM HAWA SADAK JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास JAI SHRI MAHAKAL SEVA DHARMARTH SANSTHAN (SEVA DHAM), SHOP NO 28, 29 NEAR GUPTA CLINIC 22 GODAM HAWA SADAK JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 18.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01.06.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

आम सूचना

श्री वेदांत गर्ग पुत्र ऐडवाईजर व सी.ई.ओ. को सूचित किया जाता है कि ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय में पदस्थ रहते हुए उनके कार्यों में अनियमितताएं पाई गई है जिस कारण प्रशासन द्वारा उन्हें उनके पद से निलंबित कर दिया गया है। सूचित रहे कि आप स्वयं विश्वविद्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम Rizwana Tabassum से बदलकर Rizwana पत्नी मोहम्मद सादीक रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। निवासी- मकान नं.- 1210, नवादा फैक्ट्री के पास, चार दरवाजा के बाहर, जयपुर (राजस्थान)

I army no 1054953M Ex Hav dayal singh resident of 67-A Briraj enclave panchyawala jaipur that I want to change name of my spouse from KESHER KAUR to KESHAR KANWAR vide affidavit dated 18 march 2026 before sub divisional magistrate jaipur city (south)

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1930 चूंकि प्रार्थी श्री SANDHYA GUPTA, 23, ARVIND PARK TONK ROAD JAIPUR LAL KOTHI, PO GANDHI NAGAR JAIPUR, 302015 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास SPANDAN RHYTHM OF LIFE SOCIETY JAIPUR, 23, SIDDHAR SADAN, ARVIND PARK JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 18.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01.06.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि.विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड प्रथम, बीकानेर

Email ID-eerural.bik.phed@rajasthan.gov.in, Contact No.0151-2226473
क्रमांक5732-5757 दिनांक:17.3.26

बोली संशोधन सूचना

इस कार्यालय की ई-बोली संख्या 132/2025-26,जो दिनांक 19.03.2026 को 2.00बजे तक ऑनलाईन भरी जाकर उसी कार्यदिवस को 4.00बजे खोली जानी थी, को अपरिहार्य कारणवश दिनांक 10.04.2026 को 2.00बजे तक ऑनलाईन भरी जाकर उसी कार्यदिवस में 4.00बजे खोली जायेगी।
शेष निविदा व शर्ते यथावत रहेगी।

अधिशाषी अभियंता
जन.स्वास्थ्य अभि. विभाग
जिला ग्रामीण खण्ड प्रथम, बीकानेर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1408 चूंकि प्रार्थी श्री प्रवीण कुमार मुकीम, 212, मुकीम बोथरा मोहल्ला, बीकानेर, राजस्थान 334001 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास एम.एन.एस. मेडिकल एण्ड एज्यूकेशनल सोसाइटी, डी-90, मीरा मार्ग बनी पार्क जयपुर, 302001 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 21.04.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1961 चूंकि प्रार्थी श्री Ravi Birla, 66 BIRLA MATUSHREE GREEN PARK NEAR BR BIRLA SCHOOL JHANWAR ROAD JPDHPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास RK BIRLA SHIKSHAN SANSTHAN, B5 BHAGIRATH COLONY CHOMU HOUSE C- SCHEME JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 18.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.05.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1817 चूंकि प्रार्थी श्री ARVIND RATHI, FLAT NO A-705 SECTOR 19, RIYA EMPIRE NEAR NRI CIRCAL PRATAP NAGAR SANGANER JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास MAHESWARI AKHIL BHARATVARSHIY RATHI PARIVAR SANSTHAN, FLAT NO A-705 SECTOR 19, RIYA EMPIRE NEAR NRI CIRCAL PRATAP NAGAR SANGANER JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 16.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 28.05.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1896 चूंकि प्रार्थी श्री OM PRAKASH SEVDA, 506 RANISATI NAGAR JANPATH AJMER ROAD SHYAM NAGAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री मधुसूदन सेवा संस्थान ट्रस्ट SUNDAR NAGAR 200 FIT BYPASS SADAK AJMER ROAD JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 16.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 28.05.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1899 चूंकि प्रार्थी श्री PAWAN KUMAR MODI, 125 MALVO KI GALI CHHOTA BAZAR SAMBHAR LAKE JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास SHRI GOPAL GAUSHALA SAMBAR, DHAN MANDI SAMBAR JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 18.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01.06.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

संक्षिप्त

हिंदू नववर्ष के स्वागत में सजा श्याम मंदिर

निवाई। इन्दिरा कॉलोनी में स्थित प्रसिद्ध श्याम मंदिर में हिंदू नववर्ष के स्वागत में बाबा श्याम का विशेष श्रृंगार कर भव्य दरबार सजाया गया। नववर्ष के स्वागत व बाबा के दर्शनों के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। पुजारी पंडित सांवरमल शर्मा, सहदेव शर्मा व विष्णु शर्मा के सानिध्य में बाबा श्याम का देशी व विदेशी रंग बिरंगे फूलों से मनमोहक श्रृंगार किया गया। मंदिर के प्रवेश द्वार पर आकर्षक रंगोली से सजाकर भक्तों का स्वागत किया गया। हिंदू नववर्ष के अवसर पर टोंक, झिलाय, बौंली, वनस्थली व चाकसू सहित आसपास के क्षेत्रों से सैंकडों श्याम भक्त मंदिर पहुंचे और बाबा के दर्शन करके सुख-समृद्धि की कामना की। संध्या आरती के समय मंदिर परिसर हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा के जयकारों से गूंज उठा। महाआरती के पश्चात मंदिर समिति द्वारा प्रसादी का वितरण किया गया।

महर्षि गौतम का जन्मोत्सव मनाया

निवाई। महर्षि गौतम आश्रम में गुरुवार को भगवान महर्षि गौतम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जन्मोत्सव के शुभारंभ पर गुरुवार की सुबह ध्वज पूजन के बाद महर्षि गौतम का विधिवत पूजन कर किया गया। जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर संगीतमय सुंदर कांड पठन का भव्य आयोजन हुआ। सुंदरकांड भक्त मंडली में शामिल रामप्रसाद शर्मा, सत्यनारायण व जयसिंह सहित समाज के लोगों ने सुंदरकांड के पाठ किए। अध्यक्ष जगमोहन गौतम ने बताया कि ध्वज पूजन के बाद दोपहर में विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन हुआ जिसमें समाज के महिला पुरुषों ने मंत्रोचार के साथ आहुतियां दी। गौतम नवयुवक मंडल के अध्यक्ष विकास गौतम रजवास ने बताया कि शाम 5 बजे प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें सर्वाधिक अंक प्राप्त प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान सामूहिक आरती करके सामूहिक भोज का आयोजन किया गया।

नववर्ष पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

बौंली -बामनवास। क्षेत्र में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2083 हिंदू नव वर्ष पर सभी मंदिरों में विशेष श्रृंगार आरती के बाद विशेषधर्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बौंली नगर के खेड़ापति बड़े बालाजी से सामूहिक रूप से संकीर्तन करते हए प्रभात फेरी निकाली गई, प्रभात फेरी मुख्य बसस्टैंड से सदर बाजार, जगत शिरोमणि जी मंदिर मार्ग से नगर पालिका चौराहे होते हुएवापस खेड़ापति बड़े बालाजी पहुंची एवं हनुमान चालीसा का पठन किया। प्रभात फेरी के दौरान नगरपलिका चौराहे पर राष्ट्रीय शिक्षक संघ के अध्यक्ष पुष्पेंद्र वैष्णव, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के आशीष राजोरा,भारत विकास परिषद के दिनेश सिंघल आदि लोगों ने आगंतूको के रंगोली सजाकर, तिलक लगाकर, मुंह मीठा करा कर हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं दी, नव संवत्सर आयोजन समिति के संयोजक हेमराज दीक्षित ने बताया खेड़ापति बड़े बालाजी के सुंदरकांड के पठन किए गए। इसी प्रकार नगर की शक्तिपीठ रामबाड़ी बालाजी पर श्रृंगार आरती के बाद अखंड रामायण का पठन शुरू किया गया।

छात्राओं ने प्रतियोगिताओं में दिखाया उत्साह

फुलेरा। स्थानीय राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, इन्द्रा मार्केट फुलेरा में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन गुरुवार को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन प्रधानाचार्य नविता कुमारी वर्मा के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम अधिकारी मिनाक्षी मीणा के मार्गदर्शन में स्वयंसेविकाओं के बीच पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इसके बाद बौद्धिक सत्र में नरबहादुर सिंह एवं बाबूलाल गढ़वाल ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

2100 कलशों की विशाल कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारम्भ

दौसा । शहर में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा गुरुवार को श्रीमद् देवीभागवत कथा ज्ञानयज्ञ का अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ शुभारंभ हुआ। कथा के पहले दिन आयोजित भव्य 21 सौ कलश सहित कलशयात्रा ने पूरे शहर को भक्ति के रंग में ओतप्रोत कर दिया।

कलश यात्रा का शुभारंभ सुबह सहजनाथ महादेव मंदिर से गाजे-बाजे और मंगल गीतों के साथ हुआ। सिर पर कलश धारण किए 21 सौ महिलाओं और सनातनी ध्वज लेकर श्रद्धालुओं की मंगलयात्रा गुप्तेश्वर सर्किल, लालसोट रोड, नया कटला, मानगंज और नई मंडी रोड जैसे मुख्य मार्गों से होता हुआ कथा स्थल श्याम मंदिर पहुँची। मार्ग में अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया।

सहजनाथ महादेव मंदिर से गाजे-बाजे और मंगल गीतों के साथ कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ।

- सिर पर कलश धारण किए 21 सौ महिलाओं व ध्वज लेकर श्रद्धालुओं की मंगलयात्रा कथा स्थल श्याम मंदिर पहुँची

कथा के प्रथम दिन प्रवचन देते हुए पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरुशंकराचार्य के कृपापात्र शिष्य धर्माचार्य डॉ.परमेश्वर गंगावत ने देवीभागवत की महिमा पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, देवीभागवत का श्रवण करने से व्यक्ति को समस्त तीर्थों के दर्शन के समान फल प्राप्त होता है। आज कथा में मधुकैटभ प्रसंग, शुकदेव जनक प्रसंग व देवीमहिमा के बारे में बताया गया। विशेषकर कलयुग में, इस पावन कथा के श्रवण मात्र से मनुष्य के संचित पापों का नाश हो जाता है और उसे आत्मिक शांति मिलती है। भक्ति और ज्ञान का यह समागम आगामी 28 मार्च तक जारी रहेगा जिसका समापन विधिवत पूर्णाहुति और महाप्रसाद के साथ किया जाएगा। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर धर्म लाभ उठाने की प्रार्थना की है। इस अवसर पर डॉ सूरज शर्मा विनय जैन, नरेंद्र शर्मा, डॉ शिव शर्मा, राहुल सोनी, शंभू सोनी, कमलेश बाली, सुरेश सोनी, नवीन शर्मा, प्रवीन शर्मा, विष्णु शर्मा, उमेश सिंघा, मनोज मलिक, लक्ष्मीकांत शर्मा, आकाश शर्मा, महेश साकूनिया, लोकेंद्र शर्मा एवं मुख्य यजमान राजेश सोनी परिवार सहित उपस्थित रहे।

राजस्थान वाटर वर्क्स कर्मचारी संघ के चुनाव सम्पन्न

फुलेरा। राजस्थान जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, उपखण्ड सांभरलेक में राजस्थान वाटर वर्क्स कर्मचारी संघ, मुख्यालय सांभरलेक के चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुए। इस अवसर पर सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए सभी पदाधिकारी संगठन की एकता, शक्ति एवं विश्वास के प्रतीक बने। चुनाव परिणाम के अनुसार उपखण्ड सांभर लेक में अध्यक्ष पद पर भंवरलाल मंडावरिया तथा सचिव पद पर विक्रमदत्त सैन को जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं उपखण्ड किशनगढ़ रेनवाल में अध्यक्ष पद पर किशोरीलाल यादव एवं सचिव पद पर श्यामलाल कुमावत निर्वाचित हुए। विश्वास जताया गया कि सभी पदाधिकारी अपने कर्मठ नेतृत्व, निष्ठा एवं समर्पण के साथ कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। सभी कर्मचारियों से आव्हान किया गया।

'विकास कार्यों एवं विभागीय योजनाओं का समय पर मिले लाभ'

भरतपुर । जल संसाधन एवं जिला प्रभारी मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए आमजन को पेयजल, विद्युत एवं चिकित्सा संबंधी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होना पडे इसके लिए अभी से प्लानिंग कर सभी अधिकारी टीम भावना से कार्य करें। उन्होंने विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये।

जिला प्रभारी मंत्री सुरेश सिंह रावत ने निर्माण कार्यों व मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा बैठक ली।

जल संसाधन मंत्री गुरूवार को कलैक्ट्रेट सभागार में मूलभूत सुविधाओं की आपूर्ति, बजट घोषणाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को गर्मी के मौसम में पेयजल समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े जहां विभाग के सिस्टम हैं नियमित रूप से पेयजल सप्लाई हो, आवश्यक स्थानों पर टैंकरों के माध्यम से या स्थानीय स्त्रोतों से पेयजल आपूर्ति की जाये। उन्होंने जलदाय विभाग के कंट्रोल रूम नम्बर 05644-222731 का प्रचार-प्रसार कर जनप्रतिनिधियों तक सूचना भिजवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जलस्त्रोतों के कार्य पूर्ण होने पर विद्युत निगम शीघ्र कनेक्शन उपलब्ध कराये जिससे जनता को लाभ मिल सके। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों को भी गति देकर आवश्यक मरम्मत कार्यों को पूरा कराने के निर्देश दिये। जिला प्रभारी मंत्री ने विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा संस्थानों में मौसमी बीमारियों के रोकथाम के उपाय करने, ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं संबंधी जनहित के समस्याओं का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पंच गौरव योजना में सभी कार्यों को प्रचार-प्रसार कर जिले की पहचान को राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने के लिए प्रमोशन को बढावा दें। उन्होंने एक जिला - एक उत्पाद में एग्रो इंडस्ट्रीज को बढावा देने के लिए उद्यिमयों को सरकार की योजनाओं को समय पर लाभ प्रदान करें।

उन्होंने राईजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू को पूर्ण कर स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। स्कूल भवनों के मरम्मत कार्यों को गुणवत्ता से कराने, 414 कक्षा-कक्षों के मरम्मत कार्य के वर्क ऑर्डर के साथ ही नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने छात्रों की कम उपस्थिति व स्कूल निरीक्षण पर व्यक्त की नाराजगी

खैरथल। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला सचिवालय खैरथल पर समर कंटीन्जेंसी, बजट घोषणाओं तथा विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने ने अधिकारियों को समर कंटीन्जेंसी से संबंधित सभी कार्यों को 15 अप्रैल से पूर्व पूर्ण करने तथा पंच गौरव कार्यक्रम के तहत रह गए कार्यों को 31 मार्च से पहले पूरा करने के लिए निर्देश दिए हैं।

खैरथल तिजारा जिला सचिवालय पर समीक्षा बैठक लेते जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला, उपस्थित अधिकारी।

- खैरथल तिजारा जिला सचिवालय पर जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय समीक्षा बैठक

समीक्षा बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग धर्मवीर यादव, जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी रमेश दहमीवाल, उपनिदेशक सहकारिता विभाग वेद प्रकाश सैनी, नगर परिषद कमिश्नर मुकेश शर्मा, नगर परिषद आयुक्त भिवाड़ी मुकेश, संयुक्त निदेशक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग वीरेंद्र त्यागी, उपनिदेशक उद्यानिकी, गोपाल, उप जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पूरणमल मीणा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जिला कलेक्टर ने समर कंटीन्जेंसी से संबंधित सभी कार्यों को 15 अप्रैल से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट को समर कंटीन्जेंसी के तहत स्वीकृत कार्यों, विशेषकर बोरवेल खुदाई सहित एसडीएम की अध्यक्षता में गठित ब्लॉक स्तरीय समितियों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के लिए कहा।

जिला कलेक्टर ने जलदाय विभाग के अधिकारियों से अमृत 2.0 योजना की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा पंच गौरव कार्यक्रम के तहत सभी कार्यों को 31 मार्च से पहले पूरा करने के निर्देश दिए। इसी के साथ उन्होंने ने सहकारी समितियों से संबंधित भूमि आवंटन प्रकरणों पर चर्चा की और भूमि चिन्हिकरण से लेकर आवंटन तक की पूरी प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही राज्य बजट घोषणाओं के तहत जिला स्तर पर होने वाले कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए।

सिलेंडरों की कालाबाजारी की रोकथाम को लेकर विशेष जांच दल गठित

खैरथल। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, जयपुर के निर्देशानुसार जिले में घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेण्डरों की मांग एवं आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से जिला रसद अधिकारी राकेश सोनी ने जिला स्तर पर विशेष प्रवर्तन जांच दल का गठन किया है।

इस जांच दल टीम में जिला रसद अधिकारी राकेश सोनी, उप अधीक्षक पुलिस (किशनगढ़-बास/तिजारा/भिवाड़ी), प्रवर्तन निरीक्षक पूनम चौधरी तथा ऑयल कंपनियों के सेल्स ऑफिसर शामिल हैं। इसी क्रम में जिला रसद अधिकारी राकेश सोनी ने भिवाड़ी क्षेत्र में अवैध रिफिलिंग के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 46 अवैध सिलेण्डर जब्त कर संबंधित आरोपी के विरुद्ध पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई है। इस कारवाई में 21 भरे व 25 खाली सिलेण्डर है जिसमें 45 सिलेंडर एचपी व 1 भारत कम्पनी का है। सिलेण्डर उन्होंने ने बताया घरेलू सिलेण्डरों के व्यावसायिक उपयोग, कालाबाजारी, अवैध भंडारण एवं अवैध रिफिलिंग जैसी गतिविधियों की सूचना प्राप्त होने पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ गठित टीम दल द्वारा गैस एजेंसियों का सघन भौतिक निरीक्षण करते हुए स्टॉक रजिस्टर का वास्तविक स्टॉक से मिलान किया जाएगा। साथ ही पेट्रोल पम्पों का भी नियमित निरीक्षण कर उनके स्टॉक की रिपोर्ट ली जाएगी।

- जिला रसद अधिकारी ने भिवाड़ी में अवैध रिफिलिंग पर कार्रवाई कर जप्त किए 46 घरेलू गैस सिलेंडर, संबंधित आरोपी के विरुद्ध कराया मामला दर्ज मचा हड़कंप

यदि किसी गैस एजेंसी, विक्रेता अथवा अन्य व्यक्ति द्वारा सिलेण्डरों की जमाखोरी, कृत्रिम अभाव उत्पन्न करना या निर्धारित मूल्य से अधिक पर विक्रय करना पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला रसद अधिकारी सोनी ने बताया जिले में एलपीजी की उपलब्धता वर्तमान में पूर्णत: सुचारू है एवं सप्लाई में किसी प्रकार की बाधा नहीं है।

'सहकार से समृद्धि के तहत सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए'

पावटा। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन विभाग, राजस्थान सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने गुरुवार को उपखण्ड पावटा में ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड प्रागपुरा द्वारा आयोजित किसान सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर सहकार सुपर बाजार (मार्ट) का उद्घाटन किया। इस दौरान कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

अध्यक्ष के रूप में विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़ व स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं भारी संख्या में आमजन मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गौतम दक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के निर्देशन व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने "सहकार से समृद्धि" के तहत सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने, सहकारी आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ हर पंचायत में सहकारी समिति स्थापित करने और गांव-गांव को सहकारी आंदोलन का केंद्र बनाने के लिए नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि इस नई नीति का मकसद है, सहकारी संस्थाओं को मजबूत करना, गांवों को आत्मनिर्भर बनाना और लोगों को नए रोजगार देना। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास पूंजी नहीं है लेकिन मेहनत करना चाहते हैं, उनके लिए सहकारिता ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा की सहकारिता के क्षेत्र में पारदर्शिता हेतु डिजिटलाइजेशन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, प्रत्येक किसान साथी को इससे जुड़कर इसका लाभ लेना चाहिए।इस दौरान मंगलदास महाराज, एसडीएम पावटा साधना शर्मा, सहकारिता अधिकारी अशोक दीप पिंगोलिया, जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल, उपाध्यक्ष सुरेश गिठाला, पावटा मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी, प्रागपुरा मंडल अध्यक्ष विकास सिंह, शाहपुरा से उपेन यादव, भाजपा वरिष्ठ नेता मुकेश गोयल, जगदीश यादव, पूर्व उप प्रधान राजेंद्र उर्फ टीटू सिंह, प्रागपुरा पूर्व सरपंच एलन स्वामी, पालिका पूर्व चेयरमैन निर्मल पंसारी, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री आरती सिंह, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सरदार मल यादव, सीमा सैनी, बद्री प्रसाद चौहान सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में किसान व आमजन मौजूद रहे।

राज्यमंत्री गौतम कुमार दक ने पावटा में सहकार सुपर बाजार (मार्ट) का उद्घाटन किया।

- सहकार समिति के लिए 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम एवं जल्द ही हार्वेस्ट उपलब्ध करवाने की घोषणा

सार-समाचार

टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित

चौमूं/ कालाडेरा। चौमूं उपखंड के ग्राम पंचायत गोविन्दगढ में प्रभावशाली व्यक्तियों का आमुखीकरण कार्यक्रम संपन्न हुआ ग्राम पंचायत गोविन्दगढ के सभागार में मंजरी संस्थान एवं यूनिसेफ के सहयोग द्वारा गावी जीरो डोज टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभावशाली व्यक्तियों एवं धर्म गुरुओं का आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य नियमित टीकाकरण को सुदृढ़ करना तथा जीरो डोज बच्चों की पहचान कर सत प्रतिशत का टीकाकरण सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुकेश कुमार बैरवा ने कहा कि टीकाकरण प्रत्येक बच्चे का अधिकार है यह उसे मिलना चाहिए जो परिवार टीकाकरण से वंचित हो जाते हैं उन परिवारों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करें सरपंच व प्रशासक महेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि ग्राम गोविन्दगढ में टीकाकरण शत प्रतिशत होना चाहिए इसके लिए जो भी योगदान की जरूरत है वह हमें बताएं मंजरी संस्थान से मयूर जैन जिला समन्वयक अंकित कुमावत सीमा शर्मा खुशबू कुमावत धार्मिक गुरु दिनेश जी दीक्षित विनय कुमार शर्मा वार्ड पंच सद्दाम हुसैन सुनील कुमावत ओम प्रकाश कुमावत रेखा कुमावत राम प्रकाश कुमावत आदि लोग मौजूद रहे।

अभियोजन कार्यालय का शुभारंभ

कोटपूतली। जिले में न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत गुरुवार को कस्बे के डाबला रोड़ स्थित एक निजी भवन में उपनिदेशक अभियोजन कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया गया। अतिरिक्त निदेशक अभियोजन कमल कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार नवसृजित इस कार्यालय का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे जिले में अभियोजन कार्यों को गति मिलेगी। इस अवसर पर उपनिदेशक अभियोजन जयपुर ग्रामीण डायमण्ड सिंह, अभियोजन अधिकारी डॉ. पंकज यादव, मुकेश चौधरी, विजय जांगिड़, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी महेश सैनी, अनिता मेहता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अभियोजन अधिकारी डॉ. पंकज यादव ने बताया कि कार्यालय शुरू होने से न्यायिक प्रक्रियायें अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित तरीके से संचालित होंगी। इससे लंबित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी आयेगी और आमजन को समयबद्ध न्यायिक सहायता मिल सकेगी। अधिकारियों ने बताया कि नये कार्यालय की स्थापना से अभियोजन कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी, साथ ही विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। इस पहल का क्षेत्र के अधिवक्ताओं एवं नागरिकों ने स्वागत करते हुये इसे न्यायिक प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में सकारात्मक कदम बताया।

हिन्दू नववर्ष का स्वागत किया

निवाई। हिन्दू नूतन वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रमी संवत् 2083 का बुधवार की रात 12 बजे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दु परिषद, विद्या भारती व बजरंग दल सहित कई सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ भव्य स्वागत किया गया। नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रमी संवत् 2083 पर बुधवार रात 12 बजे शहर के अंहिसा सर्किल, बडा बाजार, चिंताहरण गणेश मंदिर व माध्यमिक सरस्वती विद्यालय प्रांगण सहित कई स्थानों पर रंगोलिया सजाई गई। इस दौरान स्वयंसेवकों ने नूतनवर्ष की शुभकामनाओं के बैनर व भगवा पताकाएं लगाकर नववर्ष का आतिशबाजी के साथ अभिनन्दन किया तथा एक दूसरे के तिलक लगाकर बधाईयां दी। स्वयंसेवकों ने एक दूसरे को मोबाईल मैसेज, व्हाटसप व फेसबुक द्वारा नूतनवर्ष की बधाई दी। इस दौरान गुरूवार को दिनभर मोबाइलों पर नूतनवर्ष की बधाईयां एवं शुभकामनाएं देने का दौर जारी रहा। रंगोली सजाकर हिन्दू नववर्ष का स्वागत करते हुए महिलाएं। विद्या भारती के आचार्य व आचार्याओं ने अलग-अलग समूह में श्री श्याम मंदिर, श्री चिंताहरण गणेश मंदिर, श्री चारभुजानाथ मंदिर श्री कंकाली माताजी मंदिर व सरस्वती विद्या मंदिर के प्रवेश द्वारों पर गुलाल से रंगोलिया सजाकर हिन्दू नव वर्ष का स्वागत किया।

हत्या संबंधी कानून हटाने की मांग

अलवर। वन्यप्राणी नीलगायों की प्राण रक्षा के लिए जैन समाज ने बड़ा आंदोलन करने का निर्णय लिया है। नीलगायों की हत्या से जुड़े कानूनों को समाप्त करने की मांग को लेकर 26 मार्च (गुरुवार) को विशाल सामूहिक धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।यह निर्णय मंगलवार रात दिगंबर जैन महासमिति, अलवर संभाग की बैठक में लिया गया। बैठक का आयोजन श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में संभाग अध्यक्ष कुलदीप बडजात्या की अध्यक्षता में हुआ। महासमिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एन.के. जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि धरना प्रदर्शन पूर्णत: शांतिपूर्ण होगा।उन्होंने बताया कि यह धरना अहिंसा सर्किल (मन्त्री का बड़) पर सुबह 9 बजे से 10:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और युवा भी भाग लेंगे।बैठक में वक्ताओं ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि देशभर के संत-महात्माओं, साधु-संतों, मुनियों, साध्वियों, सामाजिक व धार्मिक संगठनों द्वारा लगातार आवाज उठाने, ज्ञापन देने और आंदोलन करने के बावजूद सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। इसके चलते नीलगायों की निर्मम हत्याएं जारी हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है।धरना प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियों पर भी चर्चा की गई। बैठक में सुरेश चंद जैन बडतलिया, राकेश भौच, मनोज भौच, प्रदीप जैन (धामपुर), पारस जैन सहित करीब 30 लोग उपस्थित रहे।

नव संवत पर्व मनाया

राजगढ़। कस्बे मे हिंदू महापर्व नव संवत्सर एवं चैत्र नवरात्र पर्व श्रद्धा एवं भक्ति के साथ उल्लास से मनाया गया। नव संवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि पर देवी मंदिर में 5:30 बजे घट स्थापना के साथ नवरात्र पर्व का शुभारंभ हुआ। घर-घर में इस दौरान घट स्थापना की गई। धार्मिक आस्था के नव संवत्सर पर्व पर स्टेशन मार्ग स्थित अवधूत दत्ता आश्रम में सिसो ने गुरु के चरणों में शीश झुका कर मनौती मांगी।

धार्मिक स्थल पर टाट बाबा महाराज, गंगा भारती जी, श्याम भारती महाराज एवं अन्य गुरुओं की समाधि पर लोगों ने फूल माला एवं दीप जलाकर प्रार्थना कर कल्याण की कामना की।

आश्रम के महंत स्वामी अमन भारती महाराज मैं विधिवत रूप से पूजा अर्चना एवं महा आरती कर आयोजन पर विश्व कल्याण की प्रार्थना की। इस दौरान आश्रम में श्रद्धालु महिला पुरुषों मैं गुरु के चरणों में पूजा अर्चना कर मनौती मांगी।

दोपहर बाद तक श्रद्धालु महिला पुरुषों का आश्रम में ताता लगा रहा। अवधूत दात्त आश्रम में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुषों ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ कमाया।

गैस की किल्लत से बढ़ी परेशानी

पावटा। उपखंड पावटा क्षेत्र में रसोई गैस सिलिंडर की बढ़ती कीमत और आपूर्ति की कमी के कारण उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। गैस सिलिंडर लेने के लिए लोगों को सुबह तड़के ही गैस एजेंसियों पर पहुंचकर लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। इसके बावजूद कई उपभोक्ताओं को घंटों इंतजार के बाद भी सिलिंडर नहीं मिल पा रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है। लोग घंटों तक अपनी बारी का इंतजार करते नजर आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कई उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। गैस की अनियमित सप्लाई के चलते लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर: DEV/JAIPUR-1/TRUST/2026/1691
चूंकि प्रार्थी श्री Gordhan Das Agarwal, 1489, Shiv Singh Kaptan Ki Gali, Barah Gangor Ka rasta, Johari bazar, Jaipur City, Rajasthan - 302003 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री वल्लभ पुष्टिमार्गीय मंदिर प्रबंध समिति, श्री पुष्टि मार्गीय वैष्णव मण्डल भवन, पैतलों का चौक, जोहरी बाजार, जयपुर के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 04.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आईदा तारीख पेशी 08.05.2026
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय नगर निगम जयपुर
(चौगान स्टेडियम, गणगौरी बाजार, जयपुर)
क्रमांक :- जसअ/2025/541 दिनांक: 16.03.2026
ई-निविदा सूचना संख्या 181 से 184/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत "AA","A" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम, जयपुर के पंजीकृत निविदाताओं से अधिशाषी अभियन्ता हवामहल-आमेर जोन से संबंधित विकास कार्यो हेतु निविदाए आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम, जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org एवं व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in तथा eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है। उक्त निविदाओं को (sppp.rajasthan.gov.in) पोर्टल पर अपलोड करवा दिया गया है।
JMC2526WSOB02928 to JMC2526WSOB02931
अधिशाषी अभियन्ता
हवामहल-आमेर जोन
नगर निगम, जयपुर
राज.संवाद/सी/25/22929

यशस्वी जायसवाल की खासियत यह है कि उनके साथ संजू सैमसन जैसा बल्लेबाज रहा है, जो लगातार शानदार प्रदर्शन करता रहा है। संजू के लगातार रन बनाने से बल्लेबाजों को अपना खेल खेलने में मदद मिलती है। - फाफ डु प्लेसिस

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी, यशस्वी जायसवाल के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लियोनेल मेसी

फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने अपने करियर का 900वां गोल दागकर नया इतिहास रच दिया। हालांकि यह उपलब्धि उनकी टीम इंटर मियामी के लिए पूरी तरह खुशी में नहीं बदल सकी, क्योंकि टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। क्षेत्रीय क्लब प्रतियोगिता के प्री-क्वार्टर मुकाबले में मेसी ने मैच के सातवें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी। मौजूद जानकारी के अनुसार इस गोल के साथ उनका कुल करियर गोल 900 तक पहुंच गया, जो किसी भी खिलाड़ी के लिए एक असाधारण उपलब्धि मानी जाती है।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल इतिहास (2008-2025) के प्रमुख रिकॉर्ड्स में विराट कोहली सबसे ज्यादा रन (8000), रोहित शर्मा/धोनी सबसे सफल कप्तान, और मुंबई-चेन्नई (5-5 खिताब) सबसे सफल टीमें हैं।

राजस्थान रॉयल्स कप्तान रियान पराग और हेड कोच कुमार संगकारा की प्री-सीजन प्रेस कॉफ्रेंस

राजस्थान रॉयल्स इस बार खिताब की दौड़ में मजबूत दावेदार के रूप में उभरेगी : पराग

जयपुर, 19 मार्च। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने टीम को लेकर कहा कि पिछले सत्र के आखिर में उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था लेकिन इस बार वह ऐसी कोई गलती नहीं करेंगे। 'पिछली बार हमने आखिरी पांच मैच में काफी गलतियां की लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। हम पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरेंगे। यकीन मानिए इस बार राजस्थान रॉयल्स कप जरूर जीतेगी।'' पराग के अनुसार किसी एक खिलाड़ी के दम पर हम मैच नहीं जीत सकते। यशस्वी जयसवाल और वैभव सूर्यवंशी ही टीम को जीत दिलवा दें तो यह कहना गलत होगा। पूरी टीम को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और टीम इसके लिए तैयार है।'' रॉयल्स के कप्तान ने कहा कि उन्होंने युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को मीडिया से दूर रहने की सलाह दी है। ''मैंने वैभव को अपना नैसर्गिक खेल खेलने को कहा है। मैंने उससे कहा है कि वह केवल गेंद को हिट करने पर ध्यान दें और अगर किसी तरह का दबाव होता है तो उसे यशस्वी संभाल लेंगे।''

होम ग्राउंड को लेकर चल रही बहस पर पराग ने कहा कि टीम के प्रदर्शन पर इसका ज्यादा असर नहीं पड़ता। हर मैदान पर अलग माहौल होता है...कोई आपके लिए चीयर करता है, कोई विरोधी के लिए। लेकिन हमें इन सब चीजों से फर्क नहीं पड़ता, हमारा फोकस सिर्फ अपने खेल पर है। हमने कभी भी उन्हें (संजू सैमसन को) बदलने के बारे में नहीं सोचा। क्या आप रोहित शर्मा या विराट कोहली की जगह किसी और को ला सकते हैं? नहीं। ठीक उसी तरह, संजू भैया की जगह कोई नहीं ले सकता। हम किसी ऐसे खिलाड़ी को आज़मा सकते हैं जिसके पास वैसी ही काबिलियत हो, या किसी और से उनकी जगह बैटिंग करने को कह सकते हैं, लेकिन उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। इस साल हमारा ध्यान बेहतर प्लानिंग करने और मैचों को फिनिश करने पर है, जो हम पिछले सीज़न में नहीं कर पाए थे।'' असम के गुवाहाटी से आने वाले पराग ने राजस्थान के साथ अपने जुड़ाव को भी खास बताया। अपने राज्य के लिए खेलना अलग अनुभव है, लेकिन राजस्थान टीम भी अब मेरे लिए घर जैसी है। टीम कॉम्बिनेशन को लेकर उन्होंने बताया कि बॉलिंग में स्पिन और पेस का अच्छा संतुलन है, वहीं बैटिंग में राइट-लेफ्ट कॉम्बिनेशन पर भी ध्यान दिया गया है।

कुल मिलाकर, राजस्थान रॉयल्स इस सीजन में नई रणनीति, ऑलराउंडर्स की ताकत और पिछली गलतियों से सीख के साथ मैदान में उतरने जा रही है। टीम मैनेजमेंट और कप्तान दोनों का भरोसा साफ है कि अगर प्लानिंग के मुताबिक प्रदर्शन हुआ, तो इस बार खिताब की दौड़ में राजस्थान रॉयल्स मजबूत दावेदार के रूप में उभरेगी।

जब मैं 17 साल का था, तब मैं यहाँ आया था। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है कि आज मैं इस मुकाम पर हूँ। इस सफ़र में कई उतार-चढ़ाव आए, शायद उतार ज़्यादा और चढ़ाव कम थे, लेकिन मुझे गर्व है कि मैं इन सबसे उबरकर यहाँ तक पहुँचा हूँ। मैं राजस्थान टीम का सचमुच शुक्रगुज़ार हूँ कि उन्होंने मेरा साथ दिया, मुझे एक क्रिकेटर के तौर पर समझा और मुझे खेलने के मौके दिए। अब टीम की कप्तानी करने का मौका मिलना किसी सपने जैसा लगता है। 2018 से लेकर अब तक का यह सफ़र मेरे लिए बेहद गर्व की बात है।

मेरे लिए, इतने सालों के जुड़ाव और भावनाओं के साथ इस फ्रैंचाइज़ी की कप्तानी करना बहुत ही खास है। इस समय मेरा पूरा ध्यान सिर्फ़ जीतने पर है। मैं अपने निजी रिकॉर्ड या उपलब्धियों के बारे में बिल्कुल नहीं सोच रहा हूँ। मेरा ध्यान इस बात पर है कि टीम के लिए सबसे अच्छा क्या है और हम सब मिलकर कैसे सफलता हासिल कर सकते हैं। मैंने आलोचना, ट्रोलिंग सब कुछ झेला है और इन सबने मुझे यह समझने में मदद की कि सिर्फ़ कुछ ही लोगों की राय मायने रखती है।

टीम रियान पराग की कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन करेगी : संगकारा

जयपुर, 19 मार्च। रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा कि रियान ने दबाव में संयम दिखाया है। क्रिकेट की अपनी अच्छी समझ का शानदार नमूना पेश किया है। पहले से ही नेतृत्व समूह का हिस्सा होने के नाते, उन्हें ड्रेसिंग रूम का सम्मान प्राप्त है। हमें विश्वास है कि वह कप्तान की भूमिका में शानदार प्रदर्शन करेंगे।'' हम अपनी टीम को और बेहतर बनाना चाहते थे, बल्लेबाजी में और गहराई लाना, स्पिन गेंदबाजी के स्थानीय विकल्पों को मज़बूत करना, और ऐसे ऑलराउंडरों को टीम में शामिल करना जो हमें, खासकर गेंदबाजी विभाग में, ज़्यादा लचीलापन दे सकें। खिलाड़ियों की अदला-बदली (ट्रेड्स) और नीलामी में खिलाड़ियों को खरीदने के ज़रिए, हमने टीम की उन अहम कमियों को दूर किया है, जिनकी वजह से अब हम अलग-अलग तरह के कॉम्बिनेशन आज़मा सकते हैं-जिनमें हमारे विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। अब हमारा पूरा ध्यान सभी चीज़ों को एक साथ लाने पर है: टीम में जीत का भरोसा जगाना, अच्छी तैयारी करना, और मैदान पर अपनी योजनाओं को सही तरीके से लागू करना। आखिरकार, हमारे प्रदर्शन के नतीजे ही हमारी पहचान बनेंगे। लेकिन, साथ ही यह भी उतना ही ज़रूरी है कि खिलाड़ी इस पूरे सफ़र का आनंद लें। आप सिर्फ़ नतीजों पर ही ध्यान नहीं दे सकते; खिलाड़ियों के जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, और सिर्फ़ इन उतार-चढ़ावों से ही किसी खिलाड़ी की पहचान तय नहीं होती। हम चाहते हैं कि पूरी टीम एक साथ खेलने का मज़ा ले, हर मैच पर बारी-बारी से ध्यान दे, और इस बात पर भरोसा रखे कि अगर हम सही दिशा में आगे बढ़ेंगे, तो नतीजे अपने आप ही हमारे पक्ष में आएंगे।

अगरकर ने बीसीसीआई से 2027 वनडे विश्वकप तक अपना कार्यकाल बढ़ाने का अनुरोध किया

नई दिल्ली, 19 मार्च। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से 2027 वनडे विश्व कप तक अपना कार्यकाल बढ़ाने का अनुरोध किया है। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी और 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद, आईपीएल 2025 से ठीक पहले अगरकर का अनुबंध एक साल के लिए बढ़ा दिया गया था। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक उनके अनुरोध पर बातचीत चल रही है, लेकिन अभी तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। पश्चिमी जोन के एक और पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी को अगरकर के उत्तराधिकारी के रूप में सबसे आगे बताया जा रहा था, लेकिन इस मामले में भी कोई प्रगति नहीं हुई है। माना जा रहा है कि यह अनुरोध सही समय पर आया है, क्योंकि यह 2026 टी20 विश्व कप की जीत के ठीक बाद आया है। 2020-21 में जब शीर्ष चयनकर्ता का पद खाली हुआ था, तब अगरकर के आवेदन के बावजूद चेतन शर्मा ने उन्हें पीछे छोड़ दिया था। जब अंततः 2023 के मध्य में उन्हें यह अवसर मिला, तो उन्हें एक ऐसी चयन प्रक्रिया में विश्वास बहाल करने की जिम्मेदारी मिली, जो लगातार सार्वजनिक आलोचनाओं के घेरे में रहती है।

19 साल बाद सभी 10 टीमों के कप्तान बने भारतीय

नई दिल्ली, 19 मार्च। पैट कमिंस की चोट ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इतिहास रच दिया है। यह बात कई लोगों को अजीब लग सकती है, लेकिन कमिंस की चोट के चलते सनराइजर्स हैदराबाद ने ईशान किशन को अपना कार्यवाहक कप्तान नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के साथ, 19 वर्षों में पहली बार, आईपीएल 2026 में सभी 10 टीमों के कप्तान एक से अधिक मैचों में भारतीय कप्तान होंगे।

आईपीएल इतिहास में दूसरी बार कप्तानों का फोटोशूट पूरी तरह से भारतीय खिलाड़ियों का होगा, क्योंकि फ्रेंचाइजी ने टीम के कप्तान के रूप में भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी के महत्व को समझ लिया है। 2019 में भी एसआरएच अपवाद था, जब केन विलियमसन की अनुपस्थिति में भुवनेश्वर कुमार को पहले मैच के लिए कप्तान बनाया गया था। आईपीएल सीजन शुरू होने से ठीक पहले कप्तानों का फोटोशूट होगा और इतिहास में दूसरी बार ऐसा होगा कि सभी भारतीय खिलाड़ी इसमें शामिल होंगे। रुतुराज गायकवाड़ पिछले साल बीच में ही सीजन से बाहर हो जाने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान के रूप में वापसी कर रहे हैं। अक्षर पटेल, शुभमन गिल और रजत पाटीदार क्रमशः दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटन्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान हैं, जबकि भारत के वनडे उप-कप्तान पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं।

अजिंक्य रहाणे को भी कोलकाता नाइट राइडर्स ने कप्तान के रूप में बरकरार रखा है और रियान पराग इतिहास में पहली बार राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर रहे हैं। ऋषभ पंत और हार्दिक पांड्या क्रमशः लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं।

भारत 2028 में वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली, 19 मार्च। भारत को 2028 वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। भुवनेश्वर इस टूर्नामेंट की होस्ट सिटी होगा। यह पहली बार होगा जब यह आयोजन भारत में किया जाएगा। भारत की मेजबानी वाली बोली को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने पोलैंड के टोरून में हुई बैठक में मंजूरी दी। इससे पहले जनवरी में वर्ल्ड एथलेटिक्स की टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया था। भारत इस चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला एशिया का चौथा देश बनेगा। इससे पहले जापान, कतर और चीन इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुके हैं। यह टूर्नामेंट हर दो साल में आयोजित होता है और इसकी शुरुआत 1985 में पेरिस से हुई थी।

पहचान के गलत इस्तेमाल पर भड़के गंभीर, दिल्ली उच्च न्यायालय में ठोका 2.5 करोड़ का मुकदमा

नई दिल्ली, 19 मार्च। डिजिटल दौर में तकनीक के गलत इस्तेमाल को लेकर एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कानूनी कदम उठाया। उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर अपनी पहचान के कथित दुरुपयोग पर रोक लगाने की मांग की है। गंभीर ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि उनकी छवि, आवाज और नाम का इस्तेमाल कृत्रिम तकनीकों के जरिए गलत तरीके से किया जा रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार इस मामले में कई सोशल मीडिया खातों, ऑनलाइन मंचों और खरीद-बिक्री से जुड़े मंचों को प्रतिवादी बनाया गया है।

गौरतलब है कि याचिका में अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे मंचों के साथ-साथ मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स कॉर्प और गूगल जैसे डिजिटल माध्यमों को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा दूरसंचार विभाग को भी औपचारिक पक्षकार बनाया गया है, ताकि अदालत के आदेशों को लागू कराया जा सके।

मौजूद जानकारी के अनुसार गंभीर ने अदालत से तत्काल अंतरिम राहत की मांग करते हुए कहा है कि ऐसे सभी आपत्तिजनक वीडियो और सामग्री को तुरंत हटाया जाए और उनके प्रसार पर रोक लगाई जाए। इसके साथ ही उन्होंने लगभग ढाई करोड़ रुपये के हर्जाने की भी मांग की है।

याचिका में यह भी कहा गया है कि वर्ष 2025 के अंत से ऐसे मामलों में तेजी आई है, जहां चेहरे की अदला-बदली और आवाज की नकल जैसी तकनीकों का उपयोग कर फर्जी वीडियो बनाए जा रहे हैं। बता दें कि कुछ वीडियो में उन्हें ऐसे बयान देते हुए दिखाया गया, जो उन्होंने कभी नहीं दिए, जिससे लोगों में भ्रम फैला और उनकी छवि को नुकसान पहुंचा। गौरतलब है कि गंभीर ने यह भी आरोप लगाया है कि उनकी पहचान का इस्तेमाल बिना अनुमति के व्यावसायिक लाभ के लिए किया जा रहा है।

टीम नाहरगढ़ को हराकर फाइनल में पहुंची टीम जयगढ़

जयपुर, 19 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत गुरुवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर आरपीसी कप (आउट ऑफ़ हैट) टूर्नामेंट के लिए मुकाबला हुआ। यह मैच टीम नाहरगढ़ और जयगढ़ के बीच हुआ, जिसमे टीम जयगढ़ 8-7.5 के स्कोर से नाहरगढ़ को हराकर विजेता बनी। विजेता टीम जयगढ़ से रणशय पुरोहित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल्स हासिल किए। वहीं, अश्विनी शर्मा, विक्रमादित्य सिंह बरकाना और शुभम गुप्ता प्रत्येक ने 1-1 गोल किए। दूसरी ओर, टीम नाहरगढ़ से बलबीर सिंह और तरुण बिलावल ने 2-2 गोल अर्जित किए। टीम के लिए मयूरध्वज सिंह तलबगांव और सिद्धांत सिंह ने 1-1 गोल हासिल किए। यहाँ टीम नाहरगढ़ को 1.5 गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ। शनिवार, 21 मार्च को टूर्नामेंट का फाइनल मैच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 5 बजे से खेला जाएगा। यह फाइनल मुकाबला टीम जयपुर और जयगढ़ के बीच होगा। शुक्रवार, 20 मार्च को मैच का रेस्ट डे रहेगा

केशर क्रिकेट एकेडमी, के एल सैनी एकेडमी व नैना एकेडमी जीती, ध्रुव वशिष्ठ का शतक

जयपुर, 19 मार्च। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर - 17 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए मैचों में केशर क्रिकेट एकेडमी ने कोड़ाई एकेडमी को 10 रनो से हराया, के एल सैनी एकेडमी ने जयपुर ब्लूज को 9 विकेट हराया तथा नैना एकेडमी ने जयपुरिया एकेडमी को 186 रनो से हराया।

जी आर ग्राउंड पर जयपुर ब्लूज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आदित्य यादव के 35 रन, तरुष पाबड़ी के 19 रन व कुणाल सिंह के 57 रनो से 37.2 ओवर में 155 रन बनाए। के एल सैनी एकेडमी के लिए यश भाला ने 26 पर 4 व हर्ष वर्धन सिंह ने 17 पर 4 विकेट लिए। जवाबी पारी में के एल सैनी एकेडमी की टीम ने उज्जवल शर्मा के 33 रन, प्रियांशु यादव के 77 रन नाबाद व रमन चौधरी के 35 रन नाबाद से

24.4 ओवर में एक विकेट पर 158 रन बनाकर मैच जीत लिया।

दूसरे मैच में नैना ग्राउंड पर नैना एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रोविन सिंह के 43 रन, रोहित चार्नेल के 74 रन, आशीष प्रजापत के 30 रन नाबाद व ऋषभ के 28 रनो से 42.4 ओवर में 273 रन बनाए। जवाबी पारी में जयपुरिया एकेडमी की टीम 25. 1 ओवर में मात्र 87 रनों पर सिमट गई। नैना एकेडमी के लिए अंकित तेवतिया ने 28 पर 3, आरव चौधरी ने 2 पर 2, ऋषभ, मनन व आशीष ने एक - एक विकेट लिया।

तीसरे मैच में आर जे 14 ग्राउंड पर केशर क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ध्रुव वशिष्ठ के 139 रन (112 गेंद, 13 चौके व 6 छक्के), दिव्यांश धरतवाल के 32 रन व आदित शर्मा के 27 रनो से 48.4 ओवर में 285 रन बनाए। कोड़ाई एकेडमी के लिए सात्विक जैन ने 38 पर 3 व चर्चित निर्वाण ने 38 पर 4 विकेट लिए। जवाबी पारी में कोड़ाई एकेडमी की टीम ने सुमित मीणा के 57 रन, वशिष्ठ शर्मा के 76 रन, उदित टांक के 21 रन व गुरवंश निर्वाण के 71 रन नाबाद से 50 ओवर में 8 विकेट पर 275 ही बना सकी। केशर क्रिकेट एकेडमी के लिए एस एस चौहान ने 27 पर 4 व आशीष चौधरी ने 56 पर 3 विकेट लिए।

नाथन चोट के कारण पूरे सीजन टीम से बाहर

नई दिल्ली, 19 मार्च। आईपीएल 2026 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका लगा है। नाथन एलिस प्रशिक्षण के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण पूरे सीजन के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने पुष्टि की है कि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज के समय पर फिट होने की संभावना कम है। उनकी अनुपस्थिति से गेंदबाजी पंक्ति में, खासकर डेथ ओवरों में, जहां उनसे अहम भूमिका निभाने की उम्मीद थी, एक बड़ा गैप आ गया है। एलिस को पारी के समापन के लिए एक संभावित विकल्प के रूप में देखा जा रहा था, खासकर मथीशा पथिराना के जाने के बाद, जिन्होंने 18 करोड़ रुपये के बड़े सौदे में कोलकाता नाइट राइडर्स को ज्वाइन कर लिया है। विश्वनाथन ने स्पोर्टस्टार को बताया कि यह हमारे लिए एक बड़ा झटका है। एलिस एक महत्वपूर्ण गेंदबाज हैं, खासकर डेथ ओवरों में। हम उनके विकल्प तलाश रहे हैं।

राजस्थान पुरुष फुटबॉल लीग की शुरुआत आज से

जयपुर, 19 मार्च। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि पूर्णिमा राजस्थान पुरुष फुटबॉल लीग ए डिवीजन में कुल सात क्लबों के बीच सेंट्रल आधार (एक ही मैदान) पर खेली जाएगी। प्रत्येक क्लब 12 मैच खेलेगा । लीग में कुल 42 मैच खेले जाएंगे. लीग के विजेता को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की तीसरी डिवीजन लीग में पदोन्नत किया जाएगा। लीग 20 मार्च 2026 को शुरू होगी और 28 अप्रैल 2026 को समाप्त होगी। सात प्रतिभागी क्लब इस प्रकार हैं: जिंक फुटबॉल अकादमी उदयपुर, जयपुर सिटी फुटबाल क्लब जयपुर, फुटबॉल क्लब ब्रदर्स यूनाइटेड जयपुर, सनराइज फुटबॉल क्लब सिरोही, एएसएल फुटबॉल क्लब जयपुर, जैरथी फुटबाल क्लब सीकर, रेहान फुटबॉल क्लब अजमेर है । लीग पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के फुटबॉल ग्राउंड मे सम्पन्न होंगी आज तीन मैच खेले जाएंगे प्रथम मैच सनराइज क्लब ओर ए स ल कलब के बीच सुबह 7:30 बजे दूसरा मैच रिहान क्लब ओर ब्रदर्स यूनाइटेड के बीच 10:30 बजे व तीसरा मैच शाम 4:30 बजे जेरथी क्लब ओर जिंक फुटबाल अकादमी के बीच खेला जाएगा । इसी लीग के माध्यम से राजस्थान यूनाइटड फुटबॉल क्लब और जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब इंडियन लीग 1 डिवीज़न और 3 डिवीज़न मे भाग लिया है।

आर्यमन कटारिया व आदित्य जागिड़ व अर्द्धशतकों की बदौलत संस्कार एकेडमी क्वार्टर फाइनल में

जयपुर, 19 मार्च। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज संस्कार क्रिकेट ग्राउण्ड में चतुर्थ डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये नॉकआउट दौर के दूसरे मैच में संस्कार क्रिकेट एकेडमी ने आर्यमन कटारिया 89 रन (51 गेंद, 6. चौके, 7 छक्के), आदित्य झाला 52 रन नाबाद (33 गेंद, 4 चौके, 4 छक्के) की मदद से मंगलम क्रिकेट एकेडमी को 6 विकेट से हराकर क्वार्टर फाईनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर मंगलम क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये संयम जैन 55 रन नाबाद (34 गेंद, 3 चौके, 5 छक्के) मंयक सारस्वत 41 रन, मोहम्मद खुबैब 38 रन, मनन सिंह 30 रन, सक्षम सिंह 13 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 198 रन बनाए। गेंदबाजी में संस्कार एकेडमी की ओर से राजवर्धन लांबा 37 रन पर 2 विकेट तथा आशीष चौपड़ा. आदित्य झाला व एजाज सांवरिया प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में संस्कार एकेडमी के बल्लेबाज हार्दिक गौड 13 रन व एजाज सावंरिया 33 रन के विकेट 78 रन पर गंवाकर अच्छी शुरूआत की, तीसरे विकेट पर आर्यमन कटारिया 89 रन व आदित्य झाला 52 रन नाबाद ने मिलकर अपनी टीम के लिए 115 रन की साझेदारी निभाकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चत कर दी और विजय लक्ष्य 201 रन 4 विकेट खोकर 19 ओवर में हासिल कर लिया। मंगलम एकेडमी की ओर से मोहम्मद खुबैब 8 रन पर 2 विकेट तथा सुमित सैन तथा अमन भारद्वाज प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच आर्यमन कटारिय संस्कार क्रिकेट एकेडमी रहे।

राजस्थान वुशू टीम चेन्नई के लिए रवाना हुई

जयपुर, 19 मार्च। भारतीय वूशु संघ के तत्वावधान में दिनांक 20 से 23 मार्च 2026 तक चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित होने वाली प्रथम बीच ताइचीचुआन वुशू प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए राजस्थान वूशु टीम आज रवाना हुई। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ के अनुसार

प्रतियोगिता भाग लेने वाले खिलाडियों के नाम इस प्रकार है - रिद्धि पारीक - ताइचीचुआन, पेयर ताइची, अभिज्ञा शर्मा - ताइचीचुआन, पेयर ताइची, किशन कछावा - ताइचीचुआन, ताइची फैन, शिवराम - ताइचीचुआन, ताइची स्वार्ड। टीम प्रशिक्षक- अर्केश्वर मेडतवाल।

OFFICE OF MUNICIPAL COUNCIL, BEAWAR
Tel.No. 01462-258665 Email Add:- npbeawar@gmail.com
Ref:- N.P.B./health/2025-26/13083 Date:-13.03.2026

NOTICE INVITE BID

Bids are Invited on E-Procurement Portal Raj. up to 25.03.2026 for **"Maintenance of MRF Center and Night Staff for Road Cleaning E- Rate Contract"** for 12 months @₹ 22.85 lakhs as per Term & condition of OCB. The detailed of OCB document is available on The SPP Portal & E-Procurement Portal Raj.
NIB CODE :- DLB2526B2972 UBN No.:- DLB2526SLOB38561
Commissioner
Municipal Council Beawar
Raj.Samwad/C/25/22915

BIKANER TECHNICAL UNIVERSITY
Karni Industrial Area, Pugal Road, Bikaner-334004
Ref. No. : BTU/2025-26/388 Date :- 18/03/2026

Notice Inviting Bid

Bikaner Technical University invites following bids:

Sr. No.	Particulars	Estimated Cost	NIB No.	UBN No.	Last Date & Time
1.	Supply and Installation of Computers & Printers	Rs. 1215000/-	BTU2526 A0023	BTU2526 GLOB00024	30.03.2026 UP TO 5 PM

Others particulars of the bids can be find on the procurement portal www.sppp.rajasthan.gov.in and Bikaner Technical University website www.btu.ac.in.
Raj.Samwad/C/25/22871 Finance Comptroller

कार्यालय नगर परिषद् कोटपूतली (कोटपूतली-बहरोड़)
Email id : kotputliulb.jaipur@yahoo.com
क्रमांक न.प.कोट/स्टोर/2026/567 दिनांकः- 16.03.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 2026-27:-15

नगरपरिषद कोटपूतली की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है निविदा website www.sppp.raj.in/eproc.rajasthan.gov.in से download कर देखी / प्राप्त की जा सकती है RTPP एक्ट की नियम और शर्त लागु होंगी जिसके NIB Code व UBN No. इस प्रकार है

S.NO	WORK S.NO.	SPPP UBN	NIB NO.
1.	01	DLB2526WSOB38845	DLB2526B3051

आयुक्त
नगरपरिषद् कोटपूतली
राज.संवाद/सी/25/22917

नगर विकास न्यास, पाली
डाक बंगला परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल - uitpali@gmail.com
क्रमांक :- न्या.पा./निविदा/2025/216 दिनांक :- 16/03/2026

ई-निविदा सूचना संख्या - 64/2025-26

नगर विकास न्यास, पाली की और न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यो हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है।
यूबीएन नं. :- ITP2526WSOB00084
राज.संवाद/सी/25/22939 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा, टोंक
मुख्य डाकघर के पास सवाई माधोपुर रोड टोंक
क्रमांक :- मुख्य/जिशिअ/टोंक/लेखा/निविदा/2025-26/309 दिनांक :- 16/03/2026

ई-निविदा सूचना

निविदा क्रमांक- 05 एवं 06/2025-26

गुरूगोवलकर योजनान्तर्गत अधिकृत निर्माता/फर्म/कम्पनी/सप्लायर्स/डीलर से कम्प्यूटर प्रिन्टर, वाटर कुलर, क्रय हेतु पंजीकृत संवेदकों से मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा, ब्लॉक उनियारा कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग एवं खुली निविदा के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।
अन्य नियम एवं शर्ते वेबसाइट https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा इलेक्टोनिक फारमेट में वेबसाइट https://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करवानी होगी।
UBN : RSE2526GSOB07684, RSE2526GLOB07686
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
समग्र शिक्षा, टोंक
राज.संवाद/सी/25/22897

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in
Ref. No. : F-8( ) RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/1852 Dated :- 17/03/2026

CORRIGENDUM / ADDENDUM

Bid for item:
1. Deep Freezer, Fowler Bed, Stead Bed, Foot Step, Syringe Infusion Pump, Glucostrip & Pulse Oxymeter (Handheld),
2. White Box (Sharp Container), & Transport Trolley (Wheel Barrow) Reserve for MSE, Rajasthan Only

are invited from interested bidders up to Date: 24-03-2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.
UBN : MSC2526GLOB00056
Executive Director (EPM)
Rajasthan Medical Services Corporation
Raj.Samwad/C/25/22880

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/3363 - 76 दिनांक :- 17/03/2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 39/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में ए एवं एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 01 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।
उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।
निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।
UBN No. : WAQ2526WLOB00313
राज.संवाद/सी/25/22861 अधिशाषी अभियन्ता

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन, छबड़ा (राज.)

ऑनलाइन/ऑफलाइन निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य/वार्षिक अनुबन्ध/सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदाऐं आमंत्रित की जाती है:- 74(RVU2526WSOB02568) एलटी स्विचगियर पैनलों की डीओएल फीडर से एलटी एसीबी फीडर तक शिफ्टिंग, ईरेक्शन, टेस्टिंग, कमिशनिंग, 75(RVU2526WSOB02586) स्टील और जॉइनरी कार्यो की मरम्मत व रखरखाव, 76(RVU2526SSOB02583) एचवीएसी चिलर्स का रखरखाव, 77(RVU2526WSOB02578) ईएसपी के रूटीन, ब्रेकडाउन और केपिटल मैंनटेनेंस, 78(RVU2526WSOB02585) स्थायी कलर कोटेड और सीजीएस शीटों की मरम्मत व रखरखाव, 79(RVU2526WSOB02570) 124 Nos. ईओटी क्रेन और हॉइस्ट का रखरखाव, 664(RVU2526GLOB02569) शॉक एब्जॉर्बिंग डिवाइस-एचडी इम्पैक्ट बैड, 665(RVU2526GLOB02571) कन्वेयर पुली, 666(RVU2526GLOB02567) एल्यूमिना सिरेमिक टाइल, 667(RVU2526GLOB02572) विभिन्न प्रकार और क्षमता के अग्निशामक यंत्र, 668(RVU2526GLOB02575) ऑयल फिल्ट्रेशन मशीन, 669(RVU2526GLOB02565) ईएसपी सिस्टम के लिए यांत्रिक पुर्जे, 670(RVU2526GLOB02579) सीएस/एसएस पाइप, 671(RVU2526GLOB02580) सिंगल पॉइंट ऑटो ग्रीसिंग सिस्टम, 674(RVU2526GLOB02574) मैटेलिक एक्सपेन्शन बेलोज, 675(RVU2526GLOB02582) मल्टी डिस्क और संबंधित स्पेयर्स, 662(RVU2526GSOB02576) एंड प्वाइंट डिटेक्शन एवं रेस्पोंस (ईडीआर) सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन ऑन-क्लाउड की आपूर्ति और स्थापना, 672(RVU2526GSOB02584) सील किट एवं 673(RVU2526GSOB02581) स्टैकर और रिक्लेमर के संचालन में प्रयुक्त जॉयस्टिक की आपूर्ति। विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/25/22971 RVUN/PR-4368 अति. मुख्य अभियन्ता (ओ. एण्ड एम.)

मुख्यमंत्री भजनलाल ने रोडवेज की 207 नवीन बसों को हरी झंडी दिखा रवाना किया

उन्होंने कहा कि नई बसों के संचालन से आमजन को बेहतर यातायात सुविधाएं मिल सकेंगी

जयपुर, 19 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दिवस के अवसर पर गुरूवार को अजमेर रोड स्थित बस टर्मिनल से राज्य पथ परिवहन निगम की 207 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन नई बसों के संचालन से प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और सुदृढ़ होगी तथा आमजन को बेहतर यातायात सुविधाएं मिल सकेंगी।

इस दौरान शर्मा ने सभी प्रदेशवासियों को राजस्थान दिवस एवं हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राजस्थान दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवीन बसों का विधिवत् पूजन किया। बसों में नवीनतम सुरक्षा मानकों का उपयोग किया गया है। मुख्यमंत्री ने 700 महिलाओं को सड़क सुरक्षा अग्रदूत के रूप में हेलमेट वितरण किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को राजस्थान दिवस के अवसर पर अजमेर रोड स्थित बस टर्मिनल से राज्य पथ परिवहन निगम की 207 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नई बसों का विधिवत् पूजन कर शुभारम्भ किया। इन बसों में आरएसआरटीसी की ओर से सर्विसलाइन पर ली गई 100 ब्लूलाइन एक्सप्रेस बसें, 79 स्टारलाइन बसें तथा 28 एसी बसें शामिल हैं। इन बसों के शामिल होने से राजस्थान रोडवेज के बेड़े में कुल 207 नई बसों की वृद्धि हुई है। बसों में नवीनतम सुरक्षा मानकों का उपयोग किया गया है, जिससे आमजन को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं आधुनिक यातायात सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 700 महिलाओं को सड़क सुरक्षा अग्रदूत के रूप में हेलमेट वितरण किया। शर्मा ने महिलाओं से संवाद कर यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित भी किया।

इस अवसर पर शर्मा का आमजन ने माल्यार्पण कर स्वागत-अभिनंदन किया तथा राजस्थान दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद मंजू शर्मा सहित, विभिन्न जनप्रतिधिगण, अधिकारीगण एवं आमजन मौजूद थे।

अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण मामले में डॉक्टर गिरफ्तार

जयपुर, 19 मार्च। राजधानी में अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण के गोरखधंधे का गुरुवार को खुलासा करते हुए, नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) की पीसीपीएनडीटी टीम ने एक डॉक्टर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक दलाल अभी फरार है। आरोपी पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन के जरिए गर्भ में पल रहे भ्रूण का लिंग परीक्षण कर मोटी रकम वसूल रहे थे।

- **पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन से भ्रूण की जाँच करते हुए गिरफ्तारी हुई।**

नेशनल हेल्थ मिशन के निदेशक डॉ. अमित यादव ने बताया कि एक महिला कर्मचारी को ग्राहक बनाकर मुहाना क्षेत्र स्थित केसर चौहारा के कुबेर हेल्थ केयर भेजा, जहां डॉक्टर शेर सिंह राजावत ने जांच के नाम पर 80 हजार रुपए की मांग की। राशि तय होने के बाद महिला को दलाल के माध्यम से सांगानेर क्षेत्र स्थित दूसरे स्थान पर भेजा गया।

इसके बाद दलाल हरी कुमावत महिला को अपनी कार में बैठाकर मयूर रेजीडेंसी स्थित फ्लैट नंबर 16 पर ले गया, जहां पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन से भ्रूण की जांच की जा रही थी। इसी दौरान टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपियों को पकड़ लिया।

कार्रवाही में हरी कुमावत (41), शिला देवी (50) और डॉ. शेर सिंह राजावत (48) को गिरफ्तार किया गया है। वहीं दलाल जगबीर फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

ट्रंप तेल -पेट्रोल की अंतर्राष्ट्रीय कीमत कम करना चाहते हैं

अमेरिका के ट्रेज़री सेक्रेटरी के अनुसार, इसके लिये ईरान के तेल से पाबंदी हटाई जा सकती है

- **ट्रेज़री सेक्रेटरी स्कॉट बैसेंट के अनुसार, ईरानी तेल से प्रतिबंधों को हटाना मास्टर स्ट्रोक होगा क्योंकि इस कदम से ईरानी तेल का इस्तेमाल ईरानियों के ही खिलाफ किया जायेगा, ताकि अगले 10-15 दिन कीमतें कम बनी रहें।**

वॉशिंगटन, 19 मार्च। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप तेल-पेट्रोल की बढ़ ती कीमतों को किसी भी तरह से कम करने के लिए बेताब हैं। फॉक्स बिजनेस को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार को कहा कि ट्रंप ईरानी तेल पर से प्रतिबंध हटा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये ठीक वैसे ही होगा, जैसे उन्होंने रूसी तेल पर से प्रतिबंध हटाए थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एक अस्थायी कदम होगा।

स्कॉट बेसेंट ने कहा कि "आने वाले दिनों में हम उस ईरानी तेल पर से प्रतिबंध हटा सकते हैं, जो अभी समुद्र में है। यह लगभग 140 मिलियन बैरल है। यह 10 दिन से लेकर दो हफ्ते तक की सप्लाई है, जिसे ईरानी बाहर भेज रहे थे।" ईरान के तेल और गैस ठिकानों पर हमलों और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के बंद होने से उत्पादन में कटौती करने के लिए तेल उत्पादन करने वाले देशों को मजबूर होना पड़ा है, जिसकी वजह से तेल की कीमतें 65 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं।

बेसेंट ने ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंधों को हटाने के कदम को एक मास्टरस्ट्रोक बताया है। उनका कहना था कि इस कदम से "ईरानी तेल का इस्तेमाल ईरानियों के ही खिलाफ किया जाएगा, ताकि अगले 10 या 14 दिनों तक कीमतें कम बनी रहें, जब तक कि हमारा यह अभियान जारी रहता है।"

हालांकि बेसेंट ने इस बात का जिक्र नहीं किया कि इस तरह की व्यवस्था के तहत ईरान को अगले दो हफ्तों तक प्रतिबंध मुक्त राजस्व के रूप में जो भारी फायदा होगा, उसको लेकर ट्रंप प्रशासन क्या सोचता है। ट्रंप को देश और विदेश दोनों जगहों पर कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि तेल और गैस की कीमतें दशकों के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं।

युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका में गैस की औसत कीमतें 30 सालों में अपने दूसरे सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई हैं। गैस की कीमतों में चार हफ्तों में हुई यह बढ़ ोतरी 2022 के गैस संकट (जब रूस ने यूक्रेन पर पूरी तरह से हमला किया था), 2008 के आर्थिक संकट और 1999 में ओपीईसी द्वारा उत्पादन में की गई कटौती से भी ज्यादा है।

हाई कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बोर्ड को आदेश दिए हैं कि गलतियों में नियमानुसार सामान्य अभ्यर्थी को बीस और आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी को 25 फीसदी की छूट देते हुए 45 दिन में नई मेरिट लिस्ट जारी करे। अदालत ने स्पष्ट किया है कि पांच फीसदी की अतिरिक्त छूट उसी स्थिति में दी जा सकती है, जब संबंधित श्रेणी में बिना छूट के पर्याप्त अभ्यर्थी उपलब्ध न हों। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने ये आदेश दिनेश शर्मा व अन्य की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में माना कि भर्ती नियम और विज्ञापन की शर्तें बाध्यकारी होती हैं और चयन प्रक्रिया के बीच इनमें बदलाव नहीं किया जा सकता। अदालत ने गत 5 नवंबर को नियुक्तियां देने पर रोक लगा दी थी।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद एकलपीठ ने मेरिट लिस्ट को रद्द करते हुए, पुरानी छूट के आधार पर 45 दिन में नए सिरे से मेरिट लिस्ट जारी करने को कहा है।

राष्ट्रपति ने अयोध्या में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सांस्कृतिक मंच सजाए गए थे, जहां लगभग 250 कलाकारों ने रामायण आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भारतीय वेशभूषा में कलाकारों ने स्वागत गीत, भजन, अवधी-भोजपुरी लोकगायन-लोकनृत्य समेत, भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रमों के जरिए मन मोह लिया।

अयोध्यावासियों ने भी सड़क किनारे खड़े होकर पुष्प वर्षा की और जयकारों कर देश की प्रथम नागरिक का गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति ने भी अयोध्यावासियों का अभिवादन किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने श्रीराम मंदिर पहुंचने पर सर्वप्रथम प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर पूजा व आरती की। तत्पश्चात "श्रीराम यंत्र" स्थापना का विधान सम्पन्न कराया। संपूर्ण विधि विधान से "श्रीराम यंत्र" की स्थापना के साथ ही श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण नए इतिहास का साक्षी बन गया। "श्रीराम यंत्र" की स्थापना होते ही श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में प्रभु श्री राम के जयघोष से गुंजायमान हो गया।

अमेरिका की इन्टैलिजेन्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं और हमारे देश तक पहुंच सकती हैं।" अमेरिका का आकलन है कि 2035 तक उसके खिलाफ मिसाइल खतरों की संख्या बढ़कर 16,000 से अधिक हो सकती है, जबकि अभी यह संख्या करीब 3,000 है। गबार्ड ने कहा कि "रूस और चीन ऐसे उन्नत सिस्टम विकसित कर रहे हैं, जो अमेरिकी मिसाइल रक्षा प्रणाली को पार कर सकते हैं।" गबार्ड के अनुसार, फिलहाल अमेरिका के लिए सबसे सक्रिय परमाणु खतरे रूस और चीन से ही बने हुए हैं।

अमेरिका में सैन्य बेस पर संदिग्ध ड्रोन नज़र आए

अमेरिका में सुरक्षा चिन्ता बढ़ गई क्योंकि इस बेस परिसर में विदेश मंत्री तथा रक्षा मंत्री रहते हैं

वाशिंगटन, 19 मार्च। अमेरिकी सैन्य बेस फोर्ट लेसली मैकनेयर के ऊपर संदिग्ध ड्रोन देखे गए हैं। इस बेस परिसर में विदेशमंत्री मार्क रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ रहते हैं। इस बेस के ऊपर ड्रोन दिखने से सुरक्षा चिंता बढ़ गई है। देश के कई बेस पर लगाए गए लॉकडाउन और दुनिया भर में जारी सुरक्षा अलर्ट इस बात की संभावना को पुख्ता करते हैं कि ईरान की जवाबी कार्रवाई अमेरिका की धरती पर मौजूद अधिकारियों तक भी पहुंच सकती है।

"द वाशिंगटन" पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार इस मामले की जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने बताया कि इन ड्रोन की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और यह भी साफ नहीं है कि वे कहां से आए। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहचान न उजागर करने का आग्रह करते हुए बताया कि सेना संभावित खतरों पर अब और भी अधिक बारीकी से नजर रख रही है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध की वजह से अलर्ट का स्तर बढ़ा दिया गया है। इस अधिकारी ने बताया कि पिछले 10 दिनों में एक ही रात में फोर्ट लेस्ली जे. मैकनेयर के ऊपर कई ड्रोन देखे जा चुके हैं। इस घटना के बाद सुरक्षा के उपाय और भी कड़े कर दिए गए हैं, और वाइट हाउस में एक बैठक भी हुई है। इसमें इस बात पर चर्चा की गई कि इस स्थिति का जवाब कैसे दिया जाए।

- **एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, एक ही रात में फोर्ट लैसली जे. मैकनेयर के ऊपर कई ड्रोन देखे गए। इस घटना के बाद सुरक्षा के उपाय और कड़े किए गए। वाइट हाउस में भी इस स्थिति से निपटने के लिये बैठक हुई।**

ड्रोन दिखने की घटनाएं ऐसे समय पर हुई हैं जब अमेरिका ने विदेशी राजनयिक चौकियों के लिए वैश्विक सुरक्षा चेतावनी जारी की है और खतरों के चलते कई घरेलू हवाई अड्डों को बंद कर दिया है। इस सप्ताह न्यू जर्सी के ज्वाइंट बेस मैकगायर-डिक्स-लेकहर्स्ट और फ्लोरिडा के मैकडिल एयर फोर्स बेस ने अपने सुरक्षा स्तर को चार्ली तक बढ़ा दिया है।

पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने ड्रोन के बारे में बात करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा, "विभाग सुरक्षा कारणों से सेक्रेटरी की गतिविधियों पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता और ऐसी गतिविधियों पर रिपोर्टिंग करना बेहद गैर-जिम्मेदाराना है।" विदेश विभाग ने टिप्पणी के अनुरोधों का कोई जवाब नहीं दिया।

सीबीआई ने अनिल अंबानी से 8 घंटे पूछताछ की

नई दिल्ली, 19 मार्च। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अंबानी और ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक अमित डांगी से गुरुवार को पूछताछ की। जांच एजेंसी ने अनिल अंबानी से आठ घंटे और डांगी से करीब सात घंटे तक कई सवाल पूछे। अनिल अंबानी को पूछताछ के लिए शुक्रवार को भी बुलाया गया है।

सीबीआई ने बताया कि अनिल अंबानी आज जांच एजेंसी के दिल्ली स्थित मुख्यालय पहुंचे और उनसे लगभग आठ घंटे तक पूछताछ की गई। उन्हें शुक्रवार को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। यह मामला 21 अगस्त 2025 को दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। इसमें रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, अनिल अंबानी और अन्य अज्ञात व्यक्तियों सहित, कुछ अज्ञात लोक सेवकों को आरोपी बनाया गया है। शिकायत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने की थी, जो 11 बैंकों के कंसोर्टियम की लीड बैंक है।

फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि 2013 से 2017 के बीच समूह कंपनियों के बीच जटिल लेन-देन के जरिए बड़े पैमाने पर फंड डायवर्जन और दुरुपयोग किया गया। इससे एसबीआई को 2,929.05 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कुल मिलाकर 17 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एक्सपोजर 19,694.33 करोड़ रुपये था।

युद्ध अब एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हफ्तों में तेल की कीमतें और बढ़ सकती हैं।

अपने चिरपरिचित अंदाज में डॉनल्ड ट्रंप ने इस बात से साफ इनकार कर दिया है कि उन्हें इज़रायल के इन हमलों की पहले से कोई जानकारी थी। लेकिन लगभग तुरंत ही, इज़रायल के कुछ वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों ने कहा कि साउथ पार्स पर हमले अमेरिका से सलाह करके तय किए गए थे।

ट्रंप के बयानों को अलग रखें तो गैस क्षेत्रों पर हमले और कतर की तेल-गैस सुविधाओं के बंद हो जाने का असर पूरी स्थिति पर पड़ रहा है। इन सीधे हमलों के बाद यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि प्राकृतिक गैस की आपूर्ति जल्दी सामान्य हो जाएगी। इसे सामान्य होने में काफी लंबा समय लगेगा।

गैस क्षेत्रों पर इन विनाशकारी हमलों के मद्देनज़र, आर्थिक परिदृश्य में जबरदस्त बदलाव आया है। दुनिया के सभी बड़े शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी गई। केन्द्रीय बैंक आपात बैठकें कर रहे हैं और अपनी मौद्रिक नीतियों की समीक्षा कर रहे हैं।

दरअसल, केन्द्रीय बैंक अपने आर्थिक मॉडल और अपनी अनुमानित ब्याज दर नीतियों को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं। जहाँ एक तरफ अधिकांश प्रमुख केन्द्रीय बैंक अब तक "नरम मौद्रिक नीति" की ओर बढ़ रहे थे, वहीं, अब इन झटकों के कारण उन्हें अपने मापदंडों को बदलकर अधिक रुढ़िवादी राह पर लाना पड़ रहा है और हो सकता है कि उन्हें पूरी तरह से सख़्त ब्याज नीति ही अपनानी पड़े। अमेरिका का फेडरल रिजर्व और और बैंक ऑफ इंगलैण्ड, दोनों ने ब्याज दरों में कटौती के फैसले को फिलहाल रोक दिया है। युद्ध शुरू होने से पहले बड़े केन्द्रीय बैंक लगातार ब्याज दरें घटाने की तैयारी में थे। ये कटौतियाँ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में कीमतों में नरमी को देखते हुए सोची गई थीं, लेकिन लड़ाई शुरु होने के बाद हालात बिल्कुल उलट हो गए।

डॉनल्ड ट्रंप, जो शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव पर बहुत भरोसा करते थे, अब मुश्किल में दिख रहे हैं। लगभग सभी आर्थिक संकेतक नकारात्मक रुझान दिखा रहे हैं। रोजगार के अवसर घट गए हैं, कीमतें बढ़ रही हैं और आर्थिक भविष्य कमज़ोर नज़र आ रहा है। वैश्विक समुद्री निगरानी संस्था, इंटरनेशनल मैरिटाइम ऑर्गनाइजेशन (आईएमओ) ने गुरुवार को लंदन में आपात बैठक की और मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। खाड़ी क्षेत्र में कई जहाज फंसे हुए हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर नहीं पा रहे हैं। इन जहाजों पर मौजूद नाविक युद्ध क्षेत्र से बाहर निकलना चाहते हैं। आईएमओ के अनुसार, लगभग 20,000 नाविक खाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए हैं और उनकी सुरक्षा को लेकर लगातार खतरा बना हुआ है। इन्हें वहां से निकालना जरूरी है, लेकिन उनकी जगह नए समुद्री कर्मचारी मिलना भी मुश्किल है।

इस वजह से बड़ी शिपिंग कंपनियां दुविधा में हैं कि इस स्थिति से कैसे निपटा जाए। फिलहाल आईएमओ केवल यही उम्मीद जता सका है कि हालात जल्द शांत होंगे और जहाज सुरक्षित रास्तों से बाहर निकल सकेंगे।

कुवैत की दो रिफाइनरियों में ईरानी ड्रोन हमले से आग लगी

इस्तांबुल/कुवैत, 19 मार्च। पश्चिम एशिया में करीब तीन हफ्तों से जारी युद्ध के बीच गुरुवार सुबह कुवैत की दो तेल रिफाइनरीज़, मीना अल-अहमदी रिफाइनरी और मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी पर ईरान ने ड्रोन हमले किए, जिससे आग लग गई। कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि स्थिति पर जल्द काबू पा लिया गया और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। तुर्किए की आधिकारिक संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी (एए), कुवैत के प्रमुख समाचार पत्र कुवैत टाइम्स तथा अन्य मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने गुरुवार को बताया कि देश की दो प्रमुख तेल रिफाइनरियों पर ईरान द्वारा ड्रोन हमले किए गए, जिससे कुछ स्थानों पर आग लग गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि इनमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

- **कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने हमले की पुष्टी की और आग पर काबू पाने की घोषणा की**
- **ईरान ने दो हमलों में मीना अल-अहमदी रिफाइनरी तथा मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी को निशाना बनाया। आग बुझाने के लिये तुरंत इमरजेंसी तथा रैपिड रैस्पॉन्स टीमों को तैनात किया गया। छह फायर फाइटिंग टीमों ने आग पर काबू पाया।**

कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के अनुसार, एक ड्रोन ने मीना अल-अहमदी रिफाइनरी की एक ऑपरेशनल यूनिट को निशाना बनाया, जबकि दूसरे हमले में मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी को टारगेट किया गया। दोनों ही रिफाइनरियों का संचालन कुवैत नेशनल पेट्रोलियम कंपनी (केएनपीसी) करती है।

भाजपा ने प.बंगाल में 112 नाम घोषित किये

कोलकाता, 19 मार्च। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को अपनी दूसरी उम्मीदवार सूची जारी कर दी। इस सूची में 112 विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। इसके साथ ही, पहली सूची में एक उम्मीदवार का नाम भी बदला गया है। इससे पहले भाजपा ने पहली सूची में 144 उम्मीदवारों की घोषणा की थी। दूसरी सूची जारी होने के बाद अब 38 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित होने बाकी हैं। दूसरी सूची के अनुसार, हावड़ा के श्यामपुर से हिरण चट्टोपाध्याय को टिकट दिया गया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908